| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | ~ | 81,481.86 |
| निफ्टी | ~ | 24,855.05 |
| सोना | ~ | 1,00,480 |
| चांदी | ~ | 1,17,000 |
| डॉलर | ~ | 87.68 |

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
गुरूवार 31 जुलाई 2025
श्रावण शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 306
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00


## खास खबर

### सेना का ऑपरेशन शिवशक्ति, पुंछ में 2 आतंकी ढेर

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, बॉर्डर पर तैनात जवानों ने मंगलवार देर रात देगवार सेक्टर के मालदीवलन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। इस ऑपरेशन को शिवशक्ति नाम दिया गया। आतंकियों के पास से 3 हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पिछले तीन दिनों में सेना का यह दूसरा एनकाउंटर है। 28 जुलाई को श्रीनगर के दाचीगाम नेशनल पार्क के पास हरवान इलाके में सुरक्षाबलों तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को ढेर किया था। इनमें पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी सुलेमान भी शामिल था। बाकी दो आतंकियों की पहचान जिबरान और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। जिबरान 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट पर हुए हमले में शामिल था। आतंकियों के पास से अमेरिकी रू4 कार्बाइन, ्र्य-47, 17 राइफल और ग्रेनेड मिले थे। इसे ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया था।

### इसरो ने लॉन्च किया पावरफुल सैटेलाइट निसार

श्रीहरिकोटा। अब तक के सबसे महंगे और सबसे पावरफुल अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट निसार को बुधवार को लॉन्च किया गया। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम 5ः40 बजे जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। ये रॉकेट निसार को 743 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूरज के साथ तालमेल वाली सन-सिंक्रोनस कक्षा में स्थापित करेगा, जिसका झुकाव 98.4 डिग्री होगा। इसमें करीब 18 मिनट लगेंगे। इस सैटेलाइट को नासा और इसरो दोनों ने मिलकर बनाया है। निसार 747 किमी की ऊंचाई पर पोलर ऑर्बिट में चक्कर लगाएगा। पोलर ऑर्बिट एक ऐसी कक्षा है जिसमें सैटेलाइट धरती के ध्रुवों के ऊपर से गुजरता है। इस मिशन की अवधि 5 साल है। निसार एक हाई-टेक सैटेलाइट है।

### अलकायदा की महिला आतंकी शमा परवीन गिरफ्तार

बेंगलुरु। अलकायदा टेरर मॉडयूल केस में गुजरात एटीएस को बड़ी कामयाबी मिली है। गुजरात एटीएस ने बेंगलुरु से अलकायदा टेरर मॉड्यूल की महिला आतंकी को गिरफ्तार किया है। कर्नाटक की रहने वाली शमा परवीन अल कायदा का पूरा मॉड्यूल चला रही थी। इस महिला आतंकी को गुजरात एटीएस ने कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पूछताछ जारी है। 30 साल की शमा परवीन एक्यूआईएस की मुख्य महिला आतंकी है। गिरफ्तार महिला आतंकी शमा परवीन झारखंड मूल की है।

### बेटिंग एप के प्रमोशन मामले में पूछताछ के लिए ईडी ऑफिस पहुंचे अभिनेता प्रकाश राज

हैदराबाद। अभिनेता प्रकाश राज से बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेटिंग एप के प्रमोशन से जुड़े एक मामले में हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ की। यह मामला अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने और इससे जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से संबंधित है।

बता दें कि मार्च में साइबराबाद पुलिस ने प्रकाश राज और कुछ अन्य अभिनेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

### अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील को लेकर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान...

# भारत पर 25 % टैरिफ लगाएगा अमेरिका

## भारत रूस से हथियार-तेल खरीद रहा, इसलिए जुर्माना भी वसूलेंगे, 1 अगस्त से लागू

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील को लेकर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एकतरफा ऐलान कर दिया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक भारत पर अमेरिका ने 25 फीसदी टैरिफ लगाया है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद इसका ऐलान किया है। ट्रंप ने बताया कि 1 अगस्त से भारत पर ये लागू होगा। असल, ट्रेड डील को लेकर भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से बातचीत चल रही थी। अब जाकर खुद ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है।

डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने भारत के साथ पिछले कई वर्षों में अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत अधिक हैं, दुनिया में सबसे अधिक हैं। जो कि अमेरिका को व्यापार बढ़ाने में रोकता है। ट्रंप की मानें तो भारत लगातार सैन्य उपकरण रूस से खरीदते आया है, जो कि सही नहीं है। हर कोई चाहता है कि रूस यूक्रेन पर हमला रोके, लेकिन भारत रूस से लगातार व्यापार को बढ़ा रहा है, जो कि सही कदम नहीं है। इसलिए इन सभी मामलों को देखते हुए अमेरिका ने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है, और ये 1 अगस्त से लागू हो जाएगा। गौरतलब है कि इस वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका को भारत का एक्सपोर्ट 22.8 प्रतिशत बढक़र 25.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 11.68 प्रतिशत बढक़र 12.86 अरब डॉलर हो गया। अमेरिका इंडस्ट्रियल गुड्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, वाइन और पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स पर शुल्क में छूट चाहता है। इसके अलावा, वह कृषि, डेयरी, सेब, मेवे और जेनेटिकली मोडिफाइड फसलों पर भी शुल्क रियायत की उम्मीद कर रहा है। लेकिन भारत के लिए यह अमेरिका की यह डिमांड मानना मुश्किल है।

### 1 अगस्त तक समझौता होना जरूरी

इस पूरे मुद्दे की एक अहम बात यह है कि अगर भारत 1 अगस्त तक अमेरिका के साथ समझौते पर नहीं पहुंचता है, तो अमेरिकी सरकार भारतीय सामानों पर 16 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगा सकती है। यह टैक्स पहले से लागू 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ के अलावा होगा। ऐसे में भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार में सामान बेचना महंगा हो सकता है। हालांकि, भारत साफ कर चुका है कि वह समय सीमा की वजह से किसी समझौते को मंजूर नहीं करेगा। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल कह चुके हैं कि भारत तभी समझौते पर साइन करेगा, जब वह पूरी तरह से तैयार हो, भारत के हित में हो और ठीक से परखा गया हो।

### ट्रंप के बयान का गंभीरता से किया जा रहा अध्ययन

भारत सरकार ने कहा है कि वह इस बयान के असर का गंभीरता से अध्ययन कर रही है और भारत के हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। सरकार ने बताया कि भारत और अमेरिका पिछले कुछ महीनों से एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक लाभदायक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रहे हैं। भारत उस उद्देश्य के लिए प्रतिबद्ध है।

### अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा

भारत, अमेरिका का दोस्त है, लेकिन पिछले कुछ सालों में अमेरिका ने उसके साथ कम व्यापार किया है क्योंकि उसके टैरिफ बहुत ज्यादा हैं। दरअसल, भारत की कई नीतियां ऐसी हैं जो अमेरिकी कंपनियों को व्यापार करने में मुश्किलें पैदा करती हैं। भारत आज भी अपने ज्यादातर हथियार रूस से खरीदता है। इतना ही नहीं, चीन के साथ मिलकर भारत, रूस से बड़ी मात्रा में तेल और गैस भी खरीदता है, जबकि पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में हिंसा रोके। इन सब वजहों से अब अमेरिका ने फैसला किया है कि भारत से आने वाले सामानों पर 1 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। इसके अलावा पेनल्टी भी लगाई जाएगी। दोनों देशों के बीच सबकुछ सही नहीं है। ट्रम्प ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं।

### अभी तक नहीं हो पाया समझौता

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील अभी तक नहीं हो पाई है। अमेरिका अपने अमीर किसानों के लिए भारत का बाजार चाहता है। लेकिन भारत अपने फैसलों पर अडिग है। दोनों देशों के बीच कई दौरों की बातचीत हो चुकी है। लेकिन अभी तक समझौता अंतिम रूप नहीं ले पाया है। अगले महीने अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल ट्रेड डील को लेकर अगले दौर की बातचीत के लिए भारत आएगा। इस महीने की शुरुआत में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत समय सीमा के आधार पर कोई व्यापार समझौता नहीं करता है और वह अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब वह अंतिम रूप से तैयार हो जाएगा, उचित रूप से संपन्न होगा और राष्ट्रीय हित में होगा।

## रूस में भूकंप से कांपी धरती, 30 बार महसूस किए गए झटके

### सुनामी की आशंका ने बढ़ाई चिंता

मास्को। रूस के पूर्वी तट पर कामचटका प्रायद्वीप के पास आए भूकंप ने तबाही मचा दी है। रिक्टर स्केल पर 8.7 तीव्रता वाले भूकंप से धरती कांपी तो लोग भी दहशत में आ गए। रूसी एजेंसी का कहना है कि भूकंप के बाद कामचटका में 30 से अधिक बार झटके महसूस किए गए। पलभर में तबाही के मंजर की आशंका को भांपते हुए लोग घरों से बाहर भागने लगे। वहीं भूकंप के बाद रूस के कुरील द्वीप समूह और जापान के बड़े उत्तरी द्वीप होक्काइडो के तटीय इलाकों में सुनामी आ गई। तमाम इलाकों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। इससे लोगों की परेशानी बढ़ी हुई है। भूकंप के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

रूस के कामचटका में आए भूकंप के झटकों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसमें दिखा गया कि एक घर में बुरी तरह से सामान हिल रहा। यूजर ने लोगों को सचेत रहने की चेतावनी दी है। एक अन्य वीडियो में एक कैंप में रखा सामान हिलता दिख रहा है। लोगों का कहना है कि झटकों से ऐसा महसूस हुआ कि कोई तेजी से हमें झकझोर रहा हो। झटके महसूस होने पर लोग घर से बाहर की ओर भागे। वहीं रूसी एजेंसी ने कहा कि भूकंप के बाद कई बार 2 से 5 की तीव्रता वाले 30 अतिरिक्त झटके महसूस किए गए। रूसी समाचार एजेंसी के अनुसार कि भूकंप के दौरान एक हवाई अड्डे सहित कई स्थानों पर कई लोगों को मामूली चोटें आईं।

### घरों के अंदर गिरी अलमारियां

भूकंप के बाद रूस के सबसे बड़े शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की में लोग सडक़ों पर आ गए। घरों के अंदर अलमारियां गिर गईं, शीशे टूट गए, कारें सडक़ पर क्षतिग्रस्त हो गईं और इमारतों में कांपती नजर आईं। इससे पहले जुलाई में कामचटका के पास समुद्र में पांच शक्तिशाली भूकंप आए थे- जिनमें से सबसे बड़ा भूकंप 7.4 तीव्रता का था। सबसे बड़ा भूकंप 20 किलोमीटर की गहराई पर और 180,000 की आबादी वाले पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर से 144 किलोमीटर पूर्व में था। 4 नवंबर, 1952 को कामचटका में 9.0 तीव्रता के भूकंप से भारी नुकसान हुआ था

### सुनामी के अलर्ट सायरन बजे

रूस के कामचटका में आए भूकंप के बाद रूस के कुरील द्वीप समूह और जापान के बड़े उत्तरी द्वीप होक्काइडो के तटीय इलाकों में सुनामी आ गई। होनोलूलू में मंगलवार को सुनामी चेतावनी सायरन बजने लगे और लोगों को ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए कहा गया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि लगभग 30 सेंटीमीटर ऊंची पहली सुनामी लहर होक्काइडो के पूर्वी तट पर नेमुरो पहुंची। स्थानीय गवर्नर वालेरी लिमारेंको के मुताबिक, पहली सुनामी लहर प्रशांत महासागर में रूस के कुरील द्वीप समूह की मुख्य बस्ती सेवेरो-कुरीलस्क के तटीय क्षेत्र में आई। आसपास रहने वाले लोग सुरक्षित हैं। दोबारा लहर आने का खतरा टलने तक वे ऊंचे स्थानों पर ही रहेंगे।

## अगर मोदी ट्रंप को झूठा कहें तो पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के हालिया तनाव को खत्म करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगातार किए गए दावों से भारत में सियासी बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में एक बार फिर इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ नहीं कहा कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं, क्योंकि वे खुद बोल नहीं पा रहे हैं। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पीएम मोदी बोलेंगे तो ट्रंप सच सामने ला देंगे, इसलिए मोदी चुप हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी व्यापार डील के लिए पीएम मोदी पर दबाव बना रहे हैं और देखना होगा यह डील कैसी बनती है।

### प्रियंका गांधी ने क्या कहा?

राहुल गांधी के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी पीएम मोदी पर ट्रंप के दावों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान गोलमोल हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सुझाव दिया कि उन्हें साफ-साफ कहना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति झूठ बोल रहे हैं।

### हिट एंड रन केस में असमिया एक्ट्रेस गिरफ्तार

गुवाहाटी। हिट एंड रन केस में अब एक जानी-मानी असमिया अभिनेत्री नंदिनी कश्यप को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को लगभग डेढ़ बजे नंदिनी को गुवाहाटी से ही गिरफ्तार किया है जिसके बाद उन्हें अब कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे पहले मंगलवार को एक्ट्रेस को कस्टडी में लिया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने छात्र को अपनी कार से टक्कर मारी और मौके से फरार हो गईं। घटना 25 जुलाई की रात लगभग 3 बजे गुवाहाटी के दक्षिणगांव इलाके में हुई, जब 21 वर्षीय समीउल हक नामक छात्र सडक़ पार कर रहा था।

### कैश कांड में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस वर्मा को फटकार, कहा

## आपके व्यवहार से भरोसा नहीं होता, जांच कमेटी की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो तभी क्यों नहीं आए

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के आचरण पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि उनका व्यवहार भरोसे के लायक नहीं है और पूछा कि अगर उन्हें जांच समिति की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो उन्होंने उसी वक्त उसे चुनौती क्यों नहीं दी।

बेंच में शामिल जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह ने कहा कि जस्टिस वर्मा को पहले ही सुप्रीम कोर्ट आना चाहिए था, न कि अब जब जांच समिति ने उन्हें दोषी पाया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाभियोग संसद की प्रक्रिया है। मुख्य न्यायाधीश द्वारा महाभियोग की सिफारिश किया जाना गलत है। दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है। रिपोर्ट में घर में कैश मिलने के मामले में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है।

# एक्सप्रेस ट्रेनों को स्टॉपेज देने की मांग को लेकर किया गया लामटा बंद, सौंपा गया ज्ञापन

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज )। 30 जुलाई को सुबह से ही एक्सप्रेस ट्रेनों को स्टॉपेज दिए जाने की मांग को लेकर लामटा के व्यापारी सहित अलग-अलग संगठनों द्वारा लामटा बंद का आवाहन किया गया। जिसमें स्टॉपेज की मांग को लेकर सभी व्यापारी और आम जनों ने इसका समर्थन करते हुए लामटा को बंद रखा और दोपहर स्टेशन प्रबंधक को एक ज्ञापन भी संगठन द्वारा सौंपा गया। जिसमें रेल मंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में अलग-अलग संगठनों के पदाधिकारी ने विभिन्न मांग सहित एक्सप्रेस ट्रेन को स्टॉपेज दिए जाने की मांग रखी।**

आपको बता दे कि बुधवार को लामटा स्टेशन में एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर लामता बंद रखा गया था। जिसमें सुबह 10 बजे से ही क्षेत्र की जनता आंदोलन स्थल पर पहुंचना शुरू हो गई । 11 बजे एक रैली निकाली गयी जो नगर के विभिन्न चौराहों से होकर रेल्वे स्टेशन पर पहुंची। इस रैली में आम जनता ने जमकर नारे बाज़ी की। रैली रेल्वे स्टेशन पर पहुंची, जहां सभी वक्ताओं ने मंच से अपने अपने उद्बोधन से ट्रेनों के स्टॉपेज को लेकर अपनी मांग को जल्द पूरी करने की बात कही। रेल यात्री एवं क्षेत्रीय विकास समिति के अध्यक्ष हुलासमल कोचर ने अपने उद्बोधन ने कहा कि लामता स्टेशन में एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज जल्द से जल्द करा जाए। अगर मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तो आगामी समय में रेल रोको आंदोलन, भूख हड़ताल जैसे आंदोलन करने पर मजबूर हो जायेगे। इस ट्रेनों के स्टॉपेज से आसपास के लगभग 35 से 50 गांव की जनता को इसका सीधा लाभ मिलेगा ।

### आम जनों को रेल की सुविधा नहीं मिल पा रही है - दरबुसिह उईके

पुर्व विधायक दरबुसिह उईके द्वारा बताया गया कि जहां एक ओर केंद्र सरकार द्वारा बुलेट ट्रेन चलाई जाने की बात कही जा रही है तो वहीं दूसरी ओर हमारे बालाघाट जिला जो खनिज संपदाओं के नाम से जाना जाता है। उसके बाद भी यहां ट्रेनों को स्टॉपेज नहीं दिया जा रहा है। जिस कारण यहां के आम जनों को रेल की सुविधा नहीं मिल पा रही है। और कुछ ट्रेने जो लामटा से चलाई जा रही है । उनका भी स्टॉपेज लामटा को नहीं मिल रहा है। जिस कारण आज ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। वह चाहते हैं कि आम जनों को रेल सुविधा मिलनी चाहिए और लामटा में भी स्टॉपेज दिया जाना चाहिए । इन्हीं मांग को लेकर आज लामटा में प्रदर्शन किया गया है यदि उनकी मांगे जल्द पूरी नहीं होती तो वह इससे भी बड़ा आंदोलन लामटा में करेंगे।

### लामटा पूरी तरह से बंद किया गया था - अनूपसिंह

ब्रॉडगेज संघर्ष समिति के पदाधिकारी अनूपसिंह बैस द्वारा बताया गया कि आज लामटा बालाघाट जिले का प्रमुख क्षेत्र माना जाता है। यहां से करोड़ों रुपए का राजस्व बांस के माध्यम से राज्य सरकार और केंद्र सरकार को दिया जा रहा है लामटा में सभी एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज होना चाहिए और लामटा क्षेत्र के निवासियों को रेल सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए । इसीलिए आज लामटा में विभिन्न संगठन और आमजन के द्वारा लामटा बंद का आवाहन किया था और आज ट्रेन की स्टॉपेज की मांग को लेकर लामटा पूरी तरह से बंद किया गया था , यात्री ट्रेन और एक्सप्रेस ट्रेनों को स्टॉपेज लामटा में दिया जाए भले ही उन्हें कम समय स्टॉपेज के लिए मिले लेकिन लामटा को एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज मिलना चाहिए इन्हीं सब मांग को लेकर आज विरोध स्वरूप लामटा बंद किया गया था। इस बंद में लामटा के व्यापारीगण, क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों, ब्राडगेज संघर्ष समिति अध्यक्ष अनुपसिह बैस ,पुर्व विधायक दरबुसिह उईके,लामटा सरपंच हुलासमल कोचर,रेलयात्री व क्षेत्रीय विकास समिति जनरल सेक्रेटरी रामकुमार असाटी, सुशील कोचर ,सुनिल पाठक ,प्रदिप जैन ,धानेश असाटी विक्रम ठाकुर , एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।


स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (काँटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरुपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998


# हट्टा में हरियाली यात्रा निकालकर नवाकुंर सखियों द्वारा किया गया पौधारोपण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। जिला समन्वयक सुशील बर्मन, ब्लॉक समन्वय श्रीमती वैजयंती कटरे के निर्देशन में जन अभियान परिषद विकासखंड बालाघाट सेक्टर क्रमांक 2 हट्टा में नवाँकुर संस्था सत्वशील सोसायटी बालाघाट द्वारा सामुदायिक भवन गुजरी चौक में पूजन अर्चन करने के पश्चात कलश प्रज्वलित कर कलश यात्रा का आयोजन किया गया। साथ ही सामुदायिक भवन में उपस्थित अतिथियों का पौधा भेंट करें स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बैजन्ती कटरे और जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन ने उपस्थित जन समुदाय को हरियाली अमावस्या से नवाँकुर सखी हरियाली यात्रा एवं पौधारोपण पर विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में योगदान देने की अपील की गई। कार्यक्रम में जनपद सदस्य रंजना वैध, हट्टा सरपंच उमेश सोनकर, कबीरा संगठन अध्यक्ष रशमी सोनी, सामाजिक कार्यकर्ता विकास हजारी, तिवडीकला सरपंच किशोर कोवे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

# बीएमओ ने टीबी मरीजों को आवश्यक सामग्री का किया वितरण

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (ह्ज्ञश्वक्क) के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रियव्रत सोनकर के निर्देशन में, टीबी रोगियों के लिए एक सराहनीय पहल की गई। मॉयल भरवेली बालाघाट लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) के अंतर्गत टीबी मरीजों को पोषण सहायता प्रदान करने हेतु फूड बास्केट उपलब्ध कराए गए। इन फूड बास्केट का वितरण डॉ. वर्ष चौबे, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, किरनापुर द्वारा किया गया इस अवसर पर स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार देकर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना और शीघ्र स्वस्थ करना है। वही जन-जन का एक ही नारा, टीबी मुक्त हो देश हमारा इस पहल से न केवल मरीजों को सीधा लाभ मिलेगा, बल्कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को भी गति मिलेगी।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु Computer ऑपरेटर की आवश्यकता है

पद - 01 (फिमेल)

सैलरी-योग्यतानुसार

-संपर्क करें-

TST ऑफिस प्रेमनगर बालाघाट

मो. 9584903881



कार्यालय प्राचार्य

सांदीपनि टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय वारासिवनी

बालाघाट रोड़, वारासिवनी, डाइसकोड- 23450706733

hsse&celwaraseoni@gmail.com

क्रमांक/निलामी /2025/336 वाराणसी, दिनांक 30/07/2025

अनुपयोगी सामग्री विक्रय हेतु निलामी सूचना

सर्वसाधारण जन/फर्म को सूचित किया जाता है कि टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी की पुरानी बिल्डिंग को डिस्मेटल करने के बाद उपलब्ध सामग्री विक्रय किया जाना है, जिसमें लोहा, टीन, लकड़ी इत्यादि सामग्री सम्मिलित है। जिसकी खुली निलामी दिनांक 03.08.2025 दिन रविवार को समय प्रातः 11.00 बजे से सांदीपनि टिहलीबाई शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी में की जानी है।

सामग्री विक्रय दिनांक 03.08.2025 दिन रविवार

सामग्री विक्रय निलामी समय- प्रातः 11.00 बजे

प्राचार्य

सांदीपनि टि0बा0शास0 उत्कृ.विद्यालय

वारासिवनी जिला बालाघाट( म0प्र0 )


# जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में मानव तस्करी निषेध दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय बालाघाट में मानव तस्करी निषेध दिवस के उपलक्ष्य में 30 जुलाई को जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात शिवगिरी आगाज़ संस्था के संस्थापक द्वारा उद्घाटन वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में लघु नाटिका के माध्यम से मानव तस्करी बाल श्रम एवं बाल भिक्षावृत्ति जैसे विषयों पर जागरूकता उत्पन्न की गई। इस दौरान रिहान खान हेड कांस्टेबल विशेष किशोर पुलिस इकाई ने छात्र छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिला सुरक्षा शाखा की प्रधान आरक्षक रीता ने गुड टच और बैड टच, बाल उत्पीड़न महिला सुरक्षा एवं समाज में व्याप्त कुप्रथाओं पर जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से अत्यंत प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें इन गंभीर मुद्दों पर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को मानव तस्करी बाल शोषण एवं लैंगिक असुरक्षा के विरुद्ध जागरूक करना रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. उषा सिंह, डॉ. सरिता खोबरागड़े, श्रीमती तारा सिगराम सहित समस्त स्टाफ एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एवं सहायक प्राध्यापक श्री सुखचंद एड़े द्वारा सभी अतिथियों वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार प्रदर्शन किया गया।

## एक शाम रफी के नाम चांगोटोला में रफी साहब को संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम आज

चांगोटोला (पद्मेश न्यूज )। स्वर सम्राट मोहम्मद रफी को समर्पित संगीतमय संध्या एक शाम रफी के नाम का आयोजन आगामी 31 जुलाई, गुरुवार को रात 8 बजे से ग्राम पंचायत भवन, चांगोटोला में किया जा रहा है।यह विशेष आयोजन ऑर्केस्ट्रा गीत मल्हार के सौजन्य से राजेन्द्र मेश्राम 'नील' द्वारा संयोजित किया गया है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद ठाकरे सरपँच चांगोटोला होंगे जबकि अध्यक्षता कमलेश चौरड़िया द्वारा की जाएगी। इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक ओमकार चौहान (माँ मेडिकल स्टोर्स, चांगोटोला) है। विशिष्ट अतिथि के रूप में जयराम उईके (उपसरपंच, चांगोटोला), संतोष राहंगडाले (सरपंच प्रतिनिधि, पचपेड़ी), उमेश सोनी, रामप्रसाद पटले, गजेंद्र प्रसाद खरे, विनोद बोथरा, मनोज नाहर, सोहन ठाकरे, राम गोपाल अजित, शिव हरिनखेड़े (सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत बटुआ ), युवराज नामदेव,अब्दुल सलाम शाह, संतोष ठाकरे, यज्ञकांत राहंगडाले, पिंटू राहंगडाले (उपसरपंच, पचपेड़ी), एडवो. एन.पी. गौतम, मो. साबिर अंसारी, राजेश बमुरे, यासीन शाह,सुनील गेवरिकर, राजेश अवधिया, नीलेश चौरड़िया, विपिन कांकरिया, जागेश्वर बिसेन, सुरेंद्र हिंगलेजा, शंकर परते, पीयूष बोथरा,गौतम शास्त्री, अंकुश चौहान (पत्रकार), राजेश चौरड़िया, शैलेन्द्र नाहटा सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।इस संगीतमय संध्या में जिले के प्रतिष्ठित गायक अलका मेश्राम, उमेश चौरे, किशोर सागर छिपेश्वर, आयुष चौरड़िया,कृष्णा तिवारी, महेंद्र पटले, सुमित चौहान, दुर्गेश भट्ट आदि कलाकार स्व.मोहम्मद रफी के अमर गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति देंगे। राजेन्द्र मेश्राम 'नील' ने सभी संगीत प्रेमियों से समय पर पधारकर स्वर सम्राट रफी साहब को सुरों में समर्पित इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम का हिस्सा बननेऔर एक अविस्मरणीय संध्या का आनंद लेंने अनुरोध किये है।


कार्यालय नगरपालिका परिषद,बालाघाट जिला–बालाघाट म.प्र.

Tel no.07632-241377 mail:- cmobalaghat@mpurban.gov.in

Bus stand-Kali Putli chowk Balaghat m.p-481001

क्रंमाक/सा.प्र./स्था.शा./दिव्यांग भर्ती/न.पा.परि./मेरिट सूची/2025/ बालाघाट दिनॉक– /07/2025

!! दिव्यांगजन भर्ती मेरिट सूची का प्रकाशन !!

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर याचिका क्रंमाक–WP-7275/2019 National Fedration Of The Blind MP Branch विरूद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य दिव्यांगजनों के रिक्त पदो की पूर्ति अभियान विशेष भर्ती अभियान के तहत् दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन प्रकाशन के अंतिम तिथि तक विभिन्न दिव्यांगता की श्रेणी के लिये कुल 1219 आवेदन पत्र प्राप्त हुये है । प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर संलग्न अभिलेखों के आधार पर पात्र अभ्यार्थीयों की वर्गवार सूची इस कार्यालय की वेबसाईट–https:// nagarpalikabalaghat.com/and balaghat.nic.in सभी शासकीय कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है । यदि किसी भी पात्र अभ्यर्थी को (ग्रेड वाले अभ्यर्थी,संबंधित शाला से पूर्णाक/प्राप्तांक/प्रतिशत का परिणाम संबधी) उक्त सूची पर दावा/आपत्ति हो तो वह कार्यालयीन समय में दिनॉक–30/07/2025 से 05/08/2025 तक शाम 06:00 बजे तक डाक से अथवा व्यक्तिगत निकाय की आवक जावक शाखा में कार्यालय द्वारा निर्धारित कर्मचारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि उपरांत अर्थात् (दिनॉक–05/05/2025) के पश्चात् आपत्ति मान्य नही होगी । मेरिट सूची निकाय –https:// nagarpalikabalaghat.com/and balaghat.nic.in एवं शासकीय कार्यालय एवं निकाय सूचना पटल से देखी व डाउनलोड की जा सकती है

| क्र | दिव्यांगता के आरक्षित पदों का नाम | पद संख्या | मेरिट सूची में कुल पात्र आवेदनों की संख्या | सूची अनुसार |
|---|---|---|---|---|
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 |
| 01 | सहायक राजस्व निरीक्षक दृष्टिबाधित | 01 पद | 131 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 02 | सहायक राजस्व निरीक्षक बहरे/कम सुनने वाले | 01 पद | 079 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 03 | भृत्य– दृष्टिबाधित | 01 पद | 079 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 04 | भृत्य– बहरे/कम सुनने वाले | 01 पद | 048 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 05 | भृत्य– बहुविकलांगता | 01 पद | 013 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 06 | भृत्य–लोकोमीटर,डिसेबिलीटी | 01 पद | 129 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 07 | सफाई संरक्षक– दृष्टिबाधित | 02 पद | 102 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 08 | सफाई संरक्षक– बहरे/कम सुनने वाले | 01 पद | 045 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 09 | सफाई संरक्षक– लोकोमीटर | 01 पद | 082 पात्र | सूची संलग्न है । |
| 10 | सफाई संरक्षक– बहुविकलागता | 01 पद | 014 पात्र | सूची संलग्न है । |
| | कुल योगः– | 11 पद | 722 पात्र | सूची संलग्न है । |

परियोजना अधिकारी
जिला शहरी विकास अभिकरण
बालाघाट जिला–बालाघाट

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला–बालाघाट म.प्र.

# जबलपुर और रायपुर के बीच दौड़ेगी 3 अगस्त से जबलपुर रायपुर इंटरसिटी ट्रेन

## शेड्यूल हुआ जारी, अधिकारियों ने कहा जल्द शुरू की जा सकती है इंटरसिटी ट्रेन

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज )। रेलवे द्वारा जबलपुर से रायपुर के बीच जबलपुर रायपुर इंटरसिटी ट्रेन चलाई जाने की बात कही गई थी। इसका सोशल मीडिया पर पत्र भी जारी हुआ था। किंतु बाद में पुनः एक पत्र सोशल मीडिया पर जबलपुर रायपुर इंटरसिटी ट्रेन को लेकर जारी हुआ है। इसका शेड्यूल भी सोशल मीडिया पर इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है। रेलवे विभाग के अधिकारियों की माने तो उन्हें अभी तक विभाग से कोई पत्र जारी नहीं हुआ है। लेकिन वह भी बता रहे हैं कि जल्द ही अगस्त के महीने से यह जबलपुर रायपुर इंटरसिटी ट्रेन जबलपुर से रायपुर के बीच चलेगी। जबकि बीते दिनों इस ट्रेन को मदन महल से रायपुर के बीच चलाई जाने की बात कही जा रही थी। किंतु पुनः अब रेलवे द्वारा इस ट्रेन को जबलपुर से रायपुर के बीच चलाई जाने को लेकर ,सोशल मीडिया पर पत्र भी तेजी से वायरल हो रहे हैं।**

आपको बता दे कि रेलखंड में उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाले बालाघाट रेलवे मार्ग से जबलपुर से रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस चलाए जाने की घोषणा रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने की थी। जिसके बाद से लगातार इसका इंतजार किया जा रहा था, लेकिन महिनों बाद भी, अब तक इसकी तिथि घोषित नहीं हो सकी है, जबकि रेल बोर्ड से, इस ट्रेन का शेड्युल जारी किया है। ऑनलाईन साईड में जबलपुर से रायपुर तक चलाई जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के जारी किए गए शेड्यूल में इस मार्ग पर पड़ने वाले घंसौर, लामता में स्टॉपेज नहीं दिया गया है। जिससे इन, स्टेशनों के यात्रियों को इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। जबकि दोनो ही स्टेशन व्यवसायिक रूप से रेल के फायदेमंद है, चूंकि, यहां से बड़ी संख्या में रेलयात्री, रेलयात्रा करते है, लेकिन, यहां, जबलपुर-रायपुर ट्रेन के स्टॉपेज नहीं दिए जाने से लोगो में नाराजगी है। ट्रेन क्रमांक 11702/11701 जबलपुर-रायपुर इंटरसिटी के बोर्ड, साईड पर जारी किए गए शेड्यूल में 15 कोच की इस ट्रेन में 8 द्वितीय श्रेणी कोच सामान्य,

4 द्वितीय श्रेणी चेयर कोच और एक द्वितीय श्रेणी का एसी कोच होगा। इस ट्रेन का जबलपुर से सीधे नैनपुर, बालाघाट, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग और रायपुर में स्टॉपेज दिया गया है। जिसमें धंसौर और लामता स्टेशन शामिल नहीं है। देखा जाए तो विभाग स्तर पर इस ट्रेन को अभी तक शुरू कर दिया जाना था। लेकिन अभी तक यह ट्रेन शुरू नहीं हुई है। इस ट्रेन को शुरू किए जाने को लेकर विभाग स्तर से कोई भी पत्र अभी तक जारी नहीं हुआ है। सूत्रों की माने तो इस ट्रेन को अगस्त महीने में चलाई जाने की बात भी कही जा रही है। जबकि यह ट्रेन 2 महीने पहले ही शुरू हो जाना था।

### 6 घंटे 45 मिनट का होगा सफर

यह नई इंटरसिटी ट्रेन जबलपुर से सुबह 6:00 बजे रवाना होगी और बालाघाट व गोंदिया होते हुए दोपहर 1:45 बजे रायपुर स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन रायपुर से दोपहर 2:45 बजे चलकर रात 10:45 बजे जबलपुर पहुंचेगी। इस इंटरसिटी एक्सप्रेस से जबलपुर और रायपुर के बीच का सफर लगभग 6 घंटे 45 मिनट में पूरा होगा।

### ट्रेन शुरू होने को लेकर अभी कोई निर्देश नही मिले हैं - के.एम चौधरी

जब हमारे द्वारा बालाघाट स्टेशन प्रबंधक के.एम चौधरी से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि निश्चित ही इस ट्रेन को शुरू किए जाने को लेकर उन्हें भी जानकारी लगी है। किंतु विभाग स्तर से अभी कोई पत्र उन्हें नहीं मिला है। उन्हें भी जानकारी मिल रही है कि जल्द ही यह ट्रेन बालाघाट से होकर गुजरेगी। शायद यह अगस्त महीने से ही इस ट्रेन को शुरू किया जा सकता है। अभी तक उन्हें विभाग से कोई इस ट्रेन को शुरू किये जाने को लेकर पत्र नहीं मिला हैं।

### 3 अगस्त से शुरू हो सकती है ट्रेन

विभागीय सूत्रों की माने तो 3 अगस्त से जबलपुर रायपुर इंटरसिटी ट्रेन रेलवे विभाग द्वारा शुरू की जा सकती है। इसको लेकर विभागीय सूत्रों की माने तो 30 जुलाई को रेलवे बोर्ड द्वारा इसके निर्देश भी जारी किया जाना था। किंतु 30 जुलाई की रात्रि 8:00 बजे तक रेलवे बोर्ड द्वारा शुरू किए जाने को लेकर निर्देश नहीं जारी किये गये हैं। किंतु सूत्रों की माने तो जल्द ही बोर्ड ट्रेन शुरू किए जाने को लेकर पत्र जारी करेगा और संभवतः 3 अगस्त से जबलपुर रायपुर इंटरसिटी ट्रेन शुरू हो जाएगी।

# सेन समाज के भरवेली शाखा ब्लॉक अध्यक्ष व युवा एवं केश शिल्पी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनोनीत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला सेन समाज बालाघाट के तत्वाधान में संगठन के जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास के प्रमुख आतिथ्य में ग्राम पंचायत भरवेली के प्रांगण में बुधवार को ग्राम पंचायत भरवेली सेक्टर ब्लॉक अध्यक्ष व युवा अध्यक्ष एवं केश शिल्पी प्रकोष्ठ अध्यक्ष का चुनाव संपन्न कराया गया। जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष भरवेली कुलदीप श्रीवास, ब्लॉक युवा अध्यक्ष राजू सेन व ब्लॉक केश शिल्पी प्रकोष्ठ अध्यक्ष धरम उगाउकर को सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया। नव नियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थितजनों ने बधाई देते हुये संगठन को मजबूती प्रदान करने की अपेक्षा जताई। इस दौरान नव-नियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन कर समाज हित में संगठन को मजबूत करने आश्वस्त कराया। इस दौरान जिला सेन समाज के उपाध्यक्ष सुभाष मधुकर, जिला प्रवक्ता राजन भारद्वाज, जिला सचिव राजेंद्र श्रीवास, जिला महासचिव डॉ. पितांबर उरकुड़े, जिला सेन केश शिल्पी प्रकोष्ठ अध्यक्ष भेजनलाल सराठे सहित अन्य मौजूद रहे।

# गर्रा सरपंच को गाली गलौज करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने किया एफआईआर दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम गर्रा में सरपंच वैभव बिसेन के घर बीती रात आधा दर्जन से अधिक लोगों ने घर में घुसकर गाली-गलौज कर जान से मारने की बात कही जा रही थी। इस पूरी घटना का वीडियो सरपंच वैभव बिसेन के घर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिसके बाद सरपंच वैभव बिसेन द्वारा ग्राम की जनता के साथ इस पूरे मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की गई है। यहाँ सरपंच वैभव बिसेन की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने भटेरा चौकी निवासी धर्मेंद्र उर्फ राजू मिश्रा और आधा दर्जन से अधिक लोगों पर घर में घुस के गाली-गलौज और जान से मारने की कोशिश करने के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। आपको बता दे की गर्रा सरपंच और जिला सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष वैभव बिसेन द्वारा 30 जुलाई को दोपहर कोतवाली थाने में पहुंचकर एक शिकायत की गई है। जिसमें वैभव बिसेन द्वारा बताया गया कि उन्होंने 29 जुलाई को जनसुनवाई में ग्राम की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने को लेकर कलेक्टर को आवेदन दिया था। उसके बाद 29 और 30 जुलाई की रात्रि में

श्री बिसेन के घर पर कुछ अज्ञात लोगों ने घर में घुसकर उन्हें गाली-गलौज किया और जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात कही। जबकि 29 जुलाई की रात्रि लगभग 10:30 बजे वह अपने घर पर सो रहे थे। उनके परिजन भी सो रहे थे। उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। किंतु जब वैभव बिसेन द्वारा सुबह सीसीटीवी कैमरा चेक किया गया तो उसमें लगभग 9 से 10 लड़के उनके घर में पहुंचे थे। जिसको लेकर उन्होंने ग्राम की जनता के साथ कोतवाली पहुंचकर इस पूरे विषय की शिकायत की है। जिसमें कोतवाली पुलिस द्वारा उक्त मामले को संज्ञान में लेते हुए शहर के वार्ड क्रमांक 2 भटेरा चौकी निवासी धर्मेंद्र उर्फ राजू मिश्रा सहित 8 से 9 लोगों पर बीएनएस की धारा 190,191(2), 296, 333, 351 (3) के तहत मामला कायम करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

# एक युवक ने अपने वृद्ध नाना नानी को डन्डे से मारकर किया घायल

## लालबर्रा थाने के ग्राम टेगनी कला की घटना, घायल वृद्ध दंपति जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम टेगनी कला में एक युवक ने अपनी नाना नानी को डन्डे से मारपीट कर घायल कर दिया। दोनों घायल व्रद्ध दम्पति दशाराम पिता बैरागी मातरे 59 वर्ष और उनकी पत्नी शकुंतला बाई पति दशाराम मातरे 56 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। 29 जुलाई को सुबह यह घटना उस समय हुई जब दशाराम मातरे अपने नाती को घर के चावल चोरी करने पर उसे डांट फटकार लगा रहा था। ग्राम टेगनी कला के ग्रामीणों ने घटना के बाद दशाराम मातरे के नाती राजकुमार पिता देवेश कावरे 20 वर्ष को लालबर्रा पुलिस के हवाले कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दशाराम मातरे खेती किसानी करते हैं और अपनी पत्नी शकुंन बाई के साथ में रहते हैं। जिनकी दो बेटी है दोनों बेटी की शादी हो चुकी है और उनका एक बेटा मेखराम मातरे था। जिसकी 5 वर्ष पहले ही बीमारी से मृत्यु हो चुकी है। दशाराम की बड़ी बेटी लता कावरे ग्राम बगदई में बिहाई है। जिसके दो बेटे हैं किंतु 15 वर्ष पहले से लता कावरे अपने पति देवेंद्र कावरे को छोड़कर के अपने छोटे बेटे राकेश मातरे के साथ नागपुर में रहकर मजदूरी करती है। और वह अपने बेटे को नागपुर में ही पढा रही है। जबकि उसका बड़ा बेटा राजकुमार कावरे 20 वर्ष अपने पिता देवेश कावरे के साथ बगदई में रहता है। पहले

राजकुमार भी अपनी मां के पास ही रहता था किंतु उसके पिता देवेश कावरे ने अपने पास बुला लिया था। राजकुमार कावरे की हरकतें ठीक नही थी। जब भी अपने नाना नानी के गांव टेंगनी कला आता था तो उपद्रव करते रहता था। इन दोनों दशाराम मातरे अपनी पत्नी शकुन बाई के साथ कृषि कार्य कर रहा था। 3 दिन पहले ही राजकुमार कावरे ग्राम टेगनी कला अपने नाना दशाराम मातरे के घर आया था। दशाराम मातरे ने सोचा कि नाती राजकुमार आया है तो कृषि कार्य में हाथ बटायेगा किंतु वह कृषि कार्य न कर घर का ताला तोड़कर चावल सहित अन्य सामान बेच रहा था।। 29 जुलाई को सुबह दशाराम मातरे ने अपने नाती राजकुमार को बोला कि घर का ताला तोड़कर चावल क्यों बेचा और वह डांट फटकार लगा रहा था। तभी राजकुमार आवेश में आ गया और उसने डंडे से अपने नाना दशाराम मातरे को मारपीट कर दिया बीच बचाव करने के लिए जब उसकी नानी शकुंन बाई तो उसे भी राजकुमार ने डंडे से मारपीट कर दिया और घर से निकल गया। डंडे के वार से दशाराम मातरे और उसकी पत्नी सुकून बाई दोनो घायल हो गए। खबर मिलते ही लालबर्रा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायल पति-पत्नी को लालबर्रा के अस्पताल में लाकर भर्ती किये। इस दौरान गांव वालों ने राजकुमार को पकड़ कर लालबर्रा पुलिस के हवाले कर दिए। घटना की सूचना मिलती ही दशाराम मातरे की दोनों बेटी भी पहुंच गई थी। लालबर्रा के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद दशाराम मातरे और उनकी पत्नी सुकून बाई को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

# सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र से डेढ़ माह से लापता नाबालिक लड़की तेलंगाना राज्य से दस्तयाब

### नाबालिक का अपहरण और दुष्कर्म करने के आरोप में छत्तीसगढ़ राज्य का एक युवक गिरफ्तार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस ने चौकी क्षेत्र से डेढ़ माह से लापता एक नाबालिक लड़की को तेलंगाना राज्य से दस्तयाब किये यह लड़की छत्तीसगढ़ राज्य के एक युवक के साथ तेलंगाना राज्य के जिला करीमनगर में आने वाले गंगधार थाना क्षेत्र के ग्राम हिम्मतनगर में रह रही थी और इस युवक को इस नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किये। यह युवक धनेश पिता संतोष यादव 25 वर्ष ग्राम भिमोरी थाना रेंगाखार जिला कवर्धा छत्तीसगढ़ निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसा थाना की सालेटेकरी पुलिस चौकी के एक गांव में रहने वाली 17 वर्ष 6 माह की नाबालिक लड़की डेढ़ महीना पहले अपने घर से बिना बताए चली गई थी। परिजनों ने इस लड़की को आसपास के रिस्तेदारी गांव में खोजबीन किये। किंतु वह नहीं मिली जिसके गुम होने की रिपोर्ट बिरसा पुलिस थाना में की गई थी। बिरसा पुलिस थाना में इस नाबालिग लड़की का अपहरण करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। और डेढ़ महीने से इस लड़की की लगातार तलाश की जा रही थी। हाल ही में इस लड़की के तेलंगाना राज्य में आने वाले जिला करीमनगर के गंगाधार थाना क्षेत्र के हिम्मतनगर में होने की सूचना मिली। इस सूचना पर 27 जुलाई को सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी धन सिंह धुर्वे अपने स्टाफ और लड़की की परिजनों के साथ तेलंगाना राज्य रवाना हुई थे। 28 जुलाई को गंगाधार पुलिस के सहयोग से हिम्मतनगर में इस लड़की की खोज में की गई। यह नाबालिक लड़की एक लड़के के साथ मिली। लड़के से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम धनेश पिता संतोष यादव 25 वर्ष भिमोरी थाना रेंगाखार जिला कवर्धा छत्तीसगढ़ निवासी बताया। जिसके कब्जे से इस नाबालिग लड़की को दस्तयाब किया गया। गंगाधार थाने की महिला पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर इस लड़की ने धनेश यादव द्वारा उसे शादी करने का झांसा देकर बहला फुसलाकर भगाकर लाने और पत्नि के समान रखकर उसके साथ दुष्कर्म करने के संबंध में बताई। इसके बाद धनेश यादव को भी लड़की के साथ तेलंगाना राज्य से सालेटेकरी चौकी लाया गया। इस मामले में धारा 64(2)एम,87 भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा5एल/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम का इजाफा किया गया। नाबालिक का अपहरण और दुष्कर्म करने के इस मामले में धनेश यादव 25 वर्ष को गिरफ्तार करके उसे बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया। जहा से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

# भूले बिसरे गीत श्रद्धांजलि कार्यक्रम 3 अगस्त को किरनापुर में

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भूले बिसरे गीत श्रद्धांजलि कार्यक्रम卐 का आयोजन आगामी 03 अगस्त 2025 रविवार को गुजरी चौक किरनापुर में किया जाएगा।इस आशय की जानकारी देते हुए सुर संगम सांस्कृतिक समिति किरनापुर के अध्यक्ष खुमेशचन्द्र अजीत तथा सचिव अरविंद कोरे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि फिल्म संगीत के महान व मशहूर पार्श्वगायकों की स्मृति में उक्त कार्यक्रम का आयोजन प्रति वर्ष किया जाता है। जिसमें क्षेत्र के नवोदित गायक कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराया जाता है।आयोजक समिति ने क्षेत्र के सभी संगीत प्रेमियों से निर्धारित कार्यक्रम में अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान करने की अपील की है।

# जिला सेन समाज महिला प्रकोष्ठ ने मनाया हरियाली तीज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सावन मास के अवसर पर हरियाली तीज का विशेष महत्व होता है। विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिलाओं द्वारा सावन में हरियाली तीज व सावन झूले का आयोजन किया जाता है। बुधवार को जिला सेन समाज महिला प्रकोष्ठ के द्वारा हरियाली तीज का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस संबंध में महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष श्रीमति सविता मधुकर व नगर अध्यक्ष श्रीमति डॉ. पुर्णिमा भारद्वाज ने बताया कि सेन समाज की महिलाओं द्वारा आज हरियाली तीज मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री सेन जी महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर पूजा अर्चना कर किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी महिला सदस्यों का परिचय व स्वागत किया गया। इस दौरान कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता, बलून दौड़ व अन्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया गया। प्रतियोगिता में महिलाओं ने सहभागिता कर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

**ये रहे शामिल-** कार्यक्रम में सेन समाज की महिला समिति के पदाधिकारी श्रीमती दामिनी गोंडाने, मधु जुझार, शिखा श्रीवास, शारदा फूलबांधे, डॉ. रश्मि श्रीवास, सुनीता पारधी सरस्वती मानेश्वर, श्रीमति सेनभक्त, हेमलता उरकुड़े, कुमकुम सेन, सुनीता जुझार, वंदना भारद्वाज सहित अन्य शामिल रहे।

# प्रभारी मंत्री एवं लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश की हो रही अवहेलना

## जर्जर भवन में स्कूल ना संचालित करने के आदेश के बाद भी लग रही कक्षाएं, झालावाड़ (राजस्थान) में घटित घटना के बाद प्रशासन नही ले रहा सबक, भवन धराशायी होने से बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, जिम्मेदार मौन

लालबर्रा ( पद्मेश न्यूज )। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत चिचगांव स्थित एकीकृत शासकीय माध्यमिक स्कूल का भवन जर्जर हो चुका है। जिसको देखते हुए ग्राम स्थित हाई स्कूल के समीप नवीन भवन का निर्माण करवाया गया है जिसका कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसके बाद शिक्षा विभाग के द्वारा जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित ना कर नवीन भवन में स्कूल को स्थानांतरित करने जून माह में पत्र जारी कर प्रधानपाठक को आदेश जारी कर दिये है। लेकिन प्रधानपाठक के द्वारा जर्जर भवन में ही स्कूल का संचालन किया जा रहा है। जबकि स्कूल भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है, तेज बारिश होने पर कमरों में पानी टपकता है, कमरों से प्लास्टर निकल रहे है, भवन के ऊपर से हाईटेशन विद्युत का तार भी गया हुआ है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। उसके बावजूद स्कूल प्रबंधन के द्वारा कक्षाएं संचालित की जा रही है। जबकि गत दिनों बालाघाट जिले के प्रवास पर आये प्रभारी मंत्री, शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह के द्वारा जिला कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक रूप से निर्देश दिये गये है कि जो भी स्कूल भवन जर्जर है उन भवनों में कक्षाएं संचालित ना किया जाये और कक्षाएं सुरक्षित स्थानों पर लगाई जाये। वहीं गत दिनों लोक शिक्षण संचालनालय के द्वारा भी प्रदेश स्तर पर एक आदेश जारी किया गया है जिसमें उनके द्वारा स्पष्ट रूप से जर्जर भवनों में कक्षाएं संचालित ना करने के निर्देश दिये गये है। इस तरह से प्रभारी मंत्री व लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश के बावजूद लालबर्रा क्षेत्र के एकीकृत शास. माध्य. स्कूल चिचगांव सहित अन्य शासकीय भवन जो क्षतिग्रस्त हो चुके है उन भवनों भवन में ही कक्षाएं संचालित कर रहे है जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। जबकि कुछ दिनों पूर्व ही राजस्थान के झालावाड़ में स्कूल के जर्जर भवन धराशायी होने से 7 ब%चों की भवन में दबकर मौत हो चुकी है। उसके बाद भी एकीकृत शास. माध्य. स्कूल चिचगांव का जो भवन जर्जर हो चुका है उसी भवन में कक्षा 1 से 8 वीं तक की कक्षाएं संचालित की जा रही है। अगर जर्जर भवन कक्षाओं का संचालन करते समय प्लास्टर बच्चों के ऊपर गिरता है या भवन धराशायी होता है तो बहुत बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है और झालावाड़ ( राजस्थान ) की घटना की पुर्नावृत्ति होने की संभावना बनी हुई है। इसलिए ग्रामीणजन व बच्चों के अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित ना कर अन्य स्थानों पर व्यवस्था करने की मांग की है।

### भोपाल एवं झालावाड़ स्कूल घटना के बाद शिक्षा विभाग ने जारी किये है आदेश

आपकों बता दें कि झालावाड़ (राजस्थान) स्कूल हादसे में गत दिवस हुई 7 बच्चों की मौत के बाद से म.प्र. स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए बेहतर इंतजाम करने के आदेश जारी किये गये है। वहीं लोक शिक्षण संचालनालय ने भी आदेश जारी करते हुए कहा है कि वे स्कूल जिनके छत से सीपेज, लीकेज की स्थिति है तो उसकी तत्काल मरम्मत करवाई जाये, भवन जर्जर है तो उस भवन में कक्षाएं संचालित ना किये जाये। जिसके लिए स्कूल के प्राचार्यों व प्रधानपाठकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है कि वे समय समय पर कक्षाओं का निरीक्षण करे। जहां उन्हे मरम्मत की आवश्यकता प्रतीत होती है उसका उपलब्ध आवंटन व स्थानीय मद से तत्काल मरम्मत कार्य करवाये। इसी तरह ग्राम पंचायत चिचगांव स्थित एकीकृत शास. माध्य. स्कूल का भवन जर्जर हो चुका है जहां वर्तमान में कक्षाएं संचालित की जा रही है। अगर भवन गिरता है तो झालावाड़ (राजस्थान) में जिस तरह से भवन में दबकर बच्चों की मौत हुई थी उसी तरह के हादसे होने की संभावना बनी हुई है। वहीं भवन की स्थिति खराब होने का बार-बार अखबार में खबर प्रकाशन होने के बाद विगत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी के द्वारा चिचगांव स्थित एकीकृत शास. माध्य. स्कूल जिस भवन में संचालित किया जा रहा है उसका निरीक्षण भी किया गया था और भवन की वास्तविक स्थिति को देखने के बाद जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित ना करने प्रधानपाठक को पत्र जारी किया जा चुका है। उसके बावजूद प्रधानपाठक के द्वारा अब तक भवन को खाली नही किया गया है और बच्चों की जान जोखिम में डालकर कक्षाएं संचालित की जा रही है। जबकि जिस भवन में कक्षाएं संचालित की जा रही है उस भवन को ग्राम पंचायत को डिस्मेंटल करने के आदेश पूर्व में जारी हो चुके है परन्तु स्कूल के प्रधानपाठक के द्वारा भवन खाली नही करने के कारण डिस्मेंटल की कार्यवाही नही हो पाई है। वहीं पंचायत के सरपंच सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत के द्वारा स्कूल प्रबंधन को पत्र जारी कर जर्जर भवन में स्कूल संचालित नही करने कहा गया है क्योंकि भवन जर्जर हो चुका है, तेज बारिश होने पर छत से पानी टपकता है, प्लास्टर निकल रहा है एवं कमरों में नमी बनी हुई है, भवन के ऊपर से हाईटेंशन विद्युत का तार गुजरा है और भवन कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकता है। लेकिन प्रधानपाठक अपनी मनमानी करते हुए बच्चों की जान जोखिम में डालकर जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित कर रहा है जिससे ब%चों के अभिभावक व ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। जबकि गत दिवस बालाघाट जिले के प्रवास पर आये जिले के प्रभारी मंत्री, शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह ने भी जिला कलेक्टर व जिला शिक्षा अधिकारी को जर्जर भवनों में स्कूल संचालित न करने के निर्देश दिये है। उसके बाद भी जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित हो रही है। इस तरह से प्रभारी मंत्री एवं लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश की अवहेलना कर रहा है प्रधानपाठक देवेन्द्र हनवत। यदि भविष्य कोई अप्रिय घटना होती है तो उसकी पूरी जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की होगी।

### राजनैतिक दबाव के चलते प्रधानपाठक पर नही हो रही कार्यवाही - गोंविद

सरपंच गोविंद पटले ने बताया कि कलेक्टर महोदय के द्वारा एकीकृत शास. माध्य. स्कूल चिचगांव के भवन को जीर्णशीर्ण घोषित कर दिया गया है और डीपीसी व डीईओ के द्वारा प्रधानपाठक को इस जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित ना करने निर्देशित भी किया गया है उसके बावजूद प्रधानपाठक के द्वारा जर्जर भवन में ही कक्षाएं संचालित की जा रही है। वहीं गत दिनों जिले के प्रभारी मंत्री के द्वारा भी जिले के शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी जर्जर भवन जिनमें पानी टपकता हो या फिर जर्जर हो चुके है ऐसे भवनों पर कक्षाएं संचालित ना की जाये परंतु प्रधानपाठक के द्वारा प्रभारी मंत्री के निर्देश को भी ताक पर रखकर उसी जर्जर भवन में कक्षाएं संचालित की जा रही है जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। श्री पटले ने बताया कि प्रधानपाठक के द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है और वहीं वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा भी राजनैतिक दबाव के चलते अनुशासनहीता बरतने एवं आदेशों की अवहेलना करने के बाद भी प्रधानपाठक पर किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। जबकि भवन की स्थिति को देखते हुए ऐसा लग रहा है कि राजस्थान के झालावाड़ की तरह चिचगांव में भी दुर्घटना घटित हो सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रधानपाठक की होगी।

### दर्ज संख्या के हिसाब से नही है नवीन अतिरिक्त कक्ष - देवेन्द्र

दूरभाष पर चर्चा में एकीकृत शास. माध्य. स्कूल चिचगांव के प्रभारी प्रधानपाठक देवेन्द्र हनवत ने बताया कि स्कूल परिसर में बने पुराने अतिरिक्त कक्ष में कक्षाएं संचालित की जा रही है और विगत दिवस जिला शिक्षा अधिकारी व डीपीसी महोदय के द्वारा स्कूल का निरीक्षण किया गया था जिनके द्वारा भवन की स्थिति देखी गई है और उन्होने कहा कि स्कूल संचालित हो सकता है। श्री हनवत ने बताया कि तेज बारिश होने पर छत से पानी टपकता है जिसकी रोकथाम के लिए पॉलीथिन बिछा दी गई है एवं कक्षाएं संचालन करने में परेशानी नही हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि अतिरिक्त कक्ष जो बनाये गये है वह बच्चों की दर्ज संख्या के हिसाब से कमरे नही है ऐसी स्थिति में कक्षाएं संचालित करने में परेशानी होगी।

### इनका कहना है-

चिचगांव स्थित एकीकृत शास. माध्य. स्कूल का विगत दिवस डीपीसी के साथ निरीक्षण किया गया था और भवन की स्थिति खराब है, बरसात के दिनों में कक्षाएं संचालित करने में परेशानी होगी। शास. हाई स्कूल के समीप अतिरिक्त कक्ष का निर्माण हो चुका है एवं कुछ कक्षाएं हाई स्कूल के भवन में लग सकती है, डीपीसी को पत्र जारी कर इन स्थानों पर व्यवस्था करने कहा गया है और जर्जर भवन में कक्षाएं नही लगाने के निर्देश दिये गये है।

**एके उपाध्याय**
**जिला शिक्षा अधिकारी**
**बालाघाट।**

# नेवरगांव वा. शा.उ.मा. वि. से निकाली गई जन जागरूकता रैली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 30 जुलाई को म.प्र. पुलिस विभाग के द्वारा चलाये जा रहे नशामुक्ति अभियान के तहत स्काउट-गाइड एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा जन जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली स्कूल प्रभारी प्राचार्य श्रीमती उषा देशमुख की अध्यक्षता में निकाली गई। यह जन जागरूकता रैली ग्राम के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए स्कूली पहुंची। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने नारे व स्लोगन के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी देकर उन्हें नशे से दुरी बनाने की अपील की गई। इस अवसर पर संस्था की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती ऊषा देशमुख, प्रभारी प्रधानपाठक श्रीमती नीता बोपचे, गाइडर श्रीमती लक्ष्मी विष्णु पटले, स्काउटर आरिफ खान, बीएल पटले, सीआर नखाते, यंकेश मिश्रा, बीके मेहरा, रमेश धुर्वे, लुपेंद्र देशमुख, प्रशांत मेश्राम, श्रीमती गीतेश्वरी टेंभरे, श्रीमती खिलासन भगत, श्रीमती रीना लिल्हारे, श्रीमती वंदना पालीवाल, श्रीमती वीणा मर्सकोले, कु. दिव्या जोशी, जयदीप जोशी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# बजरंग मंदिर में संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ जारी, 4 अगस्त को निकलेगी कांवड़ यात्रा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर में सावन मास के शुभारंभ 11 जुलाई से संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ जारी है जो एक माह तक निरंतर जारी रहेगा। इस अखण्ड रामायण पाठ के अवसर पर बजरंग मंदिर में रोजाना सुबह भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाता है। वहीं दिन में महिलाएं एवं रात्रि में पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा शामिल होकर अखण्ड रामायण पाठ का वाचन किया जा रहा है जिससे नगर मुख्यालय भक्तिमय हो गया है। साथ ही सावन मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को प्रात: 8 बजे बजरंग मंदिर से वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम तक विशाल कांवड़ यात्रा डीजे की धुन पर निकाली जायेगी और कांवड़िये वैनगंगा नदी से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित करेगें, जिसकी तैयारी समिति के द्वारा पूरी कर ली गई है। आपकों बता दे कि सावन मास के प्रारंभ होते ही नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित शिव मंदिर व शिवालयों में श्रध्दालुओं के द्वारा रोजाना अखण्ड रामायण पाठ व विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। साथ ही समितियों के माध्यम से कांवड़ यात्रा निकालकर वैनगंगा नदी पोटियापाट व अन्य स्थानों से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक व पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। इसी तरह बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के द्वारा भी सावन मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को मंदिर से विशाल कांवड़ यात्रा निकाली जायेगी और वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा सदस्य पवन नामदेव ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के अवसर पर नगर मुख्यालय में स्थित बजरंग मंदिर में गत दिवस से अखण्ड रामायण पाठ जारी है, जिसका वाचन संपूर्ण सावन मास की समाप्ति तक जारी रहेगा और प्रतिदिन दिन में महिलाएं व रात्रि के समय पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ पढ़ा जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि सावन मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को प्रात: 8 बजे मंदिर प्रांगण से विशाल कांवड़ यात्रा निकलेगी जो वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचेगी। जहां से कांवड़ में जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक व पूजा अर्चना की जायेगी और एक माह से जारी अखण्ड रामायण पाठ का रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन हवन-पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया जायेगा।

# युवाओं की अनुठी पहल आवारा मवेशियों के गले में बांधी रेडियम की पट्टी

## रात्रि के अंधेरे में दिखाई नहीं देने से होती है दुर्घटनाएं, रेडियम चमकने से सतर्क होंगे वाहन चालक

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सड़क पर आवारा घुम रहे मवेशी कई बार दुर्घटना का शिकार हो जाते है, तो कई बार वे बुरी तरह से घायल हो जाते है। जिन्हे बेहद तकलीफों का सामना करना पड़ता है क्योंकि अक्सर देखने में आता है कि रात के अंधेरे में सड़क पर बैठे आवारा मवेशी दिखाई नहीं पड़ते है और सड़कों से वाहन रोजाना तेज गति से गुजरते रहते है। ऐसी स्थिति में कई बार अंधेरे में मवेशी दिखाई नहीं पड़ते है और वे वाहन की चपेट में आ जाते है जिससे वे घायल हो जाते है। साथ ही कई बार बड़ी दुर्घटनाएं भी घटित हो जाती है। जिसको ध्यान में रखते हुए नगर के युवाओं के द्वारा एक अनुठी पहल करते हुए आवारा घुमने वाले मवेशियों को वाहनों की चपेट में आने से बचाने एवं वाहन चालकों को इन आवारा मवेशियों से सतर्क करने के लिए मवेशियों के गले में रेडियम की पट्टी बांधने का कार्य 29 जुलाई को रात्रि में किया गया। जिसमें युवाओं के द्वारा प्रशासन के सहयोग से अनेक आवारा मवेशियों के गले में यह रेडियम की पट्टी बांध दी गई है जिससे वे दुर्घटना का शिकार ना हो सके और आगे भी निरंतर यह मुहिम चलाये जाने की बात युवाओं ने कही है। वहीं युवाओं के द्वारा की गई इस पहल की प्रशासन के द्वारा भी सराहना करते हुए उनका सहयोग किया गया। आपको बता दें कि निराश्रित (आवारा) मवेशी हर समय सड़कों पर और आसपास भटकते हुए देखे जाते हैं। वहीं सड़कों से गुजरने वाले लोग और वाहन चालक दिन में तो इन निराश्रित मवेशियों से बचकर निकल जाते हैं परंतु रात्रि में यह मवेशी दिखाई नहीं पड़ते है। जिससे इन आवारा मवेशियों के कारण अक्सर दुर्घटनाएं घटित हो जाती हैं। साथ ही घटना में मवेशियों के साथ-साथ राहगीरों एवं वाहन में सवार लोगों को भी नुकसान होता है। वहीं कंजई से लेकर गर्रा तक रात्रि में बीच सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा होने एवं अंधेरा होने के कारण दिखाई नहीं देने से आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं। जिसको देखते हुए नगर के युवाओं के द्वारा अनुठी पहल करते हुए 29 जुलाई को रात्रि में पशुओं को रेडियम बेल्ट पहनाई गई ताकि वह सड़क हादसों से सुरक्षित रहें। साथ ही इस रेडियम बेल्ट का फायदा यह होगा कि अंधेरे में गाड़ी चालक को पशुओं को देखने में मदद होगी, मवेशी दुर्घटना का शिकार होने से बच जायेगें और हादसों पर भी रोक लगेगी।

### जिले स्तर पर भी की जायेगी पहल - प्रवीण

जागरूक नागरिक प्रवीण राकड़े ने बताया कि अक्सर सड़कों पर रात्रि में अंधेरा होने की वजह से सड़क में बैठी गाय या अन्य मूकबधिर पशु दिखाई नहीं पड़ते है जिससे वाहन व पशु की आपस में टक्कर से आये दिन दुर्घटनाएं घटित होते रहती है। जिसको देखते हुए हमारी युवाओं की टीम ने यह निर्णय लिया है कि हम जिले में घुम-घुमकर गौ माता व अन्य मूकबधिर पशुओं के गले में रेडियम की पट्टी बांधेगें जिससे रात्रि के अंधेरा में वाहनों की लाईट पड़ने पर यह पट्टी चमकेगी और वाहन चालकों को सड़क पर पशु आसानी से दिखाई पड़ेगें। जिससे वे सावधानी से पशुओं को बचाते हुए वाहन निकाल लेगें एवं दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। श्री राकड़े ने बताया कि यह पहल अभी स्थानीय स्तर पर की गई है परंतु आने वाले दिनों में हम जिले स्तर पर इस पहल को आगे बढ़ाने का काम करेंगें जिससे अधिक से अधिक गौ माता एवं अन्य मूकबधिर पशुओं की जान बचाई जा सके।

### मवेशी मालिक बरते सतर्कता - तेकाम

तहसीलदार के.एल. तेकाम ने बताया कि पशु मालिकों के द्वारा अक्सर अपने पशुओं को आवारा छोड़ दिया जाता है जिससे ये मवेशी सड़कों पर बैठकर धमाचौकड़ी मचाते है। जिससे राहगीरों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है और दुर्घटनाएं भी घटित होने की प्रबल संभावना बनी रहती है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए नगर के जागरूक नागरिकों के द्वारा एक अभियान चलाकर इन आवारा मवेशियों को रेड़ियम बेल्ट पहनाकर चिन्हित करने की एक पहल की गई है जिससे वे दुर्घटना से बच सके।

# फिर बनी खाद की किल्लत किसान परेशान : गोदाम हुए खाली जगह जगह भटक रहे किसान

**वारासिवनी( पद्मेश न्यूज )। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में खाद की किल्लत फिर उत्पन्न हो गई है। खेती अपने अंतिम दौर में होने के कारण किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव से लेकर शहर तक सभी गोदाम खाली नजर आ रहे हैं। ऐसे में किसानों के द्वारा जगह जगह डीएपी ,२०२००१३ जैसे उपयुक्त खाद की पतासाजी की जा रही है परंतु सभी तरफ से उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है। इस दौरान विभाग के अधिकारी कर्मचारी कुछ दिनों में खाद आने की बात कर रहे हैं किंतु वर्तमान में गोदाम खाली होने की बात बताई जा रही है। इस समय सबसे ज्यादा समस्या नगदी में खाद खरीदी करने वाले किसानों को हो रही है जो ५० किलोमीटर दूर तक स्थित समिति एवं शासन के गोदाम में भी पता लगाने पहुंच रहे हैं। उनके द्वारा शासन प्रशासन से जल्द खाद उपलब्ध करवाने की मांग की जा रही हैं।**

### लगातार बनी हुई हैं खाद की समस्या

वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र कृषि प्रधान है जहां की सर्वाधिक आबादी खेती किसानी कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करती है। जब से खरीफ का मौसम और बारिश की आमद प्रारंभ हुई है किसानों ने खेतों में काम करना प्रारंभ कर दिया है। किंतु प्रारंभ से ही डीएपी या २०२००१३ खाद जो किसने को खेती कार्य में खार लगाने और रोपा लगाने के पहले खेतों में छिड़काव करने की अत्यंत जरूरत होती है। जिसके लिए बीते करीब २ महीने से लगातार किसान परेशान नजर आ रहे हैं। क्षेत्र में यह खाद नाम मात्र का प्राप्त होता है और अगले ही दिन समाप्त हो जाता है। ऐसे में खाद लेने से चूक गए किसान अपने ग्राम से शहर तक लगातार चक्कर लगाते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि खेती के पूर्व ही विभिन्न पंजीयन एवं राजस्व विभाग के द्वारा समस्त प्रकार की जानकारियां एकत्रित कर ली गई। क्षेत्र में इस बार कितने रकबे में धान की फसल लगना है। समस्त आंकड़े होने के बाद भी शासन प्रशासन के द्वारा क्षेत्र में जरूरत के आधार पर पूर्ति नहीं की जा रही है। इसको लेकर किसान काफी आक्रोशित नजर आ रहे हैं तो वहीं राष्ट्रीयकृत बैंक से फाइनेंस करने वाले किसान हमेशा खाद को नकद में खरीद कर उपयोग करते हैं। परंतु देखने में आ रहा है कि मारफेट का गोदाम पूरी तरह खाली पड़ा हुआ है। जहां उन्हें नगदी में खाद भी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। यही कारण है कि किसान खेती लगाने में पिछड़ते जा रहे हैं खाद का इंतजार उन्हें कई प्रकार की परेशानियों में डाल रहा है। किंतु अधिकारियों के द्वारा उक्त समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जाना किसानों की परेशानी का कारण बना हुआ है। अभी तक शासन के द्वारा दो से तीन बार खाद वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र को उपलब्ध कराया गया है किंतु वह पर्याप्त नहीं हो पाया है। ऐसी समस्या से हर कोई परेशान है किसान १० किलोमीटर से ३० किलोमीटर तक की दूरी तय कर नगर एवं जिला मुख्यालय के विभिन्न स्थानों का भ्रमण खाद की आशा लेकर कर रहे हैं। किंतु सभी जगह उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है ऐसे में आज भी खाद प्राप्त नही होने से कई स्थानों पर रोपाई कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है।

### किसानों को खाद मिलना अति आवश्यक है वरना फसल में नुकसान होगा-रविंद्र गौतम

किसान रविंद्र गौतम ने बताया कि खरीफ की खेती लगाने का अभी अंतिम दौर चल रहा है ऐसे में क्षेत्र में अभी तक ७० प्रतिशत खेती लग चुकी है ३० प्रतिशत खेती लगने की बची है। जिसमें किसान खाद की रास्ता देख रहे हैं क्योंकि रोपाई के लिए जो खाद की व्यवस्था होनी थी वह नहीं हो पाई है सोसायटी और गोदाम के लगातार किसान चक्कर लगा रहे हैं। हम भी लगातार इधर उधर खाद के लिए भटक रहे हैं यह एक बड़ी समस्या है बिना खाद के हम रोपाई नहीं कर पाएंगे। यदि खाद नहीं मिला तो मजबूरी में रोपाई करना होगा परंतु उसका कोई मतलब नहीं रहेगा कहां कितना खेती का रकबा है यह सब शासन के पास आंकड़े है फिर भी शासन प्रशासन किसानों को परेशान कर रहा है। मैनेजर यही कहते हैं कि सप्ताह ८ दिन में रेक लग रही है खाद आ जाएगा। परंतु इसमें किसान लेट हो रहा है खार जठर हो रही है फसल में असर पड़ेगा यह सब शासन प्रशासन नहीं देख पा रहा है।

### इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि आज ही हमें पत्र प्राप्त हुआ है कि खाद की रेक लगने वाली है। अधिकतम एक सप्ताह के अंदर खाद पहुंच जाएगा वैसे तो तीन.चार दिन लगना चाहिए वर्तमान में किसान गोदाम से वापस जा रहे हैं। क्योंकि गोदाम में डीएपी और २०२००१३ खाद एक भी नहीं है अभी किसानों को आवश्यकता है खाद प्राप्त होते ही वितरण प्रारंभ कर दिया जाएगा।

**पुष्पराज चौधरी**
**गोदाम प्रभारी मारफेट वारासिवनी**

# शीतला माता मंदिर में सुंदरकांड का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर की ग्राम देवी के रूप में प्रसिद्ध माता शीतला के शीतला माता मंदिर में श्रावण मास के पावन अवसर पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मंदिर में गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम शीतला माता की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई । तत्पश्चात राम दरबार की पूजा अर्चना करने के उपरांत संगीतमय सुंदरकांड पाठ का प्रारंभ किया गया। जिसका वाचन मनमोहन और शानदार तरीके से किया गया जहां उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए हर कोई सुंदरकांड पाठ को दौराने लगा। इसी के साथ भगवान शिव ,माता जगत जननी सहित अन्य देवी देवताओं के शानदार संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी गई। जहां उपस्थित भक्तों के द्वारा भजनों पर नृत्य भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी के द्वारा महा आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। मंदिर समिति सदस्यों ने बताया कि शीतला माता मंदिर वारासिवनी की ग्राम देवी का मंदिर है। लोगों की काफी आस्था है हर कोई व्यक्ति अपने शुभ कार्यों की शुरुआत माता के आशीर्वाद से करता है। वर्तमान में श्रावण मास प्रारंभ है जिसमें अखंड रामायण पाठ सुंदरकांड हनुमान चालीसा जैसे धार्मिक आयोजन सहित अनेकों अनुष्ठान आयोजित कर धर्म लाभ अर्जित किया जाता है। ऐसे ही प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया था। जिसमें सुंदरकांड पाठ के साथ मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया।

# तालाब में डूबने से किसान खेलेंद्र भगत की मौत

## पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच की प्रारंभ

वारासिवनी( पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत टेकाड़ी के जंगल टोला में ३० जुलाई की दोपहर करीब १ बजे तालाब में डूबने से ५७ वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। इसमें बताया जा रहा है कि खेलेन्द्र भगत घर के पास स्थित शासकीय तालाब में बैल को धोने के लिए गया हुआ था जहां यह हादसा घटित हो गया। मामले में पुलिस के द्वारा शव बरामद कर सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में पोस्टमार्टम कर घटना की मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

### बैल धुलने के दौरान खेलेन्द्र तालाब में डूबा

प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान खेलेंद्र पिता मदनलाल भगत ५७ वर्ष जंगल टोला ग्राम पंचायत टेकाड़ी निवासी है। जो अपने घर में पत्नी ,मां और पिता के साथ रहते हैं जिनका एक बेटा और एक बेटी है जो बाहर प्राइवेट नौकरी में है। वहीं खेलेन्द्र भगत अपने ग्राम में मूल रूप से खेती किसानी करते हैं उनकी पत्नी श्रीमती उर्मिला भगत ग्राम के शासकीय प्राथमिक शाला में प्राथमिक शिक्षिका के पद पर पदस्थ है। वर्तमान में खेती किसानी का कार्य जोरों पर चल रहा है । ऐसे में खेलेन्द्र भगत भी अपने खेतों में काम करने के लिए प्रतिदिन आना जाना करते थे। वह मंगलवार को खेती किसानी कार्य में काम करने से मिट्टी के कारण गंदे हो चुके बैलों को धोने के लिए घर के समीप स्थित शासकीय तालाब में दोपहर करीब १२ बजे गए हुए थे। जहां पर वह मवेशी को धूल रहे थे तभी अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चले गए जहां डूबने से उनकी मौत हो गई। इस दौरान पानी में डूबते समय खेलेंद्र भगत के द्वारा चीख पुकार की गई जिसे सुन आसपास के लोग आए परंतु तालाब में उन्हें कोई व्यक्ति नहीं दिखा। केवल बैल खड़े हुए थे जिसकी पहचान कर जानकारी उन्होंने बैल मालिक के परिवार को दी । इसके बाद तालाब में पता किया गया तो वहां से खेलेंद्र भगत का शव बाहर आया। इसकी सूचना लगते ही ग्राम में सनसनी फैल गई तो मौके पर भीड़ लगने लगी वहीं ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। तभी सहायक उप निरीक्षक धनेश वल्के के द्वारा मौके पर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही की गयी। तत्पश्चात शव को शासकीय सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह में लाया गया। जहां पर पोस्टमार्टम की कार्यवाही कर परिजनों को शव सुपुर्द कर दिया गया। वहीं घटना में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

### खेतों में काम करने से बैल गंदे हो गए थे जिन्हें तालाब में धुलने गये थे-पलाश बिसेन

पलाश बिसेन ने बताया कि मृतक खेलेंद्र पिता मदनलाल भगत मेरे मामा है जो खेती किसानी कार्य करते हैं। खेतों में काम करने से बैल गंदे हो गए थे जिन्हें धुलने के लिए वह दोपहर १२ बजे तालाब में गए हुए थे। जहां उनकी डूबने से मौत हो गई है घटना की जानकारी आस पड़ोस में मवेशी चरा रहे लोगों से पता चली। मौके पर हमने पहुंच कर देखा तो केवल बैल थे मामा जी नहीं थे फिर तालाब में पता किया गया तो उनका शव बाहर निकाला उनकी मौत पानी में डूबने से हुई है।

### इनका कहना है

थाने में सूचना मिली थी कि टेकाड़ी के जंगल टोला में कोई व्यक्ति तालाब में डूब गया है। मौके पर जाकर देखें तो खेलेंद्र पिता मदनलाल भगत उम्र ५७ वर्ष की तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करने के उपरांत शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में जांच की जा रही है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

**धनेश वल्के**
**सहायक उपनिरीक्षक थाना वारासिवनी**

# लिंगमारा में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा सम्पन्न

वारासिवनी( पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम लिंगमारा में सेक्टर २ नवांकुर संस्था के द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान नवांकुर सखियों के अतिरिक्त ग्रामीण महिलाओं के द्वारा सहभागिता करते हुए कलश यात्रा निकालकर ग्राम में पर्यावरण संरक्षण संदेश के नारे लगाते हुए एक पेड़ माँ के नाम लगाने हेतु आव्हान किया गया। यह कलश यात्रा ग्राम पंचायत भवन से निकलकर वाद्य यंत्रों से युक्त भजन मंडली के साथ नगर भ्रमण करते हुए पुनः ग्राम पंचायत भवन पहुंची। जहाँ नवांकुर सखियों सहित अन्य महिलाओं एवं पुरूषों के द्वारा पौधरोपण किया गया तथा नवांकुर संस्था के द्वारा पौधा वितरण भी किया गया। जिन पौधों का रोपण किया गया, उनमें अशोक, अमलतास, ईमली, शीशम, कदम, बेल, आंवला, महानीम, शतावर एवं उत्तरंजीव के पौधे सम्मिलित है। कलश यात्रा के दौरान मंदिर परिसर में पौधरोपण भी किया गया साथ ही भारत माता की आरती भी की गई। ग्राम पंचायत भवन में श्रीमती माया उइके अध्यक्ष जनपद पंचायत के द्वारा भारत माता के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तथा अतिथियों के स्वागत एवं स्वागत गीत के बाद संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिसमें नवांकुर समिति अध्यक्ष निरंजन बिसेन के द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित ग्रामीण महिला ,पुरूष सहित अन्य नागरिकों से एक पेड़ माँ के नाम लगाकर हरियाली यात्रा को सफल बनाते हुए पर्यावरण को बचाने की अपील की गई। सुश्री अफसा खान विकासखंड समन्वयक वारासिवनी के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम लगाकर पर्यावरण को बचाने की अपील की गई। माया उइके ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम लगाकर भारत भूमि को हरीयाली युक्त बनाने की अपील जनमानस से की गई। वहीं अंत में श्रीमती पुष्पा बिसेन ने एक पेड़ माँ के नाम लगाकर भारत भूमि को हरियाली युक्त करने की अपील उपस्थित महिला पुरूषों से की गई। इस दौरान राकेश कुमार मिश्रा,लक्ष्मी नगपुरे जनपद सदस्य, महेन्द्र खोब्रागढ़े ,लिखीराम बघेले , मेघराज बिसेन,ठाकुर प्रसाद नगपुरे,पतिराम बघेले, कु. निकिता ठाकरे, कैलाश बिसेन, सोहनलाल डहाके, वासुदेव वासनिक, भिवराम बिसेन, श्रीमती नीतू बंसोड़ ,कोमेन्द्र बिसेन, देवसिंह ठाकुर ,देवेन्द्र कटरे मौजूद रहे।

# प्रदीप जायसवाल के प्रयासो से सांदीपनि स्कुल खैरलांजी में कृषि संकाय की मिली स्वीकृति

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के शिक्षा मंत्री एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह का एक दिवसीय वारासिवनी आगमन हुआ था। जिसमें पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री को अनेको विषयो को लेकर चर्चा की थी। जिसमें खैरलांजी के सांदीपनि स्कुल में लोक शिक्षण संचानालय भोपाल के संचालक ने कक्षा ११ वीं में शिक्षा सत्र २०२५-२६ से अतिरिक्त संकाय में कृषि संकाय प्रारंभ किये जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन संकायो में शिक्षको या अतिथि शिक्षको से अध्यापन कार्य की व्यवस्था जिला शिक्षा अधिकारी सुनिश्चित करेंगे। २५ जुलाई को पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने सांदीपनि स्कुल खैरलांजी के निर्माण कार्यो का निरिक्षण किया था। तभी प्राचार्य व अन्य शिक्षकों ने कृषि संकाय विषय की मांग की थी। इस विषय को जिले के प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह के समक्ष प्रदीप जायसवाल के द्वारा रखा भी गया था। स्कुल में कृषि संकाय की अनुमति मिलने से विद्यालय के शिक्षक /शिक्षिकायें और छात्र छात्राओं में खुशी की लहर व्याप्त है। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि खैरलांजी के इस विद्यालय में प्रयोगशाला व अन्य कार्यो के लिये दो एकड़ जमीन के विषय में संबधित मंत्रालय को प्रस्ताव पहुंचा दिया गया है। जल्द इस विषय में भी अच्छी खबर भी सामने आ सकती है।

# नेवरगांव में वृक्षारोपण का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से ५ किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत नेवरगांव वॉ के नांगाटोला स्थित बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल पर एक पेड़ धरती आबा बिरसा मुंडा के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने उत्साह पूर्वक विभिन्न प्रजातियों के छायादार ,औषधिदार, फालदार वृक्षों का रोपण किया गया। वहीं वृक्षारोपण के पश्चात सभी ग्रामवासियों ने इन पौधों की देखरेख की सामूहिक जिम्मेदारी उठाने का संकल्प लिया। उपस्थित जनों ने कहा की एक पेड़ धरती आबा बिरसा मुंडा के नाम जैसे अभियान ने पर्यावरण के प्रति चेतना को और मजबूत किया। यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि ग्रामवासियों के पर्यावरण के प्रति समर्पण और सामाजिक एकता का उदाहरण है। धरती आबा बिरसा मुंडा की स्मृति में किया गया यह वृक्षारोपण उनके सिद्धांतों और आदर्शों को आगे बढ़ाने का सशक्त प्रयास है। इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष प्रेम सिंह मर्सकोले ,सरपंच श्रीमती डिलेश्वरी हनवत, हीरासिंह टेकाम, तोमेन्द्रसिंह ,सालिकराम ,अनिल उईके ,मनोज भलावी ,विनोद मडावी, अमित कुमरे ,पंकज कुर्वेती ,यानेन्द्र सिंह मर्सकोले ,सुरेश भलावी ,पवन गिरी गोस्वामी ,कुलदीप सिंह मर्सकोले सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

# जन-जन के कवि, युगों के संत गोस्वामी तुलसीदास

भारतीय साहित्य, भक्ति आंदोलन और आध्यात्मिक चेतना के आकाश में गोस्वामी तुलसीदास एक ऐसे नक्षत्र हैं, जिनकी चमक न केवल हिंदी साहित्य को आलोकित करती है बल्कि करोड़ों जनमानस के हृदय को भी आज तक प्रकाशित करती रही है। गोस्वामी तुलसीदास का जीवन, उनकी साधना, उनका साहित्य और उनका भक्ति भाव भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। तुलसीदास जी ने रामभक्ति को केवल एक धार्मिक भावना के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय सरोकारों से जोड़ते हुए जन-जन तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं आज भी गूढ़ तत्वज्ञान और सरल भाषा का अद्भुत संगम मानी जाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास का जन्म श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को हुआ था, जो वर्ष 2025 में 31 जुलाई को पड़ रही है। जन्मस्थान के विषय में विभिन्न मत हैं परंतु अधिकांश विद्वान मानते हैं कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के राजापुर नामक स्थान पर हुआ था। उनकी माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम दुबे था। बाल्यावस्था में ही माता-पिता का साया उठ जाने के कारण तुलसीदास का जीवन प्रारंभ से ही संघर्षपूर्ण रहा किन्तु वे आध्यात्मिक रूप से अत्यंत समृद्ध और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पित थे। उनका बाल्य नाम रामबोला था और उन्हें राम नाम लेते ही जन्म से आठों दांत मिल गए थे, जिसे लोग चमत्कार मानते थे। तुलसीदास का जीवन भक्ति और सेवा की मिसाल है। उन्होंने गृहस्थ जीवन भी अपनाया था किन्तु एक प्रसंग के अनुसार, पत्नी की एक तीखी टिप्पणी ने उनके हृदय को ऐसा झकझोर दिया कि वे सांसारिक जीवन त्याग कर ईश्वर की भक्ति में लीन हो गए। वह प्रसंग आज भी स्मृति में गूंजता है, जब पत्नी रत्नावली ने उन्हें फटकारते हुए कहा था कि यदि आप भगवान राम में इतनी ही आसक्ति रखते, जितनी मुझमें है तो आपका उद्धार हो गया होता। इस वाक्य ने तुलसीदास को आत्मचिंतन के लिए बाध्य किया और वहीं से उनकी रामभक्ति की अमर यात्रा का आरंभ हुआ। गोस्वामी तुलसीदास की सबसे प्रसिद्ध रचना 'रामचरितमानस' है, जो वाल्मीकि रामायण के आधार पर अवधी भाषा में लिखी गई। यह केवल एक महाकाव्य नहीं बल्कि भारतीय जनमानस की भावनाओं का प्रतिबिंब है। यह ग्रंथ एक ऐसी लोकगाथा बन गया है, जो मंदिरों से लेकर ग्रामीण चौपालों तक में सुनी और सुनाई जाती है। तुलसीदास जी ने भाषा को जन-जन से जोड़ा, पंडितों की सीमित संस्कृत को आम जनता की बोली में डालकर रामकथा को एक व्यापक जनांदोलन का रूप दिया। उनकी भाषा अवधी होते हुए भी अत्यंत शुद्ध, सरल और भावगर्भित है, जो सामान्य व्यक्ति को भी गहरे आध्यात्मिक भाव में डुबो देती है। 'रामचरितमानस' सात कांडों में विभाजित है, बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किंधाकांड, सुंदरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड। प्रत्येक कांड में भगवान श्रीराम के जीवन के विभिन्न चरणों को अत्यंत सरस, मार्मिक और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया गया है। राम को तुलसीदास ने केवल एक राजा या योद्धा नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम, आदर्श पुत्र, आदर्श पति और आदर्श शासक के रूप में चित्रित किया है। राम के चरित्र के माध्यम से उन्होंने नीति, धर्म, करुणा, न्याय और सच्चाई के आदर्श प्रस्तुत किए हैं, जो आज भी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ हैं। तुलसीदास की एक और कालजयी रचना 'हनुमान चालीसा' है, जिसकी लोकप्रियता भारत के कोने-कोने में दिखाई देती है। हनुमान चालीसा केवल स्तोत्र नहीं अपितु विश्वास, शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। इसमें भक्त के विश्वास और प्रभु की कृपा के बीच का जो गूढ़ संबंध उभरता है, वह भक्तिरस की पराकाष्ठा को दर्शाता है। इसकी हर चौपाई आज भी करोड़ों लोगों की दिनचर्या का हिस्सा है, जिससे न केवल मानसिक शक्ति का संचार होता है बल्कि आत्मिक शांति भी प्राप्त होती है। तुलसीदास का जीवनकाल मुगलों के शासनकाल में था, जब देश सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक अस्मिता के संकट से जूझ रहा था।

# मनसा का मातमः अफवाह बनी त्रासदी की वजह

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीडीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बढ़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीड़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं ताकि आस्था के केंद्र जीवन के लिए खतरा न बनें। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। अच्छा यह होगा कि सरकारें भगदड़ की घटनाओं को लेकर प्रशासन को सच में जवाबदेह बनाना सीखें। इसके साथ ही आम लोगों को भी जापान जैसे देशों के लोगों से अनुशासन की सीख लेनी होगी।

-ललित गर्ग

# भारत में बुजुर्गों का तिरस्कार कब खत्म होगा?

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत ही एक ऐसा संस्कारी सभ्यता का प्रतीक सर्वधर्म समभाव महा मानवों का देश है जहां,माता-पिता बड़े बुजुर्गों की आज्ञा को ऊपरवाले की रजा व आदेश मानने वालों का यह देश आज पाश्चात्य वैचारिकता की ओर बढ़ गया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र जब तीन दिन पहले प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में एक 80 वर्षीय बुजुर्ग माँ के परिजनों द्वारा उसे सड़क के कोने में फेंक कर भागने व 25 जुलाई 2025 को उन्हें अस्पताल में बचाने की काफी कोशिशें के बावजूद उसकी मृत्यु हो गई,मां को फेंक भागने का वीडियो देखकर भारत के संस्कारी लोगोंका दिल पसीज गया,मैं भी सीसीटीवी वीडियो देखकर रो पड़ा,फेंकने वाले संभ्रात परिवार के दो महिला व एक पुरुष दिखाई दे रहे हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक ऑटो से आए थे, बुजुर्ग मां को एक ने दोनों हाथो व दूसरे ने दोनों पैरों से पड़कर रोड किनारे फेक कर उसको चादर डालकर भाग गए। मेरा मानना है यह सीसीटीवी वीडियो देखकर सबका खून खौल उठा होगा। संसद का मानसून सत्र चल रहा है, जो 21 अगस्त 2025 तक चलेगा। इस आर्टिकल के माध्यम से मैं केंद्र सरकार व सभी पार्टीयों के सभी राज्यसभा व लोकसभा सांसदों से हृदयपूर्वक मार्मिक अपील करना चाहता हूं कि, ताबतो? इसी हफ्ते संसद में माता-पिता सीनियर सिटीजन (अत्याचार अपमान व दुर्व्यवहार निवारण) विधायक 2025 बनाकर पेश करें, व सभी मिलकर लोकसभा में 543/0 व राज्यसभा में 245/0 के रिकॉर्ड तोड़ समर्थन से यह बिल पारित कर पूरे विश्व में एक उदाहरण पेश करें, तो भारत सहित पूरी दुनियाँ खुश हो जाएगी। मैं युवाओं से कहना चाहूंगा कि आज भारत भले ही युवाराष्ट्र है, परंतु एक रिपोर्ट के अनुसार 25 वर्षों के बाद भारत में 60 प्लस की संख्या अधिक होगी, जिसमें आज के सभी युवा शामिल होंगे। आज बुजुर्गों की स्थिति यह है कि 77 पेर्सेंट बुजुर्गों के साथ भावनात्मक मौखिक दुर्व्यवहार, 24 पेर्सेंट से शारीरिक दुर्व्यवहार होता है, तो 27 पेर्सेंट आर्थिक शोषण व 50 पेर्सेंट की उपेक्षा होती है।आज वर्तमान कानून माता-पिता वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण (संशोधित) अधिनियम 2019 व 2007 में बनाए गए माता-पिता तथा वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण अधिनियम नाकाफी सिद्ध हो रहे हैं,क्योंकि आज करीब 12 पेर्सेंट बुजुर्गों को ही इन कानूनों के बारे में जानकारी है,ऐसी रिपोर्ट कहती है। मेरी अपील है कि मेरे द्वारा सुझाए गए उपरोक्त विधेयक में हत्या सामूहिक रेप व देशद्रोह की धाराओं के समतुल्य सजा का प्रावधान करना जरूरी हो गया है। अयोध्या एसपी का इंटरव्यू मैंने देखा तो पता चला पूरी तेज रफ्तार से जांच जारी है।महिला का फोटो जारी कर आरोपियों का पता बनाने बताने वालों के लिए इनाम की घोषणा की गई है। 25 किलोमीटर के दायरे में सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं अनेक पुलिस टीमें बनाई गई है, परंतु मेरा मानना है,आरोपी पकड़े जाने के बाद भी कानून की खामियों से शीघ्र ही जमानत व केस ट्रायल होने के बाद पूरी तरह छूट जाने की संभावना है, जिसका संज्ञान माननीय सभी सांसदों को लेना चाहिए, व सभी राज्यों को भी अपने-अपने स्तर पर एक सख्त कानून बनाने की जरूरत है।चूँकि रामनगरी अयोध्या में शर्मसार हुई मानवता, 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला को संभावित परिवार वालों ने लावारिस फेंककर भागे, सीसीटीवी में कैद हुई हृदय विधायक घटना,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत में बुजुर्गों का तिरस्कार कब खत्म होगा? राम शर्मिंदा है,अयोध्या में संभावित परिवारजनों द्वारा सड़क पर माँ को फेंक भगा निकले, माँ दम तोड़ गई। साथियों बात अगर हम 24 जुलाई 2025 को 1.50 एएम अयोध्या में हुई माँ को लावारिस फेंक भागने की घटना की करें तो,आज पूरे देश में अयोध्या की चर्चा हो रही है, लेकिन आज अयोध्या की चर्चा भगवान राम के लिए नहीं बल्कि एक बुजुर्ग महिला की वजह से हो रही है, जिसे कुछ लोगों ने अयोध्या में लावारिस छोड़ दिया और कुछ ही घंटे बाद उसकी मौत हो गई। ये घटना 23 जुलाई की देर रात 1 बजकर 50 मिनट की है। जब अयोध्या के दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज के पास रात के अंधेरे में संभवत:परिवार वाले 80 वर्ष की इस बुजुर्ग महिला को लेकर आए और उसे सड़क किनारे फेंककर चले गए। ये पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दो महिलाएं और एक पुरुष बुजुर्ग महिला को ई-रिक्शा से उतारकर वहां से जाते हुए दिखाई दे रहे हैं।अयोध्या के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नगर) ने कहा,अब तक की जांच में पता चला है कि बुजुर्ग महिला को उसके रिश्तेदार देर रात ई-रिक्शा में लाए थे, और फिर उसे सड़क किनारे छोड़कर चले गए। सूचना मिलने के बाद, पुलिस महिला को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले गई, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। साथियों बात अगर हमसीसीटीवी कैमरों व पुलिस जांच की करें तो,सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि बुजुर्ग महिला को ई-रिक्शा में लाकर सड़क किनारे छोड़ दिया गया। ई-रिक्शा में सवार लोग उसके ऊपर कंबल डालकर तुरंत वहां से चले गए।एसपी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए दोषियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। अभी तक करीब 25 किलोमीटर का दायरा सीसीटीवी के ज़रिए चेक कर लिया गया है जल्द ही ई रिक्शा चालक और परिजन का पता लगा लिया जाएगा जिस इलाके में ये वारदात हुई वहा के स्थानीय लोगो का कहना है कि ये इलाका सुल्तानपुर गोंडाबहराइच और अम्बेडकरनगर को जोड़ता है ऐसे में संभावना है कि यह लोग इन जिलो से भी आए होंगे,स्थानीय लोगो ने इस पूरे वारदात की अत्यंत कड़ी निंदा की है। साथियों बात अगर हम साथियों बात अगर हम सूचीगत जातियों की सुरक्षा के लिए बनाए गए अनुसूचित जाति व जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 2019 के समकक्ष माता-पिता बुजुर्गों के सम्मान के लिए कानून बनाने की करें तो जिस तरह सामाजिक सौहार्दपूर्णता समानता को कायम रखने के लिए स्ट्रासिटी (अमेंडेड) कानून 2019 बनाया गया है,जिसका डर हमेशा उपद्रवी लोगों में बना रहता है या फिर कभी नए फौजदारी अधिनियम 2023 में क्राइम को रोकने अनेक धाराओं का डर लोगों में बना हुआ है उसी तर्ज पर मेरा सुझाव है कि संसद के 21 अगस्त 2025 तक चलने वाले मानसून सत्र में माता-पिता बुजुर्गों के साथ होने वाली क्रूरता दुष्टपरिणाम द्रुव्यवहार अपमान व दुत्कार पर लगाम लगाने के लिए माता-पिता वह वरिष्ठ नागरिक (अत्याचार अपमान दुर्व्यवहार व्यवहार व दुराचार) विधेयक 2024 बनाकर पेश किया जाए जिसे सभी पार्टियों एक मत होकर 544/0 मतदान से पारित करेंगी ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

# ट्रम्प प्रशासन भारतीय दर्शन को अपनाकर वैश्विक समस्याओं का हल निकाल सकते हैं

वैश्विक स्तर पर आज की आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत का प्राचीन आर्थिक दर्शन संभवतः आशा की किरण के रूप में दिखाई पड़ता है। अमेरिका जैसा शक्तिशाली देश, अपने अहंकार के मद में, जब अपने पड़ौसी देशों एवं हितचिंतक देशों के साथ ही अन्य अविकसित एवं विकासशील देशों को भी नहीं बक्श रहा है एवं इन देशों से अमेरिका को होने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ का डंडा चला रहा है, तब भारतीय आर्थिक दर्शन की वसुधैव कुटुंबकम, सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय एवं सर्वे भवंतु सुखिन सर्वे संतु निरामया जैसी नीतियों की याद सहज रूप से ही आ जाती है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, अर्थ का अर्जन करना बुरी बात नहीं है परंतु इसका धर्म के अनुसार उपयोग नहीं करना बुरी बात है। ट्रम्प प्रशासन की वर्तमान नीतियों से स्पष्ट झलकता है कि अथाह मात्रा में इकट्ठे किए गए धन का उपयोग विश्व के अन्य देशों को डराने धमकाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिका आज कई देशों पर दबाव बनाता हुआ दिख रहा है कि यदि किसी देश ने उसकी शर्तों के अनुरूप अमेरिका के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौता नहीं किया तो उस देश से होने वाले वस्तुओं के अमेरिका में आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाया जाएगा।

यह सत्य है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान विश्व के कई देश विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़े हैं और आज यह सम्पन्न देशों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। इन देशों के नागरिकों को भौतिक सुख की प्राप्ति तो हुई है परंतु उनके जीवन में मानसिक सुख का पूर्णतः अभाव है। अतः इनके जीवन में संतोष का अभाव है और यह लोग कुंठा की भावना में बहते हुए कुछ इस प्रकार के निर्णय ले रहे हैं जिससे समाज के अन्य लोगों का अहित हो रहा है। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी नीतियों के चलते कुछ लोग केवल अपने आर्थिक विकास की ओर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, समाज के अन्य नागरिकों की स्थिति कैसी है, इस बात पर उनका ध्यान बिलकुल नहीं है। अपने को अधिक धनवान बनाने की प्रक्रिया में वे अपने ही समाज के नागरिकों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। आज अमेरिका की स्थिति भी लगभग यही है। आज वह पूरे विश्व की चौधराहट प्राप्त करने के प्रयास में कुछ इस प्रकार की नीतियों का अनुपालन करता हुआ दिखाई दे रहा है जो अन्य देशों का नुक्सान कर सकती हैं। परंतु, अन्य देशों को होने वाले नुक्सान के प्रति अमेरिका आज पूर्णतः अनजान सा बना हुआ है। पूरे विश्व की आर्थिक स्थिति डावांडोल होती हुई दिखाई दे रही है। यह सब तब हो रहा है जब विश्व की बहुत बड़ी संख्या में नागरिक भूख, गरीबी एवं बेकारी से त्रस्त है। समाज का एक वर्ग अमीर से और अधिक अमीर हो रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग गरीब से और अधिक गरीब हो रहा है। आय की असमानता की खाई निरंतर चौड़ी होती जा रही है। कुल मिलाकर अमेरिका सहित विश्व के कई विकसित देशों के नागरिक आज अपनी आर्थिक तरक्की से संतुष्ट नहीं है एवं भौतिक सुख होने के बावजूद मानसिक बीमारियों से ग्रस्त नजर आ रहे हैं।

हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार मनुष्य का इस धरा पर जन्म, परेशनियां झेलने के लिए नहीं हुआ है। बल्कि, इस मानव जीवन को समस्याओं रहित बनाकर, शांतिपूर्ण तरीके से जीने के लिए हुआ है। आज विभिन्न देशों के नागरिक खाने पीने की वस्तुओं, अच्छे वस्त्रों, बड़े एवं सुविधाजनक निवास स्थान, मनोविनोद के साधनों में वृद्धि, वासना की वृद्धि एवं वासना की संतुष्टि के लिए विभिन्न साधनों में वृद्धि, सुख के लिए उपभोग में वृद्धि जैसे कार्यों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए है। जैसे इस धरा पर जीवन जीने का लक्ष्य यही है। इच्छाओं की पूर्ति सम्भव नहीं है। एक इच्छा की पूर्ति होती है तो दूसरी इच्छा जन्म ले लेती है। यह पूंजीवाद में निहित पश्चिमी विचार है। इस धारणा को और अधिक स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूजनीय श्री गुरुजी (श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर) कहते हैं कि 卐पश्चिम के सुख की अवधारणा पूर्णतया प्रकृति जन्य इच्छाओं की संतुष्टि पर केंद्रित है, अतः उनके जीवन स्तर को उठाने का अर्थ भी केवल भौतिक आनंद की वस्तुओं को अधिकाधिक जुटाना है। इससे व्यक्ति अन्य विचारों एवं एषणाओं को छोड़कर केवल इसी में पूर्णतया संलग्न हो जाता है। भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति की इच्छा धन संग्रह को जन्म देती है। अधिकाधिक धन प्राप्ति हेतु शक्ति आवश्यक हो जाती है; किंतु भौतिक सुख की अतृप्त क्षुधा व्यक्ति को अपनी राष्ट्रीय सीमाओं तक ही नहीं रुकने देती। सबल राष्ट्र, राज्य शक्ति के आधार पर दूसरों के दमन व शोषण का भी प्रयास करते हैं। इसमें से संघर्ष व विनाश का जन्म होता है। एक बार यह प्रक्रिया प्रारम्भ हुई कि समाप्त होने का नाम ही नहीं लेती। सभी नैतिक बंधन विच्छिन हो जाते हैं। सामान्य मानवीय संवेदनायें सूख जाती हैं। मनुष्य और पशु में अंतर स्थापित करने वाले मूल्य एवं गुण समाप्त हो जाते हैं। हालांकि उक्त विचार आज से लगभग 65/70 वर्ष पूर्व व्यक्त किए गए थे परंतु यह आज अमेरिका की स्थिति पर सटीक बैठते हैं। 卐मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के साथ सत्ता में आने वाले श्री डानल्ड ट्रम्प आज पूरे विश्व में अराजकता की सत्ता स्थापित करने में लगे हुए हैं। केवल और केवल अमेरिका के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देना है, इससे अन्य राष्ट्रों (अविकसित एवं विकासशील देशों सहित) का कितना भी नुक्सान हों परंतु अमेरिकी उद्योगपतियों एवं व्यवसायीयों के हित सुरक्षित रहने चाहिए, उनकी आर्थिक तरक्की होते रहना चाहिए।

भारतीय आर्थिक चिंतन पश्चिम के आर्थिक चिंतन के ठीक विपरीत है। हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार, अर्थ एवं भोग को धर्म के अनुसार ही कार्यशील रखना चाहिए। इस संदर्भ में संयम को प्राथमिकता दी गई है। कोई भी कार्य, सीमा के अंदर किया जाय तो उचित होता है। सीमा के बाहर जाकर किया गया कार्य, समाज में अस्थिरता प्रतिपादित कर सकता है। अत्यधिक भोग, भारतीय संस्कृति में निषेध है। अर्थ के अधिक मात्रा में अर्जन पर हालांकि किसी प्रकार का निषेध नहीं है परंतु अर्थ के उपभोग पर जरूर कुछ सीमाएं निर्धारित हैं। अर्थ का उपयोग स्वयं की सुख प्राप्ति के लिए उपभोग करने के उपरांत परिवार, समाज, धर्म की रक्षा, संस्कृति के विस्तार, भविष्य की सुरक्षा के लिए बचत, आदि के लिए करना आवश्यक माना गया है। पश्चिमी सभ्यता के अनुसार तो अर्थ का उपभोग केवल एवं केवल स्वयं के लिए किया जाता है एवं येन केन प्रकारेण व्यक्ति द्वारा इसकी वृद्धि हेतु प्रयास किए जाते हैं। सुख को तो अपने अंदर महसूस किया जा सकता है। बाहरी भौतिक आवरण पहनकर सुख की प्राप्ति सम्भव नहीं है। इसी संदर्भ में श्री गुरुजी कहते हैं कि 卐सब बातों का विचार हमारे पूर्वजों ने भी किया था। समय पर वर्षा होना चाहिए, पृथ्वी पर धन धान्य की समृद्धि रहना चाहिए, समाज को ऐच्छिक सुख समृद्धि की प्राप्ति होना चाहिए, कोई भी दुखी न रहे - ऐसी प्रार्थना उन्होंने की है, परंतु उस समय भी उनको अनुभव हुआ कि मनुष्य केवल वासनाओं का पुतला नहीं है। वासनाओं की तुष्टि कुछ समय के लिए आनंद देती हैं, किंतु हमेशा के लिए वह आनंद नहीं दे सकती। मनुष्य तो ऐसा सुख चाहता है, जो कभी क्षीण न हो, उसमें कभी बाधा न आ सके, व्यत्यय न आ सके, यानी वह अबाधित, नित्य सुरक्षित और चिरकालिक सुख की कामना करता है।

उक्त विचार को आगे बढ़ाते हुए श्री गुरुजी कहते हैं कि अपनी भारतीय प्रणाली में जिसे अर्थशास्त्र कहते हैं, उसमें आज जैसा केवल आर्थिक पहलू मात्र नहीं था। हमारे यहां अर्थशास्त्र का ही दूसरा नाम नीतिशास्त्र था। आज हमें अपने सिद्धांतों के आधार पर मौलिक चिंतन करना चाहिए। हम दुनिया भर के विचार प्रवाहों को परखेंगे तथा अपनी स्वतंत्र मौलिक राष्ट्रीय चिंतनधारा के अनुरूप अपना रास्ता अपनाएंगे। उदाहरण के लिए महात्मा गांधी जी ने अपने जीवन काल में संपत्ति के विकेंद्रीकरण के लिए ट्रस्टीशिप का मार्ग प्रतिपादित किया। उनके इस ट्रस्टीशिप के विचार में माना गया है कि मनुष्य के उत्पादन सामर्थ्य में कोई कमी करने की जरूरत नहीं जीविका के साधनों द्वारा जितना चाहे, उसे उत्पादन करने दो, परंतु संग्रह का वह अधिकारी नहीं है। जीविका के साधनों का प्रयोग करने पर जो संपत्ति एकत्रित होती है, वह समाज की है, अपने उपभोग बढ़ाने के लिए नहीं। वह सम्पत्ति उसने समाज को दे देनी चाहिए।

इस धरा पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुख वासनाओं-इच्छाओं को बढ़ाते जाने में नहीं है, सुख तो वासनाओं-इच्छाओं को कम करते जाने की मानसिकता में से मिलता है। इस दृष्टि से श्री गुरुजी इच्छाओं व आवश्यकताओं को बढ़ाते जाने वाले आर्थिक चिंतन को स्वीकार नहीं करते थे, अपितु आवश्यकता विहीन की दिशा में चलने वाले अर्थशास्त्र के समर्थक थे। साथ ही, समाज के समस्त क्रिया कलापों के दौरान यह भी ध्यान रखना होगा कि कुल मिलाकर सम्पूर्ण समाज के सुख में वृद्धि हो जो शोषण से मुक्ति एवं वितरण की समानता की ओर संकेत करती है। वेसे भी सुख की प्राप्ति मनुष्य अकेला नहीं कर सकता, समाज का सहयोग चाहिए। अतः सुख का आधार

-प्रहलाद सबनानी

# इंदौर बाजार भाव

**इंदौर।** आवकें सुधरने से बुधवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार मंदी पर रहे। चने में तेजी कायम रही। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन बढ़त पर रहा। किराना जिंसों में बाजार बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार बुधवार को अनाज मंडी में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। मूंग में आवकें सुधरने से बाजार नरमी के रहे। मूंग में बाजार 100-200 रू. प्रति क्विंटल की मंदी आयी। चने में तेजी आयी। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। सोया व कपास्या तेलों में बढ़त रही। वहीं, तिलहनों में सोयाबीन सुधार पर रहा। उधर, किराना जिंसों में कामकाज कमजोर ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

**किराना**- शक्कर 4160-4220, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

**तेल**- सींगदाना 1380-1400, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2230, सोया साल्वेंट 1150-1155, सोया रिफाइंड 1215-1220, कपास्या 1305, धूलिया 1310, कड़ी 1320,

**रात की धारणा**- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1230,

**खली**- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

**तिलहन**- सरसो 6800-6900, रायडा 6500-6700, सोयाबीन 4500-4600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

**दलहन**- चना कांटेवाला बेस्ट 6450-6500, एवरेज 6300-6350, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6050-6100, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7400-7500, चमकी 7500-7600, नायलोन 7600-7700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

**दाल**- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

**अनाज**- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

**चावल**- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

**मावा**- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

## इंदौर सर्राफा बाज़ार

**इन्दौर।** बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 115100, चॉंदी (99) 115000, टंच 114200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 99500,

## रुपया गिरावट पर बंद

**नई दिल्ली।** अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ ही 87.45 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संशय को देखते हुए निवेशकों की धारणा कमजोर रहने से आई है। रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87 के स्तर से नीचे पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि आयातकों की ओर से माह के अंत में डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी रुपये पर दबाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया नकारात्मक रुख के साथ खुला और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.15 के निचले स्तर तक पहुंच गया।

# आज का राशिफल

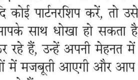

**मेष**- आज का दिन आपके लिए आलस्य को त्यागकर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप बिजनेस में यदि कोई पार्टनरशिप करें, तो उसे पूरी लिखापढ़ी करके ही करें, नहीं तो आपके साथ धोखा हो सकता है, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें अपनी मेहनत में तेजी लानी होगी। आपके रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी और आप कहीं डिनर डेट पर जाने की योजना बना सकते हैं।

**वृषभ**- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। संतान आपकी किसी बात का बुरा मान सकती है। आपको अपने स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान देना होगा। किसी जल्दबाजी के कारण आपको निराशा हाथ लगेगी। आपको अपनी वाणी पर थोड़ा कंट्रोल करके चलने की आवश्यकता है। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों को कल पर डालने की कोशिश करेंगे।

**मिथुन**- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। धन से संबंधित मामला यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो वह भी दूर होगा। आपको किसी पैतृक संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप आज इधर-उधर के कामों में ना लगें। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको किसी काम को लेकर दूसरे पर डिपेंड होने से बचना होगा।

**कर्क**- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप किसी इन्वेस्टमेंट को बिना सोचे समझे ना करें। आप किसी विरोधी की बातों में ना आए। आज आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है, जिसमें खर्चा अच्छा खासा होगा, लेकिन रियल एस्टेट अथवा शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लग सकती है।

**सिंह**- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए दिन बढ़िया रहेगा। आप कार्यक्षेत्र में कामों से अपने बॉस का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। बिजनेस में आपको अपने पार्टनर पर पूरी निगरानी बनाकर रखनी होगी, जो लोग कोई लोन अप्लाई कर रहे थे, उन्हें भी थोड़ा ध्यान देना होगा। घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात हो सकती है।

**कन्या**- आज का दिन आपके लिए सावधानी बरतने के लिए रहेगा, क्योंकि लापरवाही के कारण आपकी समस्या बढ़ेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई-लिखाई में समस्याओं को नजरअंदाज ना करें। यदि आप किसी बहकावे में आकर कोई इन्वेस्टमेंट किया, तो बाद में वह आपके लिए समस्या बन सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को थोड़ा ध्यान देना होगा।

**तुला**- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपके कुछ नए विरोधी खड़े हो सकते हैं। आपको पारिवारिक रिश्तों में सुधार लाने की पूरी कोशिश करनी होगी। आपके ऊपर काम की जिम्मेदारियों का बोझ अधिक रहेगा। आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। वैवाहिक जीवन में आपको एकजुटता बनाकर चलनी होगी। आपके सुख साधनों में वृद्धि होगी और आपको सामाजिक कामों में कोई पुरस्कार भी मिल सकता है।

**वृश्चिक**- आज का दिन आपके लिए आय के सोर्सो में वृद्धि लेकर आएगा। आपको परिवार के सदस्यों का पूरा मार्गदर्शन मिलेगा। आर्थिक मामले को लेकर आप जल्दबाजी न दिखाएं। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। आप अपने घर किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को लेकर आ सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान देना होगा। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं।

**धनु**- आज का दिन आपके लिए ध्यान देकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपकी कोई प्रॉपर्टी से संबंधित डील लटक सकती है। कार्यक्षेत्र में यदि आपको काम को लेकर कोई सलाह दे, तो आप उस पर अमल अवश्य करें। आप अपनी बुद्धि व विवेक से कोई निर्णय लें। आपका कोई कानूनी मामला यदि आपको समस्या दे रहा था, तो वह भी दूर होगा। आपको दिखावे के चक्कर में पड़ने से बचना होगा। धन को लेकर यदि कोई समस्या आ रही थी, तो वह भी आसानी से दूर हो जाएगी।

**मकर**- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको अक्समात धन लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप संतान की फरमाइश पर उन्हें कहीं घूमाने-फिराने भी लेकर जा सकते हैं। माता-पिता की सेवा के लिए भी आप कुछ समय निकालेंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से यदि अनबन चल रही थी तो वह दूर होगी। आपकी कोई पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद खड़ा हो सकता है।

**कुंभ**- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। आपको काम को लेकर कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। आज आप अपने मित्र की मदद के लिए आगे आएंगे। एक साथ आपको कोई काम हाथ लगेंगे। आप जल्दबाजी में किसी काम को लेकर उतावलापन ना दिखाएं। सामाजिक कामों में आपकी काफी रुचि रहेगी और आपके जन समर्थन में इजाफा होगा। आप अपनी वाणी और व्यवहार से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे।

**मीन**- आज का दिन आपके लिए अपने रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने बिजनेस में कुछ नई योजनाओं को लेकर अपने पार्टनर से बातचीत कर सकते हैं। जीवनसाथी को आप कहीं घूमाने-फिराने लेकर जाएंगे और उन्हें कोई गिफ्ट भी दे सकते हैं।

## शब्दजाल - 7976

शब्द जाल में उड़ीसा के 10 जिलों नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बा | ला | सो | र | ग | द | रि | सि | या | र | क |
| लां | वि | ज | ग | व | जी | ग | द | इ | ता | ली |
| गी | स | श | ग | बा | छ | ची | ता | रा | क | का |
| र | ज | र | ज | त | ज | न | अं | गु | ल | ला |
| क | खु | दो | प | ल | सिं | का | म | ग | व | हां |
| जी | द | ल | ति | य | ख | ह | ना | हि | र | डी |
| ती | लो | म | ड़ी | या | प | र | पु | र | र | ल |
| क | दे | व | ग | ढ़ | ब | क | ग | र | श | ण |
| ने | बा | गं | न्न | ब्रा | ह | त्या | बा | र | ग | ढ़ |
| तें | दु | ज | प | व | जी | र्त | उ | बें | हा | त |
| क | दु | म | रा | नी | ल | गा | थ | द | प | थ |

जगतसिंहपुर, बालासोर, अंगुल, बाउथ, गंजम, कालाहांडी, देवगढ़, बालांगीर, बारगढ़, गजपति

### शब्दजाल - 7975 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | रा | दि | ल | वा | ले | ह | ट | अ | क | र |
| छ | च | दी | ह | रिं | लै | ता | दि | त | को | घु |
| स | र | ह | वा | दा | चि | सिं | बे | ला | ल | वी |
| पू | म | दा | च | ने | क | ड़ | ढा | ल | र | र |
| त | बॉ | र्ड | र | हा | हु | री | चि | स | र | ट |
| ह | ह | प | व | दा | ह | ए | ती | झ | न | ती |
| ट | र | बु | अं | र | म | ट | पा | ला | ह | क |
| कि | ज | क्ष | ला | क | छ | सौ | न | ग | जू | ट |
| ह | थो | तें | क | ह | ज | दा | ने | दा | ल | द |
| र | ल | प | ति | मो | ह | रा | बें | न | रु | थो |
| त | ड़ | पा | ह | ट | ख | बौ | ख | ला | ह | ट |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 6920

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | ■ | 3 | | 4 | 5 | ■ | 6 |
| | ■ | 7 | | ■ | 8 | | | | |
| 9 | 10 | | ■ | 11 | | ■ | | ■ | |
| ■ | | ■ | 12 | | ■ | 13 | | | ■ |
| 14 | | 15 | | ■ | 16 | | ■ | ■ | 17 |
| | ■ | | ■ | 18 | ■ | 19 | 20 | | |
| 21 | | | 22 | | 23 | | ■ | | |
| ■ | ■ | ■ | | ■ | 24 | 25 | ■ | 26 | ■ |
| 27 | | 28 | | ■ | ■ | 29 | | | ■ |
| | ■ | | ■ | 30 | | | ■ | 31 | |

**बायें से दायें:-**

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 6919

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बं | ध | न | ■ | क्ष | त्रि | य | ■ | ज | ख्मी |
| दि | ■ | सी | मा | ■ | दे | श | प्रे | मी | ■ |
| श | बा | ब | ■ | दे | व | ■ | म | न | ■ |
| ■ | बु | ■ | जो | श | ■ | बा | गी | ■ | खु |
| दौ | ल | त | ■ | द्रो | ही | ■ | त | ला | शी |
| ड़ | ■ | ला | ■ | ही | ■ | पा | ■ | ट | ■ |
| ■ | रो | श | नी | ■ | आ | प | के | सा | थ |
| जं | ग | ■ | य | की | न | ■ | ■ | ब | ■ |
| ग | ■ | ■ | त | ■ | बा | द | ल | ■ | जी |
| ल | की | र | ■ | डॉ | न | ■ | की | म | त |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8444

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | 2 | ■ | ■ | 3 | | 4 |
| | ■ | ■ | 5 | 6 | 7 | | ■ | |
| 8 | 9 | ■ | ■ | 10 | | ■ | ■ | |
| ■ | 11 | 12 | ■ | | ■ | ■ | 13 | |
| ■ | 14 | | | ■ | 15 | 16 | | ■ |
| 17 | | ■ | ■ | 18 | ■ | 19 | | ■ |
| | ■ | ■ | 20 | | ■ | ■ | 21 | 22 |
| | ■ | 23 | | | 24 | ■ | ■ | |
| 25 | | | ■ | ■ | 26 | | | |

**बाएँ से दाएँ**

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

**ऊपर से नीचे**

1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

### शब्द पहेली - 8443 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फि | त | र | त | ■ | स | ला | म | त |
| रं | ■ | त | ल | ब | गा | र | ■ | मी |
| गी | ला | ■ | ■ | द | ■ | ■ | ह | ज |
| ■ | ल | ■ | क | न | क | ■ | म | ■ |
| ध | कि | या | ना | ■ | या | या | व | र |
| ■ | ता | ■ | त | म | स | ■ | त | ■ |
| ऐ | ब | ■ | ■ | ना | ■ | ■ | न | न |
| न | ■ | ख | ल | ना | य | क | ■ | क |
| क | र | त | ब | ■ | म | ल | म | ल |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

31 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कर्क में | सिंह | 06.47 बजे से |
| चंद्र | कन्या में | कन्या | 08.59 बजे से |
| मंगल | कन्या में | तुला | 11.10 बजे से |
| बुध | कर्क में | वृश्चिक | 13.24 ब.से |
| गुरु | मिथुन में | धनु | 15.40 बजे से |
| शुक्र | मिथुन में | मकर | 17.45 बजे से |
| शनि | मीन में | कुंभ | 19.32 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मीन | 21.05 बजे से |
| केतु | सिंह में | मेष | 22.35 बजे से |
| राहुकाल | | वृष | 00.15 बजे से |
| 1.30 से 3.00 | | मिथुन | 02.13 बजे से |
| बजे तक | | कर्क | 04.27 बजे से |

**गुरुवार** 2025 वर्ष का 212 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** सप्तमी 04.59 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 00.42 बजे रात्र को समाप्त। **योग** साध्य 04.32 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** गर 15.49 बजे तदनन्तर वणिज 04.59 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 15' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872422 **जूलियन दिन** 2460887.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 05 **विशेष** तुलसीदास जयंती।

| दिन का चौघड़िया | | | | रात का चौघड़िया | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | | अमृत | 05.40 से | 07.11 बजे तक | |
| रोग | 07.22 से | 08.51 बजे तक | | चर | 07.11 से | 08.43 बजे तक | |
| उद्वेग | 08.51 से | 10.19 बजे तक | | रोग | 08.43 से | 10.15 बजे तक | |
| चर | 10.19 से | 11.47 बजे तक | | काल | 10.15 से | 11.47 बजे तक | |
| लाभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक | | लाभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक | |
| अमृत | 01.15 से | 02.43 बजे तक | | उद्वेग | 01.19 से | 02.51 बजे तक | |
| काल | 02.43 से | 04.11 बजे तक | | शुभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक | |
| शुभ | 04.11 से | 05.40 बजे तक | | अमृत | 04.23 से | 05.55 बजे तक | |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगत: ईश्वर का रूप

एक बार फकीर जुन्नैद कई लोगों के साथ बैठकर बातचीत कर रहे थे। एक व्यक्ति ने उनसे पूछा, 'बाबा, क्या ईश्वर सचमुच है?' जुन्नैद बोले, 'हां भाई, ईश्वर सचमुच है और वह हर जगह मौजूद है।' इस पर वह व्यक्ति बोला, 'यदि ईश्वर हर जगह मौजूद है तो वह हमें दिखाई क्यों नहीं देता?' फकीर ने कहा, 'ईश्वर कोई वस्तु तो है नहीं, वह तो हमें मार्गदर्शन देने वाला, हमारी मदद करने वाला एक फरिश्ता है और उसे हम कई बार नेक व दयालु इंसानों के रूप में देख भी पाते हैं।' इस पर भी वह व्यक्ति संतुष्ट नहीं हुआ और बोला, 'ये बातें तो हम सदियों से सुनते आ रहे हैं। लेकिन कभी तो ईश्वर की झलक मिलती।' यह कहकर जैसे ही वह वहां से जाने लगा वैसे ही फकीर जुन्नैद ने आवाज दी, 'जरा रुको।' उसके रुकते ही उन्होंने एक नुकीला पत्थर अपने पैर में मार लिया। पत्थर लगते ही वहां से खून की धारा बह निकली। वह व्यक्ति घबराकर बोला, 'बाबा, आपने यह क्या किया? आपको तो बहुत तकलीफ हो रही होगी।' इस पर जुन्नैद बोले, 'देखो बेटा, जैसे मेरे पैर में खून की धारा बहते देख तुमने महसूस किया कि मुझे पीड़ा हो रही होगी, वैसे ही हम ईश्वर को भी मन से महसूस करते हैं। पीड़ा भी तो महसूस ही की जाती है। क्या वास्तव में पीड़ा का कोई रूप है? नहीं न। वह तो प्रत्येक व्यक्ति के अंदर चोट लगने पर अलग-अलग तरह से उभरती है। उसी तरह ईश्वर भी लोगों के भीतर अलग-अलग रूप में महसूस किया जाता है।'

## सूडोकु नवताल- 7229

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 5 | 1 | 4 | | |
| | | | 7 | | | | 2 | |
| | | 8 | | | | | | 3 |
| | 1 | | | | | | | 8 |
| 5 | | | | 4 | | | | 9 |
| 7 | | | | | | | 6 | |
| 4 | | | | | | 7 | | |
| | 2 | | | | 6 | | | |
| | | 3 | 9 | 8 | | | | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7228 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 7 | 6 | 3 | 5 | 2 | 9 | 1 | 8 |
| 5 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 4 | 3 | 2 |
| 2 | 3 | 1 | 8 | 9 | 4 | 7 | 6 | 5 |
| 6 | 8 | 5 | 7 | 3 | 9 | 2 | 4 | 1 |
| 3 | 2 | 4 | 5 | 1 | 6 | 8 | 7 | 9 |
| 7 | 1 | 9 | 4 | 2 | 8 | 3 | 5 | 6 |
| 8 | 4 | 3 | 2 | 6 | 5 | 1 | 9 | 7 |
| 1 | 5 | 2 | 9 | 4 | 7 | 6 | 8 | 3 |
| 9 | 6 | 7 | 1 | 8 | 3 | 5 | 2 | 4 |

# शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी से आई है। दिन के कारोबार के अंत तक 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 140 अंक ऊपर आकर 81481 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 30 अंक बढ़कर 24,800 के करीब बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयर भी लाभ में रहे। टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, और इन्फोसिस के शेयर नुकसान में रहे। आज बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर लगभग 80,000 करोड़ रुपये बढ़कर 452.24 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले कारोबारी दिन को 451.44 लाख करोड़ रुपये रहा था। इससे साफ है कि निवेशकों की संपत्ति में लगभग 80,000 करोड़ रुपये की बढ़त आई है। आज

वैश्विक संकेतों में सुधार और निवेशकों की सकारात्मक धारणा से भी बाजार को लाभ हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स सपाट बंद हुए। वहीं आईटी , मेटल, फार्मा सेक्टर के इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं ऑटो, रियल्टी, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में दबाव देखने को मिला। अमेरिकी फे रिजर्व की बैठक को लेकर निवेशकों में सतर्कता थी, जिससे ग्लोबल स्तर पर भी अनिश्चितता देखने को मिली। इसके साथ ही भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में संभावित टैरिफ को लेकर चिंता का माहौल बना रहा, जिससे विदेशी निवेशकों की धारणा थोड़ी कमजोर रही। जिससे भी बाजार पर दबाव आया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथा खुला। आज सुबह सेंसेक्स 168 अंक बढ़कर 81,506 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 55 अंक ऊपर आकर 24,877 पर खुला। एलएंडटी के अच्छे तिमाही परिणामों के कारण शुरुआती कारोबार में इन्फ्रा शेयरों में बढ़त रही है और निफ्टी इन्फ्रा इंडेक्स 0.61 फीसदी ऊपर आया। आज एशिया के अधिकतर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और सोल में शेयर हरे निशान में थे, जबकि हांगकांग और जकार्ता में नुकसान के साथ हीलाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली का सिलसिला जारी रखते हुए 4,636 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

# बैंकों में 5 दिन काम-काज को लेकर बोली सरकार- फैसला अभी नहीं

नई दिल्ली। बैंकों के काम-काज दिवस को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल बैंक कर्मचारियों की लंबे समस से मांग रही कि बैंक के काम-काज सप्ताह में 5 दिन ही हों, ऐसे में वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि फैसला अभी नहीं लिया गया है। बैंक कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए यह खबर इसलिए भी अहम है, क्योंकि लंबे समय से बैंक कर्मचारियों की मांग रही है कि सप्ताह में 5 दिन बैंकिंग काम-काज हो। इसे देखते हुए सरकार ने सदन में एक बड़ा ऐलान कर दिया है। सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में 28 जुलाई 2025 को बताया कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) ने सभी शनिवार को बैंक में अवकाश रखने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन अभी इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। फिलहाल यह प्रस्ताव विचाराधीन है। इस संबंध में ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन (एआईबीओसी) का कहना है कि सभी शनिवार बैंक बंद रखे जाते हैं तो कर्मचारियों की प्रोडक्टिविटी, वेल-बीइंग और कार्यसंस्कृति में सुधार होगा। वर्तमान में सरकारी बैंकों में महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है। जबकि पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को बैंकों में काम-काज होता है।

# देश के 27 राज्यों में स्थापित होगा प्रधानमंत्री एकता मॉल, स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को बढ़ावा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी), भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों और देशभर के हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए राज्यों में प्रधानमंत्री एकता मॉल स्थापित करने की तैयारी में जुट गई है। इसके लिए देश के 27 राज्यों को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के तहत वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसकी जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में दी। केंद्रीय बजट 2023-24 में घोषित योजना के तहत, वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा 'राज्यों को पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता योजना के भाग-छठवें (एकता मॉल) के तहत 5,000 करोड़ आवंटित किए गए थे। योजना के अनुसार, प्रत्येक राज्य को एक एकता मॉल के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की अनुशंसा पर 27 राज्यों के एकता मॉल के डीपीआर को व्यय विभाग द्वारा मंजूरी दी गई। अब तक 4,795.87 करोड़ की राशि स्वीकृत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश को उसके आकार और जनसंख्या को ध्यान में रखकर विशेष छूट दी गई है। यूपी में आगरा, लखनऊ और वाराणसी में तीन एकता मॉल बनाए जाएंगे। इन तीनों परियोजनाओं के लिए कुल 370.25 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। मोदी सरकार की योजना के तहत, एकता मॉल के लिए आवश्यक भूमि राज्य सरकारें नि:शुल्क उपलब्ध कराएगी, या भूमि अधिग्रहण की लागत राज्य सरकार खुद वहन करेगी। एकता मॉल को राज्य की राजधानी या प्रमुख पर्यटन स्थल पर स्थापित किया जाएगा है। प्रधानमंत्री एकता मॉल देश की सांस्कृतिक विविधता, स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को एक मंच पर लाने की दिशा में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के विज़न को साकार करेगा। यह न केवल स्थानीय कारीगरों और उत्पादकों को राष्ट्रीय पहचान देगा, बल्कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को भी भारत के समृद्ध हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पादों से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा।

# लाड़सा के रेवेन्द्र की संदेहास्पद मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम लाड़सा निवासी रेवेन्द्र पिता लोकचंद मंसुरे की मृत्यू को लेकर खासा संदेह बना हुआ है। परिजनों ने इस संबध में हत्या का आरोप लगाया है जो कि मामला अब तूल पकडने लगा है। रेवेन्द्र की मृत्यू नागपुर में उपचार के दौरान हुई है। जहां पोस्टमार्टम भी नागपूर में ही हुआ बताया जा रहा है उक्तसंबध में पुलिस थाना लांजी में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत दर्ज नही की गई है। वहीं उक्त संपूर्ण मामला संदेह के घेरे में होने के चलते मृतक के परिजनों ने उच्च अधिकारियों से जांच की मांग की है। बतादे कि लांजी थानांतर्गत ग्राम लाडसा में विगत 22 जून की रात्रि लगभग 9 बजे दो युवकों पवन पिता महेश उरोड़े, केसरी पिता श्रीराम खेरे दोनो निवासी लाडसा के द्वारा रेवेंद्र पिता लोकचंद मंसूरे 35 वर्ष निवासी लाड़सा को जबरदस्ती अपने साथ दोपहिया वाहन में लेकर गये थे और रात्रि में लोकचंद के परिजनों को बाजार चौक लांजी में सड़क दुघर्टना होने की जानकारी दी और सिविल अस्पताल में भर्ती किये जाने की बात ही। घटना की सूचना मिलते ही रेंवेंद्र की पत्नी सलिता लांजी पहुंची तो दोनो ही युवकों द्वारा महाराष्ट्र के गोंदिया स्थित यूनाईटेड हॉस्पिटल ले जाने की बात बताई। उसके बाद परिजनों द्वारा घटना की जानकारी लांजी थाने में दी गई थी। वहीं गोंदिया में एक सप्ताह तक भर्ती रहने के बावजूद युवक रेवेंद्र की हालत में कोई सुधार नहीं होने के कारण चिकित्सकों द्वारा नागपुर मेडिकल कॉलेज रिफर किया परंतु वहां भी लगभग 26 दिन तक युवक लोकचंद जिंदगी और मौत से जंग लड़ता रहा और अंततः 27 जुलाई को अंतिम सांस ली। जिसके बाद पीएम के पश्चात परिजन मृतक को लेकर अपने गृहग्राम पहुंचे और युवक का 29 जुलाई को मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया।

### बार-बार अपना बयान बदल रहे संदिग्ध युवक

इस संबंध में मृतक युवक रेवेंद्र की पत्नी श्रीमती सलिता मंसूरे ने बताया कि मेरे द्वारा बार-बार दोनो युवकों पवन उरोड़े और केसरी खेरे से पति के बारे में पूछने पर बार-बार बात बदलकर बताई जा रही थी। उन्होने दोनो युवकों पर अपने पति को मारपीट कर साक्ष्य छिपाने की नीयत से अस्पताल ले जाया गया जिससे वह बचा जा सके। वहीं पुलिस थाने में शिकायत करने के बावजूद दोनो युवकों से पूछताछ भी नहीं की गई। वहीं लांजी पुलिस द्वारा अभी भी जांच की बात कह रही है जिससे मुझे न्याय मिलने की आस धुंधली नजर आ रही है। महिला ने रोते हुए बताया की वर्तमान में घर की हालत ऐसी है की चार लोगों के खाने के लिये घर में अनाज तक नहीं है जिससे पति के मरणोपरांत होने वाले कार्यक्रम के खर्च किस तरह होगा यह सोचकर ही रोना आता है।

### इकलौता पुत्र था मृतक रेवेंद्र मंसूरे

जानकारी अनुसार मृतक रेवेंद्र मंसूरे ग्राम लाडसा में इलेक्ट्रिशियन का कार्य करता था तथा अपने माता पिता की इकलौती संतान था। जिसके परिवार में बुढे माता पिता और पत्नी के साथ तीन बच्चे भी है। मृतक की पत्नी सलिता ने कहा की हमारा किसी से कोई विवाद नहीं था परंतु पवन उरोड़े के साथ पैसे का लेन देन होने की बात मेरे पति रेवेंद्र ने मुझे बताई थी और कहा था मैं शराब दुकान के सामने काम करता हूं इसके लिये पवन के पास अपने पैसे रखता हू ताकि सुरक्षित रह सके। इसके अलावा मुझे कोई जानकारी नहीं है। सलिता ने कहा मेरे दोनो सास-ससुर दृष्टिबाधित है जिन्हें ठीक तरह से कुछ नहीं दिखता और मेरे बच्चे भी बहुत छोटे हैं पति के असमय चले जाने से इन सभी के लालन-पालन की जिम्मेदारी कैसें संभालूंगी कुछ समझ नहीं आ रहा।

### सीसीटीवी फुटेज में जबरदस्ती ले जा रहे युवक

इस मामले में मृतक रेवेंद्र मंसूरे को दोनो युवक पवन उरोड़े और केसरी खेरे द्वारा जबरन अपनी मोटर सायकल में बिठाकर ले जाया जा रहा है यह बात फूलचंद मंसूरे नामक व्यक्ति की लाडसा में स्थित स्वल्पाहार की दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज से साफ समझ आ रहा है। परिजनों ने कहा की इतना सबकुछ होने के बावजूद पुलिस द्वारा पवन और केसरी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। उन्होने बताया की मृतक के इलाज में डेढ़ माह में लगभग 6 लाख रूपये का खर्च आया है।

# श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज में वृक्षारोपण कर मनाया 17वॉ स्थापना दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्री लक्ष्मीकांता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लांजी में 17वें स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों द्वारा सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात् कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक नरेश कुमार अगासे द्वारा महाविद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों से अवगत कराया तथा लांजी जैसे पिछड़े क्षेत्र में कौशल विकास की दिशा में कार्य करते हुए स्नातक स्तर पर संचालित सभी पाठ्यक्रमों में कॅम्प्यूटर शिक्षा को जो?कर रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के संचालन तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु प्रबंधन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया तथा छात्रों को पर्यावरण सुधार की दिशा में वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के संबंध में जागरूक किया गया। तत्पश्चात् महाविद्यालय परिवार द्वारा श्री लक्ष्मीकांता महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में शुभ संदेश दिया गया। महाविद्यालय के 17वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के संस्थापक लक्ष्मीचन्द कर्राहे, संचालक किशोर कुमार कर्राहे, गुलाबचन्द बड़घैया, डॉ. ताराचन्द बड़घैया, एवं श्रीराम कर्राहे, प्राचार्य एवं समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ द्वारा शुभकामनाएँ दी गई।

# मातृ शिक्त को प्रकृति से जोड़ने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आयोजित हुआ नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा कार्यक्रम

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मप्र जन अभियान परिषद विकासखण्ड लांजी की नवांकुर संस्था मोस्ट मध्यप्रदेश के द्वारा जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में कार्यक्रम 30 जुलाई को नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा का कार्यक्रम ग्राम पंचायत दुलापुर के ग्राम परसाटोला से हरदीटोला के मध्य हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया तथा मंचीय कार्यक्रम का आयोजन हरदीटोला स्थित मां भगवती मंदिर प्रांगण में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि देवेश येड़े मंडल अध्यक्ष बिसौनी , विशेष अतिथि ताराचंद कुचलाहे सरपंच दुलापुर,श्रीराम जामरे, रामप्रसाद पांचे,श्रीमती कुन्ती बाई हरदे पूर्व सरपंच, की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभांरभ किया गया। कार्यक्रम शुभारंभ पश्चायत उपस्थित अतिथियों का पौधे भेंट कर स्वागत सत्कार किया गया। तत्पश्चात विकासखण्ड समन्वयक संतोष नगपुरे द्वारा नवांकुर सखी हरियाली यात्रा योजना के उद्देश्य एवं कार्यक्रम की अवधरना से अवगत कराया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि ताराचंद कुचलाहे जी ने पेड़ पौधों के जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला तथा परिषद के प्रकृति संरक्षण के मुद्दों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। जिससे समाज में जन-जागरूकता फैलती है एवं जन अभियान के कार्य की प्रशंसा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेश येड़े ने उपस्थित सखियों को एक पेड़ मां के नाम रोपित करने प्रेरित किया उन्होंने पर्यावरण संरक्षण कि जिम्मेदारी शासन प्रशासन कि ही नहीं अपितु प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। विकास कि दौड़ में हम प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है। मौसम परिवर्तन हम महसुश कर रहे हैं। नवांकुर सखियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण में उनकी सतत और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की। अभियान का प्रमुख उद्देश्य नारी शक्ति के माध्यम से स्वैच्छिकता के आधार पर पर्यावरण संरक्षण करना है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित नवांकुर सखियों को मंडल अध्यक्ष देवेश येड़े एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा पौधे वितरीत किए गए। इन पौधों को सखी अपने आंगन में रखेगी तथा वर्ष भर पालन पोषण करेगी तथा अपने जन्मदिवस उत्सव वैवाहिक वर्षगांठ स्मृति दिवस पर पौधारोपण करेगी इस संकल्प के साथ पौधे भेंट किये गये। कार्यक्रम में परामर्शदाता संदीप कुमार रामटेककर, ग्रामपंचायत पंच हीरालाल पांचे, सुखदेव बड़गिया,कुमार पांचें, गुनाराम् बढ़घीया,सालिकराम नारनौर,श्रवणलाल हरदे, हरिराम हरदे, गोपीचंद हरदे,चैतराम हरदे, गायत्री कुचलाहे, अंजनी हरदे, तुरसबाई जामरे,कुशवंती हरदे,बेबीबाई पाँचे, हरिराम हरदे, परबति पांचे एवं अन्य नवांकुर सखियों के साथ साथ गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# वैश्य समाज महिला इकाई ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। अखिल भारतीय सर्व वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई लांजी के द्वारा 30 जुलाई को श्रावण मास के पावन अवसर पर हरियाली तीज उत्सव नगर में भिलाई रोड स्थित अशोक श्रीवास्तव जी के निवास स्थान पर मनाई गई। साथ ही सभी महिला सदस्यों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सदेंश दिया। बतादे कि हरियाली तीज उत्सव में तीज श्रावण मास में शुक्ल तृतीया को मनाई जाती है। यह पर्व मुख्य रूप से स्त्रियों के उल्लास का त्योहार है। इस समय तक बारिश का आगमन हो चुका होता है और धरती पर चारों ही तरफ हरियाली की चादर बिछ जाती है। ऐसे में स्त्रियों के समूह हरे रंगो के वस्त्र धारण कर मस्ती में गीत गाकर श्रावण का झूला झूलतें हुये तथा अनेको कार्यक्रमों का आयोजन कर उक्त पर्व को हर्षोल्हास पूर्वक मनाया जाता है। वैश्य समाज महिला इकाई के द्वारा उक्त उत्सव का आयोजन कर अनेको खेल भी खेले गये तथा सभी के द्वारा प्रांगण स्थल पर वृक्षारोपण किया जाकर, फलदार, फुलदार, इमारती छायादार वृक्षों का रोपण किया जाकर संदेश दिया गया कि हम सभी को वृक्षारोपण अवश्यक करना चाहिये जिससे प्रकृति का संतुलन बना रहता है। वहीं वृक्षारोपण कर वृक्षो का संरक्षण भी किया जाना आवश्यक है। सभी के द्वारा वृक्षो के सरंक्षण करने हेतु संकल्प लिया गया। इस दौरान महिला इकाई से रोशनी अग्रवाल, एकता अग्रवाल, सुशीला दड़गड़, प्रीति अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, रिंकी अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, नेहा एस अग्रवाल, रीता अग्रवाल, सुषमा अग्रवाल, उमा अग्रवाल, अंशु श्रीवास्तव, भाग्यश्री श्रीवास्तव, पूजा श्रीवास्तव, प्रिया श्रीवास्तव, आस्था श्रीवास्तव सहित अन्य सामाजिक महिला सदस्य गण उपस्थित रही। अंत में स्वल्पाहार कर कार्यक्रम समाप्त किया गया।

# एकल अभियान संच ने किया नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्र सेवा में समर्पित देश में शिक्षा के माध्यम से बच्चों में संस्कार आचरण व्यवहार स्थापित करने के लिए एकल अभियान संच लांजी, अंचल बालाघाट, महाकौशल (म प्र) के द्वारा 30 दिवसीय अखंड श्री रामचरित मानस पाठ आयोजन दादा कोटेश्वर धाम लांजी जिला बालाघाट म प्र में किया जा रहा है के सानिध्य में वनांचल व अति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों के लिए संच के माध्यम से 27 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक निशुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर का आयोजन विभिन्न स्थानों पर एकल अभियान संच लांजी, महावीर इंटरनेशनल अपेक्स लांजी एवं जिला अंधत्व निवारण समिति बालाघाट व देवजी नेत्रालय जबलपुर के सहयोग से निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सेवा, प्रेम और शांति का संदेश फैलाना, सबकी सेवा, सबको प्यार' यही एकल अभियान संच लांजी का मूल मंत्र है। एकल अभियान संच लांजी द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन नगर मुख्यालय लांजी के अलावा भानेगाव, कुम्हारीकला, बहेला, साडरा, बोलेगांव, घोटी, कान्द्रीकला स्थानों पर आयोजित किया गया। जिसमें 50 नेत्र रोगियों को चयनित किया गया। सभी चयनित मरीजों को 4 अगस्त 2025 को श्री अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ आयोजन स्थल दादा कोटेश्वर धाम लांजी से देवजी नेत्रालय जबलपुर के लिए

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# संबल योजना तहत राहुल वाकले को प्रदान की गई 5 हजार रू. की सहायता राशि

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन की जन कल्याणकारी संबल योजना के तहत पात्र हितग्राहियों की मृत्यु उपरांत परिजनों को अंत्येष्ठि सहायता राशि 5000 का प्रावधान है। इस योजना से गरीबों को काफी राहत मिलती है इसी संबल योजना के तहत ग्राम पंचायत बिसोनी द्वारा पात्र हितग्राहियों को त्वरित लाभ दिलाया जा रहा है, जिसकी ग्राम वासियों द्वारा प्रसंशा की जा रही है। इस संबंध में जानकारी अनुसार बताया गया कि मीराबाई वाकले का विगत 27 जुलाई को आकस्मिक निधन हो गया था , जिसकी जानकारी प्राप्त होने पर ग्राम के उपसरपंच पवन कश्यप एवं सचिव नीलेश्वर मोरघोड़े द्वारा मृतक के पुत्र राहुल वाकले को सहायता स्वरूप पंचायत कार्यालय में 5000 की नगद राशि प्रदान की गई। ग्राम पंचायत बिसोनी के द्वारा लगातार इस योजनांतर्गत सभी पात्र हितग्राहियों को संबल योजना का लाभ दिया गया है और आगे भी दिलाया जाएगा जिसकी सराहना ग्रामीणों के द्वारा की जा रही है। इस योजना के तहत हितग्राहियों को घर के मुखिया की सामान्य और असामायिक मृत्यु पर दो लाख रुपए, दुर्घटना में मृत्यु पर चार लाख रुपए तथा स्थाई अपंगता पर दो लाख एवं आंशिक स्थाई अपंगता में एक लाख रुपए की सहायता राशी देने का प्रावधान है।

सीएम डॉ. यादव ने आपदा नियंत्रण के स्टेट कमांड सेंटर से देखी बाढ़ वाले जिलों की स्थिति, कलेक्टरों से बात की, प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश, मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्रालय की मांगी मदद

# मप्र में बारिश से हाहाकार...जनजीवन ठप

## शिवपुरी-गुना में सेना तैनात, कलेक्टर उतरे मैदान में : किसानों को बाढ़ से हुए नुकसान की होगी भरपाई

भोपाल। मप्र में लगातार बारिश हो रही है। कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात है। कई जनजीवन ठप पड़ गया है। प्रदेश में लगातार बारिश से कई जिलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। दो जिलों में तो सेना को मोर्चा संभालना पड़ा है। सिंध नदी के उफान पर आने से शिवपुरी के कोलारस में कई गांव पानी से घिर गए हैं। हालात ये हैं कि लोगों को छतों पर टेंट बनाकर रहना पड़ रहा है। इसे देखते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने आपदा प्रबंधन में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने होमगार्ड मुख्यालय में अधिकारियों के साथ चर्चा की। प्रदेश के अतिवृष्टि वाले जिलों के कलेक्टरों से बातचीत की और अधिकारियों को दिए निर्देश है कि प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाई जाए। साथ ही किसानों को बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई करने के भी निर्देश दिए हैं। वहीं मुख्यमंत्री ने बाढ़ से घिरे क्षेत्रों में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए रक्षा मंत्रालय मदद मांगी है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि जिन जिलों में बाढ़ और अतिवृष्टि के कारण लोग फंसे हैं वहां के कलेक्टरों की जिम्मेदारी है कि सभी को सुरक्षित बाहर निकालें। प्रदेश के मुरैना, दमोह, रायसेन, गुना, सागर, विदिशा, अशोकनगर, शिवपुरी में भारी बारिश के कारण हालात बिगड़े हैं। जिलों में बचाव के लिए रक्षा मंत्रालय से मदद मांगी गई है। अशोकनगर के लिए लखनऊ से टीम आ भी गई है। कलेक्टरों की जिम्मेदारी है कि बचाव और राहत कार्य में किसी प्रकार की कोताही न हो, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अतिवृष्टि वाले जिलों के कलेक्टरों से वीडियो कांफ्रेंसिंग से चर्चा की। उन्होंने साफ कहा कि बचाव और राहत कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी प्रभावित जिलों को हर संभव मदद पहुंचाई जाएगी। कलेक्टरों से उन्होंने कहा कि प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाई जाए।

### 2900 लोगों को सुरक्षित निकाला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में अब तक जलमग्न क्षेत्रों से 2,900 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। सभी प्रभावितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है और दो जिलों के लिए केंद्र सरकार से सहायता मांगी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि घबराएं नहीं, किसी तरह की स्थिति की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराएं, सरकार आपकी हर सम्भव मदद करेगी। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित पुलिस और प्रशासन के सभी आला अधिकारी मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि बाढ़ प्रभावितों की मदद करने वालों का 15 अगस्त को सम्मान किया जाएगा। सीएम यादव ने कहा कि किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं, सरकार नुकसान की भरपाई करेगी।

### पानी के बहाव, करंट से बचने की जरूरत

सीएम यादव ने कहा कि बाढ़ वाले जिलों में हमारे जवानों ने अच्छा काम किया है। मुरैना, दमोह, रायसेन, गुना, सागर, विदिशा, अशोकनगर, शिवपुरी में भारी बारिश के कारण हालात बिगड़े हैं। जिन्हें सुरक्षित बचाया गया है उन्हें खाने, पहनने की सामग्री भी दिलाने के लिए कहा गया है। पानी के बहाव और करंट से लोगों का बचाव जरूरी है। सभी तरह के प्रबंधन के लिए अधिकारियों को कहा गया है ताकि कम से कम जनहानि की स्थिति बने। दो जिलों के लिए रक्षा मंत्रालय से मदद मांगी है और सेना के जवान बचाव के लिए आ रहे हैं। अशोकनगर में लखनऊ से बचाव दल आया है। सीएम ने कहा कि कम्युनिकेशन की जरूरत है। अभी दो चार दिनों तक ऐसी स्थिति रहने की संभावना है, इसलिए सबको अलर्ट रहने को कहा गया है। कच्चे मकानों और कच्ची दीवारों से भी बचाव के लिए कहा गया है।

### किसानों के नुकसान का होगा सर्वे

वहीं सीएम डॉ. मोहन यादव ने किसानों को लेकर भी निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना ने बताया कि किसानों के नुकसान का सर्वे करवाया जाएगा। बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। कृषि मंत्री ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक 2900 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। सभी प्रभावितों को हरसंभव मदद की जाएगी। बाढ़ प्रभावितों की मदद करने वालों का 15 अगस्त को सम्मान किया जाएगा। किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

### भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का ट्वीट, कार्यकर्ता करें मदद

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी एक्स पर ट्वीट कर भाजपा कार्यकर्ताओं से संकट की घड़ी में मदद के लिए आगे आने को कहा है। खंडेलवाल ने ट्वीट कर कहा है कि मध्य प्रदेश में बीते दिनों से हो रही अतिवृष्टि के कारण कई स्थानों पर जलमग्न होने की जानकारी मिली है। संकट की इस घड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील भाजपा सरकार कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। भारी बारिश से पीड़ित नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के साथ ही उनकी हरसंभव सहायता के लिए स्थानीय प्रशासन मौके पर कार्यरत है। खंडेलवाल ने कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से अपील करता हैं कि वे भी अपने आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश में फंसे लोगों की मदद के लिए तत्काल जुटें।

# 56 करोड़ की सडक़ इसी बारिश में बही

**-अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस ने जर्जर सडक़ों का मुद्दा उठाया**

**-पहले कम से कम एक सीजन टिकती थी; अधिकारी दिखावे की कार्रवाई करते हैं**

भोपाल। मप्र विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सदन में अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि पहले सडक़ें बनती थीं तो कम से कम एक बारिश में कोई दिक्कत नहीं होती थी। अब 40 दिन में सडक़ें उखड़ रही हैं। जबलपुर की सडक़ों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 56 करोड़ की सडक़ इसी बारिश में बह गई। अधिकारी दिखावे की कार्रवाई करते हैं।

कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने पौधारोपण पर होने वाले खर्च पर भी सवाल उठाए। जबलपुर की सडक़ों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 56 करोड़ की सडक़ इसी बारिश में बह गई है। घनघोरिया ने जबलपुर के ज्ञान गंगा ग्रुप का जिक्र करते हुए कहा कि दिखावे के तौर पर कार्रवाई की जाती है। बड़े ग्रुपों पर कार्रवाई नहीं हुई है। अधिकारी अपनी मर्जी से सिर्फ छपास की बीमारी के कारण ऐसा कर रहे हैं।

### 40 दिन में 40 लाख की सडक़ उखड़ी

घनघोरिया ने कहा कि सरकार 4 लाख करोड़ से अधिक के कर्ज में है। इसके बाद भी अनुपूरक बजट लाया जा रहा है। बजट बार-बार आ रहा है और खर्च भी बढ़ रहा है। उन्होंने नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की ओर ध्यान आकृष्ट कर कहा कि 40 दिन में 40 लाख की सडक़ उखड़ गई है। पहले सडक़ें बनती थीं तो कम से कम एक बारिश में कोई दिक्कत नहीं होती थी। अब 40 दिन में सडक़ें उखड़ रही हैं। सिंघार ने नगरीय विकास विभाग में स्मार्ट के नाम पर किए जाने वाले गड़बड़झाले की ओर मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया।

### खर्च को लेकर अफसरों से चर्चा की जानी चाहिए

अनुपूरक बजट पर चर्चा करते हुए भाजपा विधायक अर्चना चिटनीस ने कहा कि साल भर में एक बार सभी संभागों के अफसरों को बुलाकर चर्चा की जानी चाहिए। इससे अनुपूरक बजट के साथ प्रदेश के बजट को लेकर खर्च की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। कांग्रेस विधायक राजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यशपाल सिंह सरकार की खूब पैरवी करते थे लेकिन मंत्री नहीं बन पाए अब विधायक अर्चना कर रही हैं, इस पर विधायक चिटनीस ने कहा कि वह विधायक बनकर खुश हैं, मंत्री नहीं बनना चाहती।

## वन बल प्रमुख होंगे विजय कुमार एन अम्बाडे

भोपाल। राज्य शासन ने विजय कुमार एन अम्बाडे भा.व.से. प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम भोपाल को एक अगस्त 2025 से राज्य वन बल प्रमुख के रूप में नियुक्ति के आदेश जारी किये हैं। वर्तमान वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव भा.व.से .31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

## प्रवेश के लिए अतिरिक्त सीएलसी चरण

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 के लिए महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अतिरिक्त सीएलसी चरण के लिए समय सारणी जारी की है। जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में और मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 31 जुलाई से 3 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे।

# एमडी ड्रग्स मामला, यासीन पर दर्ज हुई एक और एफआईआर

### पत्रकार के नाम पर विधानसभा पास के दुरुपयोग का आरोप

भोपाल। राजधानी भोपाल में बहुचर्चित एमडी ड्रग्स मामले में आरोपी यासीन अहमद के खिलाफ एक और गंभीर मामला दर्ज हुआ है। अरेरा हिल्स थाना पुलिस ने उसके खिलाफ एक नई एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर पत्रकार गौरव शर्मा की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसमें यासीन पर विधानसभा पास के दुरुपयोग और फर्जी दस्तावेज के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी यासीन को हिरासत में लेने के दौरान उसके पास मौजूद कार में विधानसभा का पास लगा हुआ पाया गया। यह पास पत्रकार गौरव शर्मा के नाम से जारी किया गया था। जब गौरव शर्मा को इस बात की जानकारी लगी तो उन्होंने तत्काल अरेरा हिल्स थाने में शिकायत दर्ज कराई।गौरव शर्मा ने पुलिस को बताया कि वे वर्ष 2024 में ही अपना विधानसभा पास रद्द करवा चुके हैं। उन्होंने विधानसभा सचिवालय को पास रद्द करने का आवेदन भी सौंपा था। इसके बावजूद यासीन के वाहन में वही पास पाया गया, जो स्पष्ट रूप से फर्जीवाड़ा की ओर इशारा करता है।पत्रकार गौरव शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि यासीन ने कूटरचित (फर्ज़ी) तरीके से उनका नाम और विवरण इस्तेमाल करते हुए विधानसभा पास तैयार करवाया और उसे अपनी गाड़ी में लगाया। इससे यह साफ होता है कि आरोपी न सिर्फ मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था, बल्कि सरकारी दस्तावेजों के दुरुपयोग का भी अपराध कर रहा था।मामले में विधानसभा सचिवालय ने भी गौरव शर्मा को पत्र भेजकर पास से संबंधित जानकारी मांगी थी, जिससे यह पुष्टि हो सके कि पास वैध था या नहीं।फिलहाल पुलिस ने आरोपी यासीन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

# मुख्यमंत्री कार्यालय में तोकतवर हुए मंडलोई

## सीएमओ में अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

भोपाल। मप्र में मुख्यमंत्री कार्यालय में काम करने वाले अधिकारियों की नई टीम बन गई है। सीएमओ में वर्तमान में जो अधिकारी पदस्थ हैं उनमें दायित्वों का नए सिरे से आवंटन किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ज्यादा ताकतवर बनकर उभरे हैं। अब वे हर बड़े काम के लिए सीएमओ में सिंगल विंडो अफसर की हैसियत में रहेंगे। दरअसल सीएमओ में अधिकारी वर्गों को अलग-अलग विभाग समूह जैसे ए, बी, सी, डी में बांटते हुए, उनकी स्पष्ट भूमिकाएं तय कर दी गई हैं। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई मुख्यमंत्री कार्यालय का समन्वय संभालेंगे। गौरतलब है कि उन्हें अपर मुख्य सचिव की जगह पदस्थ किया गया है। अब उन पर मुख्यमंत्री कार्यालय की जिम्मेदारी है।

सरकार के मुताबिक, अलग-अलग अधिकारियों को विभागवार जिम्मेदारी सौंपने का मकसद शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही, और गति बढ़ाना है। इससे प्रदेश के छोटे-बड़े मसलों का निपटारा त्वरित होगा। नए कार्य विभाजन में टेक्नोलॉजी और फील्ड वर्कर्स तक की निगरानी तक भी अलग से प्रभारी अधिकारी हैं, जिससे योजनाओं या घोषणाओं की जमीनी हकीकत लगातार अधिकारियों की नजर में रहेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों के बीच कार्य आवंटन विभाग और कामों के हिसाब से अलग-अलग चार प्रभार के विभाग समूहों में किया गया है।

### अधिकारियों को मिली यह जिम्मेदारी

प्रभार के विभाग समूह ए के काम अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई तीन अन्य अधिकारियों के सहयोग से देखेंगे। उन्हें सम्पूर्ण मुख्यमंत्री कार्यालय का समन्वय, सिंहस्थ 2028, नीतिगत विषय एवं मुख्यमंत्री द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी उन्हें सौंपे गए हैं। प्रभार के विभाग समूह बी के कामों को सचिव, आलोक कुमार सिंह देखेंगे। इसके अंतर्गत स्थानांतरण प्रस्ताव (गृह-जीएडी छोडक़र) की नस्तियों का निराकरण, कार्यालय की स्थापना एवं आंतरिक व्यवस्था, सांसदों विधायकों के संदर्भों एवं प्रकरणों में समन्वय व निगरानी सहित अन्य काम देखेंगे। प्रभार के विभाग समूह सी का काम सचिव, मुख्यमंत्री डॉ. इलैया राजा टी देखेंगे। वे दिल्ली से संबंधित सभी पत्राचार, भ्रमण कार्यक्रम, बैठकें, भेंट, संदर्भों के लिए आवश्यक समन्वय, फॉलोअप, भारत सरकार से समक्ष लंबित विषयों की तैयारियां, प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और कार्यों/निर्णयों से जुड़े काम देखेंगे। प्रभार के विभाग समूह डी के कामों को अपर सचिव चन्द्रशेखर वालिम्बे देखेंगे। उन्हें मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रमों का निर्धारण, तैयारियां, संशोधन, सूचना, प्रसारण का सूमन्वय के अलावा स्वेच्छानुदेन/मुख्यमंत्री सहायता कोष व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सौंपे गए काम दिए गए हैं। चारों प्रभार के समूहों में शामिल विभागों में अलग-अलग कई कामों का विभाजन कर अलग-अलग अधिकारियों को काम सौंपे गए हैं।

### इन अधिकारियों को भी मिली जिम्मेदारी

अन्य जिन अधिकारियों को भी मिली सीएमओ में जिम्मेदारी मिली है। उनमें अपर सचिव (पदेन) मुख्यमंत्री- चन्द्रमौली शुक्ला, अरुण परमार, अरविंद दुबे और लक्ष्मण सिंह मरकाम, और लक्ष्मण सिंह मरकाम, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी-महेश चौधरी, राजेश कुमार हिंगणकर, विकास मिश्रा और आशीष खरे, उप सचिव-संदीप केरकेट्टा, मनीष पाण्डेय, आदित्य कुमार शर्मा, अवर सचिव - संदीप अष्ठाना, आशीष पाण्डेय, श्रीमती श्रीलेखा श्रोत्रिय, आशुतोष गोस्वामी, केवल राम धुर्वे, आलोक सोनी को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मुख्यमंत्री निवास पर 6 अधिकारी काम देखेंगे। उनमें गोपाल डाड, ओएसडी - मुख्यमंत्री द्वारा सौंपे काम, अशीष गुप्ता, ओएसडी-सांसदों-विधायाकों, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामले, ऋषि पवार, उप सचिव-निवास प्रभारी अधिकारी, व अन्य, योगन्द्र सिंह मौर्य, ओएसडी-निवास पर प्राप्त आवेदनों, सीएम हेल्पलाइन, सिटीजन फीडबैक सहित अन्य, लोकेश चौहान, ओएसडी सोशल मीडिया, निवास कार्यालय जनंसपर्क संबंधी समन्वय सहित अन्य, श्यामू श्रीवास्तव, ओएसडी - सीएम डेशबोर्ड, सीमए हेल्पलाइन, सिटीजन फीडबैक समन्वय, मुलाकात प्रभारी।

# पिछोर को कब तक जिला बनाएंगे

## भाजपा विधायक प्रीतम लोधी ने सरकार से पूछा

भोपाल। भाजपा विधायक प्रीतम लोधी ने राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर पिछोर को जिला बनाए जाने का मामला उठाया। उन्होंने पूछा कि पिछोर को कब तक जिला बनाया जाएगा। इसके जवाब में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सामने यह प्रकरण विचाराधीन है। प्रीतम लोधी ने कहा कि उनके क्षेत्र में 20 साल से कांग्रेस का विधायक रहा है, जिनके सरकारी जमीनों पर कब्जे हैं। इसके लिए कलेक्टर को पत्र लिखा है कि सरकारी जमीन से कब्जा हटाया जाए। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि 20 साल से भाजपा की सरकार है तो कब्जे क्यों नहीं हटाए। सरकार ही लोगों को पट्टे नहीं दे रही है। इस पर मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि जितने पट्टे भाजपा सरकार ने बांटे इतने किसी ने नहीं बांटे।

### नक्शा विहीन राजस्व ग्रामों का मुद्दा उठाया

भाजपा विधायक विक्रम सिंह ने सतना जिले के नक्शा विहीन राजस्व ग्राम का मामला उठाया। इसमें जवाब मिला कि 214 गांव अभी नक्शा विहीन हैं। 126 गांव को डिजिटाइज्ड किया गया है और 118 के ऊपर भी कार्रवाई हो रही है। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि जल्द से जल्द इसका निराकरण करेंगे। विधायक विक्रम सिंह ने कहा कि यह पेंडेंसी लंबे समय से है, मंत्री जी इसकी समय सीमा तय करते हैं तो जनता को

आश्वस्त किया जा सकेगा। इस पर मंत्री वर्मा ने कहा कि ड्रोन सर्वे करने में समय लगता है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 6 साल का समय कम है क्या? मंत्री ने इस पर कहा कि सत्यापन के बाद ही इस पर अंतिम निर्णय हो पाएगा। इसी बीच विधायक ओपी सकलेचा ने भी कहा कि यह जानबूझकर लटकाया जाता है। कर्मचारी-अधिकारी अपनी स्वेच्छा के हिसाब से इसे पेंडिंग रखते हैं। इसलिए इस मामले में समस्या है और कोई न कोई निराकरण करना चाहिए, समय सीमा तय करनी चाहिए। मंत्री ने इस पर समय सीमा बता पाने में असहमति जताई। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने हस्तक्षेप करते हुए कहा इस मामले में जल्दी कार्रवाई करेंगे।

### नहरों के रखरखाव और जीर्णोद्धार का मुद्दा उठाया

कांग्रेस विधायक सुरेश राजे ने हरसी बांध खेसारी बांध और हरसी जल संसाधन क्षेत्र में नहरों के रखरखाव और जीर्णोद्धार का मामला उठाया। इसके जवाब में जल संसाधन मंत्री से तुलसी सिलावट ने कहा कि ग्वालियर जिले में 28 करोड़ के 12 कामों में से सात काम पूरे हो गए हैं। पांच काम बचे हैं, इन्हें जल्दी पूरा कर दिया जाएगा।

# 386 लोगों के बंगाल-बिहार-असम से जुड़े तार

भोपाल। मप्र में अवैध रूप से रह रहे संदिग्ध नागरिकता वालों पर शिकंजा कसता जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई छानबीन में 386 ऐसे लोगों की पहचान हुई है जो बिना प्रमाणिक दस्तावेजों के प्रदेश में रह रहे हैं। इनमें अधिकांश बांग्लादेशी घुसपैठिए होने की आशंका जताई जा रही है। अब इनकी जांच के लिए एमपी से छह टीमें पश्चिम बंगाल, बिहार और असम रवाना की गई हैं।

प्रदेश के छह प्रमुख जिलों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, कटनी और शाजापुर से इन संदिग्ध नागरिकों की पहचान की गई है। इंदौर में 99 संदिग्ध, ग्वालियर में 94 संदिग्ध, भोपाल में 83 संदिग्ध, जबलपुर में 56 संदिग्ध, शाजापुर में 35 संदिग्ध और कटनी में 19 संदिग्ध मिले हैं। इन सभी ने दावा किया है कि वे बंगाल, बिहार या असम से यहां आकर बसे हैं।

### टीमें करेंगी दस्तावेजों की पड़ताल

इन लोगों के पास जो दस्तावेज मौजूद हैं, उन्हें सत्यापित करने के लिए तीन राज्यों के 27 जिलों में टीमें भेजी गई हैं। ये टीमें स्थानीय प्रशासन और पुलिस के साथ समन्वय में काम करेंगी और पता लगाएंगी कि दस्तावेज असली हैं या फर्जी। यदि इन दस्तावेजों का मिलान नहीं होता, तो उन्हें अवैध प्रवासी मानते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह पूरी जांच प्रक्रिया केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के बाद शुरू की गई है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पहले ही कई राज्यों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को गिरफ्तार कर वापस भेजा जा चुका है। इसी कड़ी में अब मध्य प्रदेश में भी इस तरह की कड़ी कार्रवाई हो रही है। जांच में सामने आया है कि इन संदिग्ध नागरिकों में अधिकांश मुस्लिम समुदाय से हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश के अलग-अलग जिलों में छोटे-मोटे कामों में रोजगार प्राप्त कर लिया है और वर्षों से यहां रह रहे हैं।

# आदिवासियों पर अत्याचार का आरोप, वन अधिकार के पट्टे देने की मांग

## गिरगिट, भैंस के आगे बीन अब शरीर पर पत्ते लपेटकर पहुंचे कांग्रेस विधायक

भोपाल। विधानसभा के मानसून सत्र का बुधवार को तीसरा दिन है। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस के विधायकों ने पेसा कानून को सही तरीके से लागू न किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। कांग्रेसी विधायक सत्र के तीसरे दिन शरीर पर पत्ते लपेटकर पहुंचे। कांग्रेस ने आदिवासियों पर अत्याचार का आरोप लगाया और विधानसभा में गांधी जी की प्रतिमा के पास बैठकर प्रदर्शन किया। विपक्ष ने कहा कि जंगलों से आदिवासियों को बेदखल किया जा रहा है। वन अधिकार के पट्टे देने की मांग की है। सरकार पर आदिवासियों को वन क्षेत्र से बेदखल किए जाने का आरोप लगाया। इस पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा- मुझे लगता है कि जिन्होंने जीवन में कुछ नहीं किया उन्हें मूल्यांकन का भी अधिकार नहीं है। पेसा के मामले में जिस ढंग से काम हुआ है वह बेहतरीन है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि 20 साल से आपकी सरकार है। सरकार जेसीबी चला रही हैं, आदिवासियों को पट्टे नहीं

दिए जा रहे हैं, इस पर सरकार को विचार करना चाहिए। मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि आज तक किसी भी सरकार ने इतने पट्टे नहीं दिए जितने बीजेपी की सरकार ने दिए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मैं आपको जवाब दे दूंगा, सरकार ने कितने आदिवासियों को पट्टे से हटाया है झूठी बात की जा रही है।

### हमने पेसा के मामले में बेहतरीन काम किया

कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा- मुझे लगता है कि जिन्होंने जीवन में कुछ नहीं किया उन्हें मूल्यांकन का भी अधिकार नहीं है। पेसा के मामले में जिस ढंग से काम हुआ है वह बेहतरीन है।

### कांग्रेस पाखंड करती है

कांग्रेस के प्रदर्शन पर सागर के बीजेपी विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा- हमारी सरकार आदिवासी हितों के लिए काम करने वाली है। आदिवासियों के लिए हमने कई योजनाएं बनाई हैं, जबकि कांग्रेस पाखंड करती है।

### सदन में 4 विधेयक पेश किए गए

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की अनुमति के बाद आज 4 विधेयक सदन में पेश किए गए। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2025 पेश किया। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने तीन विधेयक पेश किए। पहला भारतीय स्टांप मध्य प्रदेश संशोधन विधेयक 2025, दूसरा रजिस्ट्रीकरण मध्य प्रदेश संशोधन विधेयक 2025 और तीसरा भारतीय स्टांप मध्य प्रदेश द्वितीय संशोधन विधेयक 2025 किया।

## वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते जसप्रीत बुमराह को दिया गया आराम

# ओवल में सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

ओवल,एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम ओल्ड ट्रैफर्ड में सीरीज जीतने से चूक गई। उस मैदान पर भारतीय क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच को ड्रॉ करा लिया। फिलहाल भारत इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। टीम की कोशिश होगी कि ओवल में फिर से इंग्लैंड को शिकस्त देकर सीरीज 2-2 से बराबर की जाए। निर्णायक टेस्ट से पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते ओवल टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। इससे पहले ऋषभ पंत पहले ही चोट के कारण इस मुकाबले से बाहर हो चुके है, लेकिन चार साल पहले इसी मैदान पर दर्ज जीत की यादें भारत का आत्मविश्वास बढ़ा सकती हैं। लंदन के केनिंगटन ओवल में खेला जाने वाला यह टेस्ट मैच भारतीय टीम के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है, क्योंकि ओवल के मैदान पर भारतीय टीम का रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। भारत ने यहां अपना पहला मुकाबला 89 साल पहले 1936 में खेला था। तब से लेकर अबतक टीम ने इस मैदान पर 15 मुकाबले खेले हैं, इनमें से 14 मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेले

गए हैं और एक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला है। जो कि 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (हळठ) का फाइनल था। भारत को ओवल में मात्र दो में उन्हें जीत हासिल हुई है। वहीं छह मुकाबले हारे हैं और सात ड्रा रहे हैं। भारत इस इस मैदान पर विनिंग प्रतिशत 13.33 का है। वहीं 46.66 प्रतिशत मुकाबले ड्रा रहे हैं।

### बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को आराम देने की सिफारिश की

बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा कि जसप्रीत बुमराह फिट और उपलब्ध हैं, लेकिन वह पांचवें टेस्ट में नहीं खेलेंगे। टीम मैनेजमेंट को साफ संदेश मिल चुका है कि बुमराह को आखिरी मैच के लिए रेस्ट दिया जाए। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को आराम देने की सिफारिश की है। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम का मानना है कि बुमराह की फिटनेस को दीर्घकालिक रूप से बनाए रखने के लिए उनका वर्कलोड संभालना जरूरी है। यह फैसला उनकी पीठ की सुरक्षा और लंबी अवधि के फिटनेस को ध्यान में रखकर लिया गया है। सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया ने स्पष्ट किया था कि बुमराह सिर्फ तीन टेस्ट मैचों के लिए ही उपलब्ध रहेंगे और वे तीन मैच खेल चुके हैं। बुमराह की गैरहाजिरी में अब यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम उनकी जगह किसे खिलाती है। चौथे टेस्ट से बाहर रहे आकाश दीप की वापसी संभव मानी जा रही है। चोट से उबर चुके आकाश दीप ओवल टेस्ट के लिए फिट बताए जा रहे हैं। वहीं

### आखिरी बार WTC फाइनल में मिली थी हार

भारत ने आखिरी बार केनिंग्टन ओवल में जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ WTC फाइनल खेला था। इस मुकाबले में उसे 209 रनों से हार मिली थी। लेकिन इससे पहले सितंबर 2021 में भारत ने इंग्लैंड का सामना किया था। उस समय विराट कोहली टीम के कप्तान थे। भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। पहली पारी में टीम 127 रन पर 7 विकेट खोकर मुश्किल में थी। हालांकि कोहली ने अर्धशतक लगाया था।

### 3 बार पारी के अंतर से हारा भारत

भारत को इस मैदान पर 1936, 1959, 2011, 2014, 2018, और 2023 में हार का सामना करना पड़ा है। इनमें से तीन बार 1959, 2011 और 2014 में उसे पारी से हार का सामना करना पड़ा है। वहीं 1946, 1952, 1979, 1982, 1990, 2002, और 2007 में मुकाबले ड्रा रहे हैं।

### विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने अंतिम बार 2021 में जीता था मैच

टीम इंडिया ने यहां आखिरी बार 2021 में जीत दर्ज की थी। तब विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 157 रनों के बड़े अंतर से हराया था। इस मुकाबले की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 127 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा भारत ने 1971 में अजित वाडेकर की कप्तानी में इस मैदान पर जीत हासिल की थी।

## ओवल में बुमराह नहीं खेलते तो कुलदीप को शामिल करें- मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अगर गुरुवार से यहां शुरु हो रहे अंतिम टेस्ट मैच में आराम दिया जाता है तो कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल किया जाना चाहिये। मांजरेकर के अनुसार बुमराह के नहीं खेलने की स्थिति में भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की जरुरत रहेगी जो सभी 20 विकेट ले सके। मांजरेकर ने कहा, भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत है जो जीत के लिए सभी 20 विकेट ले सके। अगर बुमराह नहीं खेलते हैं और इसके बाद भी कुलदीप को जगह नहीं मिलती तो ये उनके साथ अन्याय होगा। जहां तक बल्लेबाजी की बात है तो अभी सभी बल्लेबाज लय में हैं। इसलिए केवल बल्लेबाजी के आधार पर जडेजा को रोकना ठीक नहीं होगा। मांजरेकर ने यह भी कहा कि इस सीरीज में अब तक भारत की रणनीति विफल रही है। ऐसे में जरूरी है कि टीम के सीनियर खिलाड़ी मिलकर भारतीय टीम की रणनीति पर नए सिरे से विचार करें।

मांजरेकर ने कहा, भारतीय टीम भले ही मैनचेस्टर टेस्ट बचाने में सफल रही हो पर इससे ये साबित नहीं होता कि हमारी रणनीति सही है। मैं समझता हूं भारतीय टीम जिस तरह से इंग्लैंड के खिलाफ खेल रही है उससे साफ है कि ये रणनीति भारत के काम नहीं आई है। इसलिए मेरा मानना है कि शुभमन गिल और दो तीन अन्य सीनियर खिलाड़ियों को मिलकर एक समूह के रूप में टीम की रणनीति तैयार करनी चाहिए क्योंकि भारत को एक ऐसे गेंदबाजी आक्रमण की ज़रूरत है जो 20 विकेट ले सके।

मैनचेस्टर टेस्ट में जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर दोनों की नाबाद शतकीय पारियों से भारतीय टीम इस मैच में हार टालने में सफल रही है। मांजरेकर ने जडेजा की तारीफ करने के साथ ही यह भी कहा कि आगे चलकर सुंदर अपने को एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर स्थापित कर लेंगे। मांजरेकर ने कहा, सुंदर ने पहले भी अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता का प्रदर्शन किया था, विदेशी हालातों में हम तीन चार बार उन्हें अच्छा प्रदर्शन करते हुए देख चुके थे पर इस बार लगता है कि जिस तरह से उनकी बल्लेबाजी में लगातार प्रगति हो रही है तो धीरे-धीरे हम उन्हें एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर देख सकेंगे।

गौरतलब है कि जडेजा ने पिछली छह पारियों में पांच बार 50 के स्कोर किया है। सर गारफील्ड सोबर्स एकमात्र ऐसे बल्लेबाज थे जिन्होंने इंग्लैंड में नंबर छह या उसके नीचे खेलते हुए पांच बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है। जडेजा ने अब तक इस सीरीज में कुल आठ पारियों में 113.50 की औसत से 454 रन बनाए हैं।मांजरेकर ने कहा, बतौर बल्लेबाज जडेजा के मजबूत मानसिक स्तर की भी प्रशंसा करनी होगी। जिस तरह से वह मैच दर मैच बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उससे वह राहुल द्रविड़ जैसे नजर आते हैं। जो अकेले संघर्ष करते थे।

## सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं - आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, ऋवॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा कहा, मुझे अब भी लगता है कि वॉशिंगटन सुंदर की भूमिका ठीक से साफ नहीं हो पा रही है, क्योंकि वह बहुत देर से गेंदबाजी के लिए आते हैं और बहुत कम गेंदबाजी करते हैं। गेंदबाज के तौर पर उन्होंने दो भी विकेट लिए हैं। वह एक अच्छे बल्लेबाज नजर आते हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके पास आर अश्विन जैसा गेंदबाजी कौशल है।

## जडेजा में विदेशी धरती पर जीत दिलाने की क्षमता नहीं - सिद्धू

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाज की है पर इसके बाद भी वह विदेशी धरती पर टीम को जीत दिलाने में सक्षम नजर नहीं आते है। सिद्धू ने विदेशी हालातों में मैच विजेता नहीं होने को जडेजा की कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार ऑलराउंडर की ये अक्षमता पहले ही टेस्ट से नजर आ गयी थी। सिद्धू ने कहा, 'मैंने भी जडेजा की बहुत तारीफ की है पर वह महान ऑलराउंडर कपिल देव जैसे नहीं हैं। कपिल ने विदेश में भारतीय टीम को बहुत सारे टेस्ट जिताए। वहीं जडेजा ने विदेश में सहयोगी भूमिका में ही अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने ओवरों को जल्दी करता है पर वह टेस्ट मैचों को जिताने में सक्षम नहीं है।' मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में जडेजा ने नाबाद 107 रन बनाए थे। उन्होंने मैच के अंतिम दिन वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के जीत के सपने तोड़ दिये। जडेजा और सुंदर ने अपनी यादगार पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने अंतिम दिन असमान उछाल भरी पिच पर इंग्लैंड के गेंदबाजों का पूरी ताकत से मुकाबला किया।

इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी कर अंत तक पारी संभाली थी। उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे पर इसके बाद भी भारतीय टीम 22 रन से हार गयी। उस मैच के बाद जडेजा की रणनीति और उनके प्रदर्शन को लेकर बहस भी तेज हुई थी। ज्यादातर ने साहसिक रवैये की तारीफ की पर वह विशेषज्ञों का कुछ ने उनकी आलोचना की थी। तब रवि शास्त्री ने कहा था कि अगर अपनी बल्लेबाजी पर जडेजा को बेन स्टोक्स की तरह 40 फीसदी भी भरोसा होता तो वह टीम को जीत दिला देते।

## जब विराट को हटाकर पार्थिव को कप्तान बनाने जा रही थी आरसीबी - मोइन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोइन अली ने कहा है कि आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) साल 2019 में कप्तानी में बदलाव करने जा रही थी। मोइन के अनुसार तब आरसीबी विराट कोहली को कप्तानी से हटाकर उनकी जगह पर विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल को ये जिम्मेदारी सौंपना चाहती थी। मोइन ने इसमें सफल न होने का भी कारण बताया है। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार आरसीबी 2019 के सत्र में 14 मैचों में से केवल पांच मैच ही जीत पाई थी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। पार्थिव ने हालांकि 26.64 की औसत और 139.18 के स्ट्राइक-रेट से कुल 373 रन बनाए थे और वह साल 2020 में भी आरसीबी में शामिल थे पर , आरोन फिंच और देवदत्त पडिक्कल के पारी शुरु करने से उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। एबी डिविलियर्स को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दे दी। इसके बाद पार्थिव ने उसी साल दिसंबर में संन्यास ले लिया और फिर कभी आईपीएल नहीं खेला।

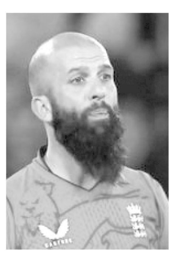

मोइन ने कहा, हां, मुझे लगता है कि वो कप्तानी की कतार में थे। आखिरी साल में, जब गैरी कर्स्टन थे, मुझे लगता है पहले साल के बाद पार्थिव कप्तान बनने की कतार में थे। उनके पास एक जबरदस्त क्रिकेटिंग दिमाग था। उस समय यही चर्चा थी। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ या बात क्यों नहीं बनी, पर मुझे भरोसा है कि इस भूमिका के लिए उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया गया था। विराट ने लगातार खराब सत्र के बाद साल 2021 में आरसीबी की कप्तानी छोड़ दी थी। वहीं इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस ने अगले तीन साल तक कप्तान रहे थे पर साल 2025 में उनको टीम में बरकरार नहीं रखा गया। वहीं साल 2025 में रजत पाटीदार टीम के कप्तान बने और टीम विजेता बन गयी।

## डब्लयूसीएल सेमीफाइनल में फिर पाकिस्तान चैम्पियंस का बहिष्कार करेगी इंडिया चैम्पियंस ?

लीड्स । युवराज सिंह की कप्तानी में इंडिया चैम्पियंस ने वेस्टइंडीज चैम्पियंस को हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब इसमें इंडिया चैम्पियंस के सामने एक बार फिर पाकिस्तान चैम्पियंस टीम है। इस मुकाबले के होने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में पाक चैम्पियंस की टीम बिना खेले ही फाइनल में पहुंच सकती है। इंडिया चैम्पियंस ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जिस प्रकार से लीग स्तर पर पाक का बहिष्यकार किया था। वैसा ही बहिष्कर सेमीफाइनल में भी उसके करने की पूरी संभावना है। लीग स्तर पर पाक के खिलाफ खेलने से शिखर धवन, हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित कई खिलाड़ियों ने इंकार कर दिया था। उसके बाद ये मैच रद्द हो गया था। अपने अंतिम मैच में वेस्टइंडीज चैम्पियंस के खिलाफ इंडिया चैम्पियंस को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए 14.1 ओवर में 145 रनों का लक्ष्य मिला था जिससे

इंडिया चैम्पियंस ने 13.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। इंडिया चैम्पियंस की ओर से स्टुअर्ट बिन्नी ने अर्धशतक लगाया और 21 गेंद पर नाबाद 50 रन बना दिये। उन्होंने इस दौरान 3 चौके और 4 छक्के लगाये। वहीं यूसुफ पठान ने 7 गेंद पर 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 21 रन बनाए। वेस्टइंडीज चैम्पियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कीरोन पोलार्ड की आक्रामक पारी की सहायता से 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन बनाए। भारत और पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी सेमीफाइनल में पहुंची हैं। अंकतालिका में पाकिस्तान अभी नंबर एक पर जबकि दक्षिण अफ्रीकी टीम दूसरे नंबर पर है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और इंडिया चैम्पियंस टीम है।

## डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल से हटा मुख्य प्रायोजक

नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) क्रिकेट में गुरुवार को इंडिया चैम्पियंस और पाकिस्तान चैम्पियंस के बीच होने वाले सेमीफाइनल मैच से ठीक पहले इसके सबसे बड़े प्रायोजक इजीमायट्रिप ने अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में अब इस मैच के आयोजन पर संशय बढ़ गया है। इस प्रायोजक का कहना है कि देश पहले और कारोबार बाद में आता है, इसलिए वह इस टूर्नामेंट से अलग हो गया है। इजीमायट्रिप का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ जुड़े किसी भी मैच में शामिल नहीं होती है।

कंपनी के प्रमोटर ने सोशल मीडिया पर लिखा, हम टीम इंडिया चैम्पियंस की डब्ल्यूसीएलमें शानदार प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं। आपने देश को गौरवान्वित किया है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है पर आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते, इसलिए हम इस मैच से अलग हुए हैं। हम भारत के साथ खड़े हैं। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंध सामान्य करने की कोशिश करता हो।उन्होंने आगे लिखा, भारत के लोगों ने अपनी बात रखी है और हम उनकी बात सुन रहे हैं। इजीमायट्रिप, डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच से नहीं जुड़ेगा। कुछ चीजें खेल से बड़ी होती हैं। देश पहले, बिजनेस बाद में। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ियों के बहिष्कार के बाद भारत-पाक की टीमों के बीच लीग चरण का मुकाबला आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया गया था। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया, हालांकि इजीमायट्रिप ने डब्ल्यूसीएल के साथ 5 साल का प्रायोजन करार किया है, लेकिन हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है। हम पाक से जुड़े किसी भी डब्ल्यूसीएल मुकाबले में न तो हिस्सा लेंगे और न ही उससे जुड़ा रहेंगे। हम गर्व के साथ इंडिया चैंपियंस टीम का समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन किसी भी ऐसे मैच का समर्थन या प्रचार नहीं करेंगे, जिसमें पाकिस्तान शामिल हो।

## टीएनसीए में स्पिनर चंद्रशेखर ने सभी 10 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई। यहां तमिलनाडु क्रिकेट लीग (टीएनसीए) के फर्स्ट डिवीजन मुकाबले में सी हॉक ?स टीम के बाएं हाथ के स्पिनर डीटी चंद्रशेखर ने एक नया रिकार्ड बना दिया। ग्लोब ट्रॉटर्स के खिलाफ हुए मुकाबले में चंद्रशेखर ने केवल 37 रनों पर ही सभी 10 विकेट लेकर अपनी टीम को शानदा जीत दिलाई।चंद्रशेखर ने 5 ओवरों में ये विकेट लेकर मैच अपने पक्ष में कर दिया। इससे इस स्पिनर का नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया। इससे पहले भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर एम वेंकटारमणा ने साल 1991-92 सत्र में इंडियन बैंक की ओर से सदर्न रेलवे के खिलाफ 96 रन देकर 10 विकेट लिए थे।

चंद्रशेखर ने अपने इस प्रदर्शन को लेकर कहा है कि छह-सात विकेट लेने के बाद उनको लगा कि वे 10 विकेट ले सकते हैं। मैच के बाद भावुक चंद्रशेखर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। किसी भी स्तर पर 10 विकेट लेना बड़ी बात होती है, इसलिए यह बहुत खास है।

## आईसीसी रैंकिंग में जडेजा और ऋषभ को हुआ लाभ

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के रविन्द्र जडेजा और ऋषभ पंत को फायदा हुआ है। वहीं यशस्वी जायस्वाल को नुकसान हुआ है। मैनचेस्ट में लगाये शतक से जडेजा को पांच स्थानों का लाभ हुआ है। वह अब बल्लेबाजी रैंकिंग में 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके खाते में अभी 620 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। वहीं ऑलराउंडरों की की सूची में वह नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। उनके कुल 422 अंक हैं और वह बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज से 117 अंक ऊपर हैं। गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 898 रेटिंग अंक लेकर नंबर-1 स्थान पर बने हुए हैं।

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को एक स्थान का लाभ मिला है। उनके 776 अंक हैं। वह अब सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने मैनटेस्टर टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक लगाया था। वहीं सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को तीन स्थान का नुकसान हुआ है। उनके 754 अंक हैं। यशस्वी ने चौथे मैच में अर्धशतक लगाया था पर दूसरी पारी में वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। शीर्ष-10 में तीन भारतीय बल्लेबाज हैं। इसमें कप्तान शुभमन गिल नौवें नंबर पर हैं। उन्होंने मैनचेस्टर में शतक लगाया था।

इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट 904 अंक के सा ही टेस्ट बल्लेबाजों में शीर्ष पर हैं। उन्होंने चौथे मुकाबले में 150 रन बनाये थे। इंग्लैंड के ही बेन डकेट 94 रन बनाने के बाद शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं। वह पांच स्थान की छलांग लगाकर 10वें पर आ गए। कप्तान बेन स्टोक्स आठ स्थान के लाभ के साथ ही सूची में 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीन स्थान ऊपर आकर तीसरे पर पहुंच गए हैं।

## ओवल में 54 रन बनाते ही रुट बनाएंगे रिकार्ड

लंदन । भारत और इंग्लैंड के बीच यहां एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इसमें इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के पास एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। रूट इस मैच में 54 रन बनाते ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूयटीसी) में 6000 रन बनाने वाले पहले क्रिकेटर बन जाएंगे। रूट अभी डब्लूयटीसी में में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक खेले गए 68 मैचों में 5946 रन बनाए हैं।

डब्लूयटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में अभी रुट के 68 मैच में 5946 रन हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के 55 मैच में 4278 व मार्नस लाबुशेन के 53 मैच में 4225 रन हैं। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स के 57 मैच में 3616 रन जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड के 52 मैचों में 3300 रन हैं।

रूट के अलावा आज तक किसी भी खिलाड़ी ने डब्लूयटीसी में 5000 रन नहीं बनाये हैं। रूट और दूसरे स्थान पर मौजूद बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के बीच 1668 रनों का अंतर है। रूट के पास इस मैच में इंग्लैंड में भारत के खिलाफ 2000 टेस्ट रन बनाने का भी अवसर है। रूट ने अभी तक इंग्लैंड में भारत के खिलाफ खेले गए 19 टेस्ट में 1977 रन बनाए हैं। उन्हें अपनी धरती पर 2000 टेस्ट रन पूरे करने के लिए 23 रन और बनाने हैं।

### जज वर्मा की याचिका पर सुनवाई के दौरान सिब्बल की दलील पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

# सीजेआई कोई पोस्ट ऑफिस नहीं, वह राष्ट्र के प्रति भी है जिम्मेदारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच के सामने सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने यशवंत वर्मा का पक्ष रखते हुए दलीलें दीं। सिब्बल ने कहा कि महाभियोग संसद की विशेष प्रक्रिया है और सीजेआई द्वारा इसकी सिफारिश करना असंवैधानिक है। सुनवाई पूरी होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सुनवाई के दौरान सिब्बल ने तर्क दिया कि इन-हाउस जांच केवल एक तथ्य-परख तंत्र है, जिसका कोई बाध्यकारी प्रभाव नहीं है। यह साक्ष्य अधिनियम के नियमों का पालन नहीं करता और न ही इसे न्यायाधीश को हटाने की कार्यवाही शुरू करने का आधार बनाया जा सकता है। सिब्बल ने साफ कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा इन-हाउस प्रक्रिया को प्रशासनिक उपाय के रूप में स्वीकार करते हैं और सीजेआई की प्रशासनिक शक्ति जैसे न्यायिक कार्य आवंटन रोकने को चुनौती नहीं दे रहे हैं उनकी आपत्ति इस प्रक्रिया के आधार पर महाभियोग शुरू करने पर है।

इस पर जस्टिस दत्ता ने सवाल उठाया कि सुप्रीम कोर्ट के तीन फैसलों ने इन-हाउस प्रक्रिया को मान्यता दी है, तो इसे क्यों शामिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने पूछा कि सीजेआई की सिफारिश केवल एक सुझाव है, तो इसमें क्या गलत है? सिब्बल ने जवाब दिया कि जब सिफारिश हटाने की हो तो यह संसद के विशेषाधिकार में हस्तक्षेप करती है। उन्होंने कहा कि जस्टिस वर्मा को उचित सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया और बिना ठोस सबूत जैसे- नकदी का स्रोत या मात्रा को देखे बिना निष्कर्ष निकाले गए। कपिल सिब्बल ने कहा कि किसी इन-हाउस जांच प्रक्रिया के आधार पर न्यायाधीश को हटाने की कार्यवाही शुरू करना एक खतरनाक मिसाल कायम करेगा, क्योंकि न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया केवल संविधान के तहत ही संभव है।

इस पर जस्टिस दीपांकर दत्ता ने सवाल किया कि इन-हाउस प्रक्रिया, जिसे तीन पुराने फैसलों में मान्यता दी गई है और जो जस्टिस कृष्ण अय्यर के सिद्धांतों पर आधारित है, क्या उसे पूरी तरह नजरअंदाज किया जा सकता है? और यदि कोर्ट सिब्बल की बात से सहमत हो, तो फिर वह क्या राहत दे सकती है? जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि सीजेआई कोई पोस्ट ऑफिस नहीं है। सीजेआई की राष्ट्र के प्रति भी जिम्मेदारी है। अगर सीजेआई के पास ऐसा मटेरियल उपलब्ध है, जिनके आधार पर उन्हें जज का कदाचार लगता है तो वह निश्चित तौर पर पीएम और राष्ट्रपति को सिफारिश भेज सकते हैं।

बता दें इस मामले की शुरुआत 14 मार्च 2025 को हुई, जब जस्टिस वर्मा के दिल्ली आवास पर आग लगने के दौरान दमकल कर्मियों ने कथित तौर पर जले हुए नोट बरामद हुए थे। इसके बाद तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने तीन सदस्यीय समिति गठित की, जिसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल थे। समिति ने 3 मई को अपनी रिपोर्ट दी, जिसमें वर्मा के खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष निकाले गए। सीजेआई ने इसे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजकर महाभियोग की सिफारिश की। सुनवाई के दौरान मामले को अगले सप्ताह तक टालने की मांग की, लेकिन जस्टिस दत्ता ने तुरंत सुनवाई शुरू करने का फैसला किया। कपिल सिब्बल ने बेंच को बताया कि उन्होंने संवैधानिक मुद्दों पर बिंदु तैयार किए हैं। कोर्ट ने सिब्बल से समिति की रिपोर्ट और एक पेज का नोट जमा करने को कहा, जिसमें मुख्य दलीलें हों।

## ब्रिटेन में भारतीय मूल के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री लॉर्ड मेघनाद देसाई का निधन

गुरुग्राम,(ईएमएस)। भारतीय मूल के विख्यात ब्रिटिश अर्थशास्त्री और हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य लॉर्ड मेघनाद देसाई का मंगलवार को 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। परिवार से जुड़े सूत्रों के अनुसार उन्होंने भारत के गुरुग्राम स्थित एक अस्पताल में अंतिम सांस ली।

लॉर्ड देसाई का शिक्षण और शोध का लंबा करियर रहा। उन्होंने 1965 से 2003 तक लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र पढ़ाया। वे 1971 में ब्रिटेन की लेबर पार्टी से जुड़े और वर्ष 1991 में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य नामित किए गए। गुजरात के वडोदरा में जन्मे मेघनाद देसाई भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत कूटनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों के पक्षधर रहे। उनके प्रयासों से लंदन के प्रतिष्ठित पार्लियामेंट स्क्वॉयर में महात्मा गांधी की प्रतिमा स्थापित की गई, जो दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों का प्रतीक मानी जाती है।

### अर्थशास्त्र और लेखन में योगदान

वे संयुक्त राष्ट्र के प्रसिद्ध मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के निर्माण में भी प्रमुख भूमिका निभा चुके हैं। देसाई ने करीब 30 किताबें लिखीं, जिनमें आर्थिक नीति, वैश्वीकरण, मार्क्सवाद और भारतीय राजनीति से जुड़े विषयों को विश्लेषणात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।

### सम्मान और शिक्षा

लॉर्ड मेघनाद देसाई को 2008 में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनका जन्म 10 जुलाई 1940 को वडोदरा, गुजरात में हुआ था। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में बीए और एमए किया। 1960 में उन्होंने पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी प्राप्त की। लॉर्ड देसाई को एक ऐसे वैश्विक अर्थशास्त्री और सार्वजनिक बुद्धिजीवी के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने न केवल अकादमिक जगत को समृद्ध किया, बल्कि भारत और ब्रिटेन के बीच सेतु की भूमिका भी निभाई।

## गुना में भीषण बारिश से हालात बेकाबू, बाढ़ में फंसे लोगों को एयरलिफ्ट किया जा रहा

गुना। मध्यप्रदेश के गुना में भीषण बारिश ने जनजीवन को अस्तव्यस्त हो गया है। चौबीस घंटों में 13 इंच बारिश होने के बाद हालात बेकाबू हो चुके है। नानाखेड़ी इलाके में जलभराव के कारण दो व्यक्तियों की मौत हो गई। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

गुना में जलस्तर बढ़ने के कारण घरों में बारिश का पानी घुस गया। वाहन सूखे पत्तों की तरह पानी तैरते दिखाई दिए। न्यू सिटी कॉलोनी, भगत सिंह कॉलोनी, गोविंद गार्डन इलाके में एक मंजिल तक घर डूब गए। घरों में फंसे लोगों को रेस्क्यू किया जा रहा है। गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने बताया कि स्थितियों को कंट्रोल में करने के लिए सेना और एनडीआरएफ की टीम का सहारा लिया जा रहा है। सुरक्षा के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री व गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी हालातों के मद्देनजर प्रशासन को निर्देश दिए हैं। सिंधिया ने बताया कि जहां स्थितियां खराब हैं लोग फंसे हुए हैं वहां रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने लिखा है, मेरे गुना संसदीय क्षेत्र के बदरवास, कोलारस व अन्य बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे नागरिकों को वायु सेना के हेलीकॉप्टर के माध्यम से एयरलिफ्ट किया जा रहा है। मैंने इस संबंध में रक्षा मंत्री राजनाथ, एयर वाइस मार्शल विक्रम गौड़ और एओसी मनीष शर्मा से चर्चा कर आवश्यक समन्वय किया गया है। मैं निरंतर जिला प्रशासन,एनडीआरएफ, भारतीय वायुसेना और राज्य सरकार के संपर्क में हूं।

## सियासी रस्साकशी और पावर गेम में न उलझें, छात्रों की चिंता करें

### सुप्रीम कोर्ट ने केरल के राज्यपाल और विजयन सरकार को दो टूक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के गवर्नर और पी विजयन सरकार से कहा कि दो शीर्ष नेतृत्व सियासी रस्साकशी और पावर गेम में न उलझें बल्कि छात्रों की चिंता को ध्यान में रखते हुए दो विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपति की नियुक्ति के लिए समाधान निकालें। कोर्ट ने आदेश में कहा है कि किसी भी सूरत में छात्रों को परेशानी न हो। एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और केरल डिजिटल विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कुलपतियों की नियुक्ति पर उपजे विवाद की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल से भी सहयोग की अपेक्षा करता है। कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल राज्य सरकार की सिफारिशों पर विचार करें और इसका समाधान निकालें।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ केरल के राज्यपाल द्वारा एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में दायर एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में राज्यपाल ने केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें राज्य सरकार की सिफारिश के बिना विश्वविद्यालय के अस्थायी कुलपति की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार और राज्यपाल, दोनों से एक-दूसरे के साथ सहयोग करने और जिद छोड़ने का आह्वान किया।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि यहां सवाल यह नहीं है कि कौन पक्ष अपने पॉलिटिकल पॉवर का इस्तेमाल करेगा बल्कि यह बच्चों के भविष्य का सवाल है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने साफ कहा कि जब तक नियमित कुलपतियों की नियुक्तियां पूरी नहीं हो जातीं, तब तक केरल के राज्यपाल अस्थायी कुलपतियों को उनके पदों पर बनाए रखने के लिए अधिसूचना जारी करने, या अस्थायी आधार पर किसी नए व्यक्ति को नियुक्त करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

कोर्ट ने आदेश में लिखा- हम अटॉर्नी जनरल के इस तर्क से प्रभावित हैं कि अब पहला कदम दोनों विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपतियों की नियुक्ति के लिए उठाना चाहिए। हालांकि इसमें कुछ समय लग सकता है। इस बीच कुलाधिपति किसी व्यक्ति की नियुक्ति या पहले से नियुक्त व्यक्ति को कुलपति का पदभार ग्रहण करने की अनुमति देने हेतु अधिसूचना जारी कर सकते हैं। हमें सूचित किया गया है कि नियमित कुलपति की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। हालांकि, खोज समिति के गठन को चुनौती दी गई है...और हाईकोर्ट द्वारा अंतरिम आदेश पारित किया जा चुका है। हम केवल यही अनुरोध कर रहे हैं कि राज्य सरकार दोनों विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में राज्यपा के साथ मिलकर व्यवस्था बनाए।

बता दें नवंबर 2024 में राज्य के तत्कालीन गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान ने डॉ के शिवप्रसाद और डॉ सीजा थॉमस को एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और केरल डिजिटल विज्ञान नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का अस्थायी कुलपति नियुक्त किया था। इस साल 19 मई को केरल हाईकोर्ट की एकल पीठ ने इन नियुक्तियों को रद्द कर दिया। 14 जुलाई को हाईकोर्ट की दूसरी बेंच ने भी एकल पीठ के फैसले को बरकरार रखा। इसके खिलाफ राजभवन सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था।

## नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी है जरूरी अभियान का हुआ समापन

किरनापुर (पद्मेश न्यूज)। नशा मुक्ति अभियान के तहत 15 से 30 जुलाई तक चलने वाले नशे से दूरी है जरूरी अभियान का आज समापन किया गया । मध्य प्रदेश के डीजीपी द्वारा उठाए गए एक क्रांतिकारी कदम था डोर टू तो डोर जाकर नशा मुक्त के बारे में जागरूकता फैलाना और उसके नकारात्मक प्रभाव से लोगों को अवगत कराना । पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा स्कूल कॉलेज में जाकर छात्रों से सीधा संवाद किया गया और नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया।नशा मानसिक शारीरिक आर्थिक और सामाजिक रूप से व्यक्ति और परिवार को बर्बाद कर देता है। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के समापन पर किरनापुर थाना प्रभारी अशोक कुमार ननामा द्वारा शपथ दिलाई गई मैं शपथ लेता हूं कि न केवल समुदाय परिवार बल्कि स्वयं को भी नशा मुक्ति कराऊंगा क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होना चाहिए इसलिए हम सब मिलकर अपने जिला बालाघाट मध्य प्रदेश को नशा मुक्त करने का दृढ़ निश्चय करें अपने जिला बालाघाट मध्य प्रदेश को नशा मुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करूंगा।

## तेलंगाना सरकार 14 मुस्लिम जातियों को देगी आरक्षण!

### यह जातियां सामाजिक, शैक्षणिक और पिछड़ेपन का कर रहीं सामना

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार 14 मुस्लिम जातियों को पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण देने की तैयारी कर रही है। इन जातियों में करीब तीन लाख परिवार शामिल हैं, जो लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। अब तक इन जातियों को बीसी (ई) श्रेणी के अंतर्गत 4 फीसदी आरक्षण दिया गया था, लेकिन कानूनी विवादों और धार्मिक आधार पर आरक्षण को लेकर उठे सवालों के चलते यह नीति प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पाई। सरकार का मानना है कि इन जातियों को धर्म नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर लाभ दिया जाना चाहिए।

सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक जाति सर्वे की रिपोर्ट फरवरी 2025 में सार्वजनिक हुई थी। इसमें सामने आया कि राज्य की कुल 12.58 फीसदी मुस्लिम आबादी में से 10.08 फीसदी पिछड़े हैं और सिर्फ 2.5 फीसदी मुस्लिक अन्य वर्ग में आते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि हैदराबाद के पुराने शहर में कई मुस्लिम महिलाओं ने गणनाकर्ताओं से बातचीत नहीं की, जिससे मुस्लिम आबादी में 1-2 फीसदी की संभावित कमी आंकी गई है।

सर्वे के आधार पर तेलंगाना विधानसभा ने मार्च में एक विधेयक पारित कर पिछड़ा वर्ग आरक्षण को 27 फीसदी से बढ़ाकर 42 फीसदी कर दिया है। यह वृद्धि शिक्षा, सरकारी नौकरियों और स्थानीय निकाय चुनावों में लागू होगी। यह विधेयक अब राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजा गया है। राज्य सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ नेता मोहम्मद अली शब्बीर के मुताबिक करीब तीन लाख शिया परिवार न सिर्फ आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हैं, बल्कि उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सर्वे के मुताबिक मुस्लिम समुदाय के 10.08 फीसदी लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं और सहायता के पात्र हैं।

उन्होंने बताया कि सैयद, मुगल, पठान, अरब, कोज्जा मेमन, आगा खानी और बोहरा जैसे मुस्लिम समूह पेशे पर आधारित जातियां हैं, जैसे अन्य पिछड़ी वर्ग की जातियां होती हैं। यह धर्म आधारित आरक्षण नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन पर आधारित प्रस्ताव है। बीजेपी द्वारा इस प्रस्ताव पर धर्म आधारित आरक्षण का आरोप लगाए जाने पर शब्बीर ने कहा कि जब भी मुस्लिम आरक्षण की बात होती है तो सरकारों से पूछा गया डेटा कहां है? अब हमारे पास सर्वे के जरिए से ठोस आंकड़े हैं। ज्यादातर गरीब मुस्लिम फल-सब्ज़ी विक्रेता, कबाड़ी, ड्राइवर जैसे काम करते हैं। उन्हें भी उतने ही अधिकार मिलने चाहिए जितने अन्य समुदायों को।

शब्बीर ने संकेत दिया कि सरकार अब विचार कर रही है कि इन 14 मुस्लिम जातियों को भी वही लाभ और योजनाएं दी जाएं जो एससी, एसटी और अन्य बीसी समुदायों को दी जा रही हैं। जैसे कि रोजगार में प्राथमिकता, छात्रवृत्ति, उद्यमिता सहायता और स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधित्व।

## जब सदन में चिल्लाने लगे इंजीनियर रशीद....डेढ़ लाख रुपये देकर आया हूं, मुझे बोलने दीजिए

### घाटी में सब सामान्य है, केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के बारामूला से निर्दलीय सांसद इंजीनियर रशीद को संसद के मॉनसून सत्र में शामिल होने की इजाजत मिली है। इसके बाद वे अचानक से भरी संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही चर्चा में बीच में खड़े होकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से बोलने का समय देने की मांग करने लगे। उन्होंने चिल्लाकर कहा कि वे डेढ़ लाख रुपये एक दिन का देकर वहां आए हैं और उन्हें बोलने दिया जाए। हालांकि, तब शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे बोल रहे थे, इसलिए रशीद को बोलने का मौका नहीं मिला, लेकिन बाद में उन्होंने संसद में अपनी बात रखी।

निर्दलीय सांसद रशीद ने कहा, एक दिन का डेढ़ लाख रुपये देकर आया हूं। मुझे बोलने दीजिए, मैं कश्मीरी हूं। इस पर स्पीकर बिरला ने रशीद को वापस बैठने के लिए कहा और फिर बाद रशीद को उनकी बात रखने का मौका दिया गया। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमला मानवता पर एक कलंक है। केंद्र सरकार का यह दावा कि घाटी में सब कुछ सामान्य है, केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित है।

रशीद ने मोदी सरकार से पूछा कि आतंकवाद के खिलाफ देश का संदेश दुनिया में देने के लिए विभिन्न देशों में भेजे गए सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में कश्मीर के कितने सदस्य थे। उन्होंने कहा, पहलगाम में जो भी हुआ, वह पूरी इंसानियत का कत्ल था। कश्मीर ने जितनी तबाही देखी है। लाशें उठाते उठाते थक गए हैं। हर लोग कहते हैं कि वे आतंकी कहा गए, एलजी साहब क्या कर रहे थे।

निर्दलीय सांसद ने कहा, आपको कश्मीर के लोग चाहिए या फिर उनकी जमीन चाहिए। इसका फैसला लेना होगा। हर कोई ट्रंप की बात कर रहा है। ट्रंप के पास कश्मीर मसले का हल नहीं है, बल्कि वहां के लोगों, हिंदुओं, मुस्लिमों के पास है। वहां के पास समुदाय के पास इस समस्या का हल है। यह एक पॉलिटिकल मुद्दा है। हिंदू राष्ट्र बनाने की बहुत जल्दी है, शौक से बनाओ, लेकिन जम्मू कश्मीर के डेमोग्राफी को टच मत करिए, कल्चर के साथ छेड़छाड़ मत करिए और उस जम्मू-कश्मीर ही रहने दीजिए।

## इंडिया अलायंस रक्षाबंधन के बाद निकालेगी बड़ी रैली, राहुल गांधी रहेंगे साथ- तेजस्वी यादव

पटना। रक्षाबंधन के बाद बिहार की सियासत में हलचल तेज होने वाली है। बुधवार को तेजस्वी यादव के आवास पर इंडिया अलायंस की ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक हुई। बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आगामी योजनाओं की जानकारी दी और राज्य की एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने कहा कि रक्षाबंधन के बाद महागठबंधन एक बड़ी रैली की शुरुआत करेगा, जिसमें वे खुद जनता के बीच जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह रैली बिहार के 9 प्रमंडलों में निकाली जाएगी। इस दौरान राष्ट्रीय स्तर के नेता भी साथ होंगे। उन्होंने कहा, हमारी राहुल गांधी से बात हो गई है, वे भी इस यात्रा में शामिल होंगे।

### राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा, नड्डा बोले-

## 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, यूपीए सरकार आतंकियों को मिठाई खिलाती रही

नई दिल्ली(ईएमएस)। संसद में मानसून सत्र के आठवें दिन राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार दूसरे दिन चर्चा हुई। भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, लेकिन यूपीए सरकार आतंकियों को मिठाई खिलाती रही। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हम पाकिस्तान का सच दुनिया के सामने लाए। खून-पानी एक साथ नहीं चलेगा। गृह मंत्री अमित शाह संसद में समापन भाषण दे सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में बहस मंगलवार को जबकि लोकसभा में शुरू हुई थी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, भाजपा अध्यक्ष

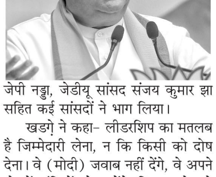

जेपी नड्डा, जेडीयू सांसद संजय कुमार झा सहित कई सांसदों ने भाग लिया।

खडगे ने कहा- लीडरशिप का मतलब है जिम्मेदारी लेना, न कि किसी को दोष देना। वे (मोदी) जवाब नहीं देंगे, वे अपने दोस्तों-मंत्रियों से कहेंगे कि जाओ जो कहना है कहो। 11 साल में कभी बहस में शामिल नहीं होते। एक व्यक्ति को इतना बढ़ावा मत दो, भगवान मत बनाओ। लोकतांत्रिक रूप से आया है, उसे इज्जत दो, पूजा मत करो।

### नड्डा बोले- पहलगाम पर हमले की पूरी क्रोनोलॉजी समझनी चाहिए

जेपी नड्डा ने कहा कि 2004-2014 का समय देखिए, उस वक्त की सरकार ने कई आतंकी घटनाओं पर कोई एक्शन नहीं लिया। यूपीए के गृहमंत्री कहते थे कश्मीर जाने में डर लगता था। 2005 में श्रमजीवी ब्लास्ट हुआ, कोई एक्शन नहीं हुआ। उस समय की सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। पहलगाम पर सवाल उठाने वाले पहले अपने गिरेबां में झांक कर देखें। जेपी नड्डा ने कहा कि यूपीए के गृहमंत्री कहते थे कश्मीर जाने में डर लगता था। आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकती। हमले होते रहे हम बिरयानी खिलाते रहे। वो आतंकी हमले करते हम डोजियर भेजते रहे। यूपीए सरकार के दौरान जगह-जगह बम धमाके होते थे। पहलगाम पर हमले की पूरी क्रोनोलॉजी समझनी चाहिए। विपक्ष पर अटैक करते हुए कहा कि हाफिज सईद को जी कहकर बुलाते थे। सिंधु जल संधि पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना पूरी तरह बंद नहीं कर देता। खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनूठा समझौता है।

### महिला सिविल जज ने इस्तीफा देकर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम सिस्टम पर उठा दिए सवाल

## जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप, उसे ही बना दिया हाईकोर्ट का जज

जबलपुर। शहडोल में पदस्थ एक महिला सिविल जज ने न्यायिक सेवा से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने इस्तीफे की वजह भी जाहिर की है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को भेजे पत्र में लिखा, जिस वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, उसी को हाईकोर्ट का जज बनाया गया।

बता दें, जिस पर आरोप लगे हैं, उसी अधिकारी की हाल ही में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में नियुक्ति को केंद्र सरकार ने मंजूरी दी। हालांकि, उन्होंने अभी शपथ ग्रहण नहीं की है। उन्होंने अपने इस्तीफे के फैसले को विरोध का प्रतीक बताकर कहा आपके रिकॉर्ड में याद रहना चाहिए कि मध्यप्रदेश में एक महिला जज थी, जो पूरी ईमानदारी से न्याय के लिए लड़ी, लेकिन उसी व्यवस्था ने उस महिला जज को तोड़ दिया जो सबसे ज्यादा न्याय की बातें करती है। दरअसल महिला जज ने साल 2023 में एक जज पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसके लिए महिला जज ने राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को पत्र लिखकर उनकी पदोन्नति रोकने की अपील की थी। साथ ही, दो अन्य महिला न्यायिक अधिकारियों ने भी उनके खिलाफ लिखित शिकायतें दी थीं। इसके बावजूद कोई जांच नहीं हुई और हाईकोर्ट ने आरोपित को जज बनाए रखने की सिफारिश कर दी, इस सिफारिश को केंद्र ने 28 जुलाई 2025 को मंजूरी दे दी। महिला जज ने 28 जुलाई को मंजूरी के कुछ घंटों बाद ही इस्तीफा दे दिया।

# ऑरम सिटी में एक ही रात में चार सूने मकान के टूटे ताले, लाखों की हुई चोरी

## चोरी की घटना से ऑरम सिटी में मचा हड़कंप, पुलिस जुटी जांच में

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज )। नवेगांव थाना अंतर्गत आने वाली ऑरम सिटी में चोरों ने सूने मकान को अपना निशाना बनाते हुए लाखों रुपए की चोरी की है। यहां वार्ड वासियों द्वारा बताया गया कि अज्ञात चोरों ने सिर्फ ऑरम सिटी के सूने मकान को ही अपना निशाना बनाया है। जबकि सिटी में रात्रि के समय दो गार्ड पहरा देते हैं। उसके बावजूद भी अज्ञात चोरों ने लगातार एक-एक कर सुने मकान के ताले तोड़ते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इन चारों मकान से सोने, चांदी और जेवरात को लेकर लाखों रुपए की चोरी की घटना हुई है। जबकि अभी मकान मालिक बाहर होने की वजह से यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि किस घरों से कितने रुपए और जेवरात पार किए गए हैं। फिर भी दूरभाष पर चर्चा के दौरान मकान मालिकों से हुई बातचीत अनुसार लाखों रुपए की यह चोरी अज्ञात चोरों द्वारा की गई है । सूचना मिलते ही ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल अपने बल के साथ आँरम सिटी में पहुंचे और अलग-अलग मकान में लगे सीसीटीवी कैमरा के आधार पर चोरी को लेकर जांच शुरू कर दी गई है। थाना प्रभारी का मानना है कि वह जल्द ही इस चोरी को खोल देंगे।**

आपको बता दे कि लगातार हो रही जिला मुख्यालय में चोरी से अब आमजन और वार्ड वासियों में दहशत पैदा होना शुरू हो गई है । बीते दिनों शहर के 33 वार्डों में हुई अलग-अलग चोरियों सहित वार्ड क्रमांक 25 में लगातार हो रही चोरियों के बाद फिर एक बार अज्ञात चोरों ने जिला मुख्यालय से लगी ऑरम सिटी में एक ही रात में चार घरों के ताले तोड़ते हुए लाखों रुपए की चोरी की है। इसके बाद अब लोगों में चोरी को लेकर दहशत होना शुरू हो गई है। ऐसा नहीं है कि पुलिस द्वारा लगातार हो रही चोरियों का खुलासा नहीं किया जा रहा है। पुलिस द्वारा एक ,दो चोरियों का खुलासा किया जाता है तो वहीं चोरों द्वारा भी शहर के अलग-अलग क्षेत्र में लाखों रुपए की चोरी कर ली जाती है। अभी महिंद्रम कॉलोनी में हुई 12 लाख की चोरी का खुलासा भी नहीं हुआ की चोरों ने ऑरम सिटी में लाखों रुपए की चोरी कर ली है। बुधवार को मुख्यालय से लगे ग्रामीण थाना क्षेत्र के ऑरम सिटी में अज्ञात चोरो ने चार सुने मकानों का अपना निशाना बनाया। जिससे यहां निवासरत लोगों में हड़कंप की स्थिति है। अज्ञात चोरो ने उन्हीं घरों को निशाना बनाया है, जहां घर में कोई नहीं था और घरो के सामने ताले लटके थे। जिस तरह से ऑरम सिटी के अलग-अलग गलियो में चोरो ने, चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है, उससे साफ है कि चोरो ने पहले रैकी की और फिर आराम से चोरियों की घटना को अंजाम दिया है। ऑरम सिटी में निवासरत सीईओ मनीष शेंडे, ठेकेदार देव गोयल, प्रापर्टी डिलर राजेश सोनेकर और व्यवसायी विष्णुदत्त मुक्ता के घर में चोरी की वारदात को अंजाम देकर, घर से सामानों की चोरी की है। हालांकि घर मालिकों के जिले से बाहर होने के कारण चोरी गए सामानों का आंकड़ा तो नहीं मिल सका है ।

### चार घरों से लाखों रुपए की चोरी हुई हैं - महेन्द्र सुरसाउत

ऑरम सिटी सोसायटी अध्यक्ष महेन्द्र सुरसाउत बताते हैं कि उन्हें कॉलोनी से वार्ड वासियों का फोन आया था कि कॉलोनी में अज्ञात चोरों द्वारा चार घरों के ताले तोड़े गए हैं। जिस पर उनके साथ सभी ने बारी बारी से मकान को देखा तो अज्ञात चोरों ने ताले तोड़कर चोरी की घटना की थी। उन्होंने बताया कि अभी बीते 15 दिनों से स्मार्ट सिटी में दो गार्ड लगाए गए हैं । किंतु सुरक्षा गार्ड होने के बावजूद भी चोरों ने पहले सूने मकान की रैकी करते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जिसमें चार घरों में लाखों रुपए तक की चोरी होना बताया है।

### मकान के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था - लेखा सोनेकर

लेखा सोनेकर बताती हैं कि वह 29 जुलाई की रात्रि अपने पड़ोसी के यहाँ सामने घर में सोने गई हुई थी। रात्रि 10 से 11:00 बजे उन्होंने अपने मकान को लॉक कर दिया था । जैसे ही सुबह 6:00 बजे उन्होंने घर में आकर देखा तो उनके मकान का दरवाजे का ताला टूटा हुआ था । अंदर पूरा सामान बिखरा पड़ा था । जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी है । हालांकि उन्होंने बताया कि उनके घर में कुछ अधिक चोरी की घटना नहीं हुई है । क्योंकि उन्होंने पैसे और जेवरात घर पर नहीं रखे थे।

### चोरी को लेकर जांच शुरू कर दी गई है - अमित अग्रवाल

घटना को लेकर ग्रामीण थाना प्रभारी अमित अग्रवाल द्वारा बताया गया कि उन्हें जैसे ही कॉलोनी से फोन आया वह अपने थाने के बल के साथ कॉलोनी में पहुंचे हैं । चोरी को लेकर जांच शुरू कर दी गई है। कॉलोनी के घरों में लगे अलग-अलग सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साथ ही पुलिस सूत्रों से जानकारी लेते हुए इस चोरी की वारदात को जल्द ही ट्रेस कर दिया जाएगा और कॉलोनी में रात्रि से ही पुलिस गश्त भी शुरू करवाई जाएगी।

# कीटनाशक के प्रभाव में आने से बेहोश युवक की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करते समय कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से बेहोश एक युवक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक युवक झाड़ू पिता लेख राम सराकोले 18 वर्ष ग्राम घुसीटोला थाना लामता निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झाड़ू सराडकोले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा उसके दो भाई और दो बहने हैं ।दो भाई और दो बहनों की शादी हो चुकी है। झाड़ू अपने परिवार में छोटा था। जिसकी शादी नहीं हुई थी ।29 जुलाई को सुबह झाड़ू अपने पिता लेखराम सराडकोले के साथ कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के लिए खेत गया था। झाड़ू खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव कर रहा था और उसका पिता लेखराम अन्य कार्य कर रहा था। 8:30 झाड़ू खेत में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करने के बाद लड़खड़ाते हुए घर आया। इसके मुंह से झांक निकल रही थी और उसने उल्टी भी किया था। जिससे कीटनाशक की दुर्गंध आ रही थी। पिता लेखराम द्वारा पूछने पर झाड़ू ने बताया कि खेत में कीटक दवाई का छिड़काव करते समय उसे चक्कर आ रहे थे। यह कहते हुए ही झाड़ू बेहोश हो गया ।जिसे तुरंत ही लामता के अस्पताल में ले गए ।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद झाड़ू को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था ।जिला अस्पताल में उपचार के दौरान शाम 6:30 बजे करीब झाड़ू की मौत हो गई ।जिला अस्पताल पुलिस ने रात्रि में झाड़ू का शव जिला अस्पताल के ही फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए। 30 जुलाई को जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे, आरक्षक विक्रम शर्मा ने मृतक झाड़ू का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना लामता भिजवा दी है।

# दुष्कर्म के आरोप में जिला सिवनी निवासी आकाश उर्फ मोंटू मालवी गिरफ्तार

## न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जिला जेल, देवी जागरण के दौरान देवी जागरण की एक लड़की से बनाए थे शारीरिक संबंध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अजाक पुलिस ने एक लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी आकाश उर्फ मोंटू पिता चंद्रशेखर मालवी 34 वर्ष को गिरफ्तार कर लिये। यह आरोपी सिवनी जिले में आने वाले ग्राम बरघाट निवासी है। जिसके विरुद्ध सिवनी जिले में ही रहने वाली एक 25 वर्षीय लड़की ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाई थी। अजाक पुलिस ने गिरफ्तार इस आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह लड़की देवी जागरण में काम करती है। देवी जागरण के दौरान सन 2020 में इस लड़की की पहचान बजरंग चौक बरघाट में रहने वाले आकाश मालवी से हुई थी जान पहचान होने के कारण दोनों कई जगह देवी जागरण का कार्यक्रम किए थे। 21 अक्टूबर 2021 को देवी जागरण का कार्यक्रम बालाघाट जिले में था। देवी जागरण के बाद रात्रि 3ः00 बजे आकाश मालवी इस लड़की को एक सुने मकान में ले गया और इस लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे ।इसके अलावा देवी जागरण कार्यक्रम के दौरान आकाश मालवीय ने अन्य जगह भी इस लड़की से शारीरिक संबंध बनाये ।किंतु उसने शादी नहीं की। हाल ही में 17 जून 2025 को आकाश मालवी ने इस लड़की को अपने किराए के कमरे में ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये थे। लड़की ने शादी करने के लिए बोली किंतु आकाश मालवी ने शादी करने से साफ मना कर दिया। जिसके बाद इस लड़की ने बरघाट थाना पहुंचकर रिपोर्ट की थी ।बरघाट पुलिस ने इस मामले में आकाश मालवी के विरुद्ध धारा 69 भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किये थे। चूंकि घटनास्थल बालाघाट जिले का होने के कारण बरघाट पुलिस थाना से इस मामले की पुलिस डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु बालाघाट भेजी गई थी। जिसकी आगे विवेचना अजाक पुलिस द्वारा की गई। 30 जुलाई को अजाक पुलिस ने आकाश उर्फ मोंटू मालवी ग्राम बरघाट जिला सिवनी निवासी को गिरफ्तार करके यहां की विद्वान अदालत में पेश कर दिए जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट ( म.प्र. ) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट